वर्ष : 18 अंक: 125 ग्वालियर ● शुक्रवार 06 जून 2025 ● पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रु.

दैनिक मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, छत्तीसगढ़ से प्रकाशित
चम्बल सुर्खी
उत्कृष्ट एवं सफल प्रकाशन के 37 वर्ष
निष्पक्ष एवं निर्भीक विचारों का प्रवक्ता

आज का तापमान
अधिकतम 37 डिग्री
न्यूनतम 27 डिग्री

नारीशक्ति के शौर्य और प्रेरणा..., पीएम मोदी का कच्छ की बहनों को तोहफा; अपने आवास पर लगाया सिंदूर का पौधा

पीएम मोदी विश्व पर्यावरण दिवस-2025 के शुभ अवसर पर भगवान महावीर वनस्थली पार्क, नई दिल्ली में 'एक पेड़ मां के नाम' पहल के तहत पौधारोपण करते हुए।

नई दिल्ली,ए.।

पीएम मोदी ने अपने दिल्ली आवास पर आज सिंदूर का एक पौधा लगाया। इस पौधे को लेकर उन्होंने एक सोशल मीडिया पर पोस्ट भी किया है। इस पोस्ट में उन्होंने कहा, विश्व पर्यावरण दिवस पर आज मुझे पौधे को नई दिल्ली के प्रधानमंत्री आवास में लगाने का सौभाग्य मिला है। पीएम मोदी ने कहा है,1971 के युद्ध में साहस और पराक्रम की अद्भुत मिसाल पेश करने वाली कच्छ की वीरांगना माताओं-बहनों ने हाल ही में गुजरात के दौरे पर मुझे सिंदूर का पौधा भेंट किया था। इस कदम को हाल ही में हुए ऑपरेशन सिंदूर के प्रति भी एक संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

कच्छ में महिलाओं ने भेंट किए थे पौधे

हाल ही में पीएम मोदी कच्छ गए थे। कच्छ में 1971 के युद्ध में अद्भुत साहस दिखाने वाली महिलाओं के एक समूह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी और उन्हें सिंदूर के पौधे भेंट किए थे। प्रधानमंत्री मोदी इससे बेहद अभिभूत हुए और उन्होंने कहा कि वे अपने आवास पर यह सिंदूर लगाएंगे। आज विश्व पर्यावरण दिवस पर उन्होंने 7, लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने आवास पर सिंदूर का पौधा लगाया।

प्लास्टिक प्रदूषण को खत्म करना है थीम

एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो संदेश में इससे पहले पीएम मोदी ने कहा था कि वैश्विक जलवायु की सुरक्षा के लिए हर देश को स्वार्थ से ऊपर उठना होगा। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक प्रदूषण को खत्म करना इस साल के विश्व पर्यावरण दिवस का विषय है और भारत पिछले चार-पांच सालों से इस पर लगातार काम कर रहा है। मोदी ने कहा कि मिशन लाइफ, जो संसाधनों के सोच-समझकर इस्तेमाल करने के लिए कहता है, दुनिया भर में एक जन आंदोलन बन रहा है। उन्होंने कहा कि लाखों लोगों ने अपने जीवन में कम करो, दोबारा इस्तेमाल करो और रीसाइकिल करो के मंत्र को अपनाया है।

अयोध्या में राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा सूरत के कारोबारी ने हीरे के आभूषण दान किए

योगी बोले- मोदी आधुनिक भारत के भगीरथ

अयोध्या,ए.।

अयोध्या के राम मंदिर में राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा हो गई। सीएम योगी ने राम दरबार का पूजन किया। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम अभिजीत मुहूर्त में सुबह 11.25 से 11.40 बजे तक चला। रामलला के गर्भगृह के ऊपर यानी फर्स्ट फ्लोर पर राम दरबार बनाया गया है।

इसमें श्रीराम, मां सीता, तीनों भाई- लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न के साथ हनुमानजी की मूर्तियां हैं। काशी के पुरोहित जय प्रकाश त्रिपाठी ने 101 पंडितों के साथ प्राण प्रतिष्ठा कराई। मंत्रोच्चारण के बाद मूर्तियों की आंखों पर बंधी पट्टियां खोली गईं, उन्हें आइना दिखाया गया। भगवान राम सहित चारों भाइयों के हाथों में धनुष हैं।

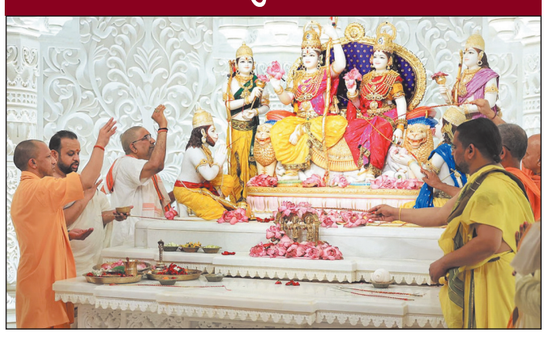

जहां गर्भगृह में भगवान राम बालक के रूप में हैं, वहीं राम दरबार में राजा के रूप में विराजमान हैं। श्रद्धालु राम दरबार के दर्शन कब से कर सकेंगे, ट्रस्ट ने अभी इसके बारे में कोई जानकारी नहीं दी है।

इस मौके पर सीएम योगी ने प्रधानमंत्री मोदी को आधुनिक भारत का भगीरथ बताया। नमामि गंगे परियोजना से पीएम ने गंगा की पवित्रता को फिर से हासिल किया।

योगी ने कहा कि सभी जिलाधिकारियों से कहा गया है कि वो अपने-अपने जिले की एक नदी को पुनर्जीवित करें। नदियों में न सीवर डाला जाए, न नाले गिराए जाएं, न मरे हुए जानवर फेंके जाएं।

TMC सांसद महुआ मोइत्रा ने बीजद नेता से शादी की: पिनाकी मिश्रा पुरी के पूर्व सांसद

नई दिल्ली/कोलकाता,ए.।

तृणमूल कांग्रेस की चर्चित सांसद महुआ मोइत्रा ने बीजद नेता पिनाकी मिश्रा से दूसरी शादी कर ली है। सोशल मीडिया पर दोनों की एक तस्वीर सामने आई है। दावा किया जा रहा है कि दोनों ने 3 मई को ही जर्मनी में शादी कर ली थी। हालांकि, सेरेमनी को पूरी तरह से प्राइवेट रखा गया था। महुआ 50 साल की हैं। वह बंगाल के कृष्णानगर से दो बार की सांसद हैं। वहीं, 65 साल के पिनाकी मिश्रा ओडिशा के पुरी के पूर्व सांसद और सुप्रीम कोर्ट के बड़े वकील भी हैं। महुआ या पिनाकी की ओर से शादी के बारे में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

बेंगलुरु भगदड़ मामले में RCB समेत 3 के खिलाफ FIR

हाईकोर्ट ने स्टेट्स रिपोर्ट मांगी, सुनवाई 10 जून को

बेंगलुरु,ए.।

कर्नाटक पुलिस ने गुरुवार को भगदड़ मामले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB), DNA इवेंट मैनेजमेंट कंपनी और कर्नाटक क्रिकेट एसोसिएशन के खिलाफ स्नढ्ढक्र दर्ज की। इन पर विक्ट्री परेड के दौरान आपराधिक लापरवाही का आरोप लगाया गया है।

FIR में कहा गया है कि भगदड़ की घटना अव्यवस्था और जिम्मेदार एजेंसियों की लापरवाही की वजह से हुई। उधर, इस मामले में हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। एक्टिंग चीफ जस्टिस वी कामेश्वर राव और जस्टिस सी एम जोशी बेंच ने राज्य सरकार को हादसे पर स्टेट्स रिपोर्ट पेश करने को कहा है। अब अगली सुनवाई 10 जून को होगी।

वहीं, याचिकाकर्ता के वकील ने कोर्ट से कहा, राज्य सरकार को यह बताना चाहिए कि आरसीबी के खिलाड़ियों को सम्मानित करने का फैसला किसने लिया है। जो खिलाड़ी देश के लिए नहीं खेलते, उन्हें सम्मानित करने की क्या मजबूरी थी।

दरअसल, 4 मई को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) ने पहली बार IPL खिताब जीतने पर बेंगलुरु में विक्ट्री परेड का आयोजन किया था। पहले राज्य सरकार ने विधानसभा परिसर में सभी खिलाड़ियों का सम्मान किया।

अमरनाथ यात्रा- पहली बार पहलगाम-बालटाल रूट पर जैमर लगाए जाएंगे: 58 हजार जवान भी तैनात होंगे

3 जुलाई से शुरू होगी 38 दिन की यात्रा

श्रीनगर,ए.।

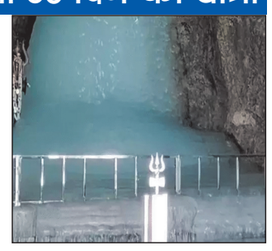

अमरनाथ यात्रा के काफिले की सुरक्षा के लिए पहली बार जैमर लगाए जाएंगे, जिसे केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) सुरक्षा प्रदान करेगी। काफिले के गुजरने के दौरान सुरक्षा के लिए यात्रा के दोनों रूट और नेशनल हाईवे की ओर जाने वाली सभी सड़कों को बंद कर दिया जाएगा। यह फैसला 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद आया है। बायसरन घाटी में हुए आतंकी हमले में 26 पर्यटक मारे गए थे। इसके अलावा यात्रा के लिए अलग-अलग केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (CAPF) की 581 कंपनियां तैनात की जाएंगी। जिनमें लगभग 42000 से 58,000 जवान शामिल हैं। CAPF में सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स, बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स, सशस्त्र सीमा बल, इंडो तिब्बत बॉर्डर पुलिस, सेंट्रल इंडस्ट्री सिक्योरिटी फोर्स शामिल रहती है।

राजस्थान के हेल्थ-मिनिस्टर की पत्नी की साइलेंट अटैक से मौत

जयपुर,ए.। राजस्थान के हेल्थ मिनिस्टर गजेंद्र सिंह खींवसर की पत्नी प्रीति कुमारी की साइलेंट अटैक से गुरुवार सुबह मौत हो गई। प्रीति कुमारी रात को खाना खाकर सोई थीं। सुबह नहीं उठी तो परिजन ने उन्हें उठाने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने कोई रिस्पॉन्स नहीं किया। घरवाले उन्हें नजदीक के प्राइवेट हॉस्पिटल (दुर्लभजी) लेकर गए, यहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। अंतिम संस्कार शुक्रवार सुबह 9 बजे खींवसर (नागौर) में होगा। डॉक्टरों का कहना है कि प्रीति कुमारी को साइलेंट अटैक आया था, इसके कारण सोने के बाद उनकी डेथ हो गई। बताया जा रहा है कि डॉक्टरों की एक टीम सुबह मंत्री के घर भी पहुंची थी, जहां उनको शुरुआती इलाज भी दिया था, लेकिन कोई रिस्पॉन्स नहीं आने के बाद प्रीति को हॉस्पिटल लेकर

दिल्ली में 5 महीने के बच्चे की कोरोना से मौत: 4 राज्यों में एक दिन में 437 मरीज मिले

देश में 4866 एक्टिव केस

नई दिल्ली,ए.।

देश में कोरोना के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। गुरुवार को दिल्ली में कोविड से जुड़ी दो और मौतें दर्ज की गईं। इनमें एक पांच महीने का बच्चा भी शामिल है। दिल्ली में केरल के बाद कोरोना के सबसे ज्यादा एक्टिव 562 केस हैं। दिल्ली में इस साल 1 जनवरी से अब तक कोरोना से सात मौतें हुई हैं। देश में कोरोना से मौत का आंकड़ा 51 पहुंच गया है। बुधवार को कोरोना से कुल 7 लोगों की जान चली गई। इनमें महाराष्ट्र में तीन, दिल्ली-कर्नाटक में दो-दो मौतें। दिल्ली सहित 15 राज्यों में 564 मरीज मिले, इनमें से 437 मामले सिर्फ 4 राज्यों से हैं।

केरल में सबसे ज्यादा 114, कर्नाटक में 112, पश्चिम बंगाल में 106 और दिल्ली में 105 केस सामने आए। इस तरह देश में एक्टिव केस की संख्या 4866 हो गई है। इस बीच, केंद्र सरकार गुरुवार को देश भर के राज्यों के चुनिंदा अस्पतालों में मॉक ड्रिल करेगी। इस दौरान इन अस्पतालों में ऑक्सीजन सप्लाई, जरूरी दवाओं की स्थिति और वेंटिलेटर की व्यवस्थाओं को परखा जाएगा।

राज ठाकरे बोले-महाराष्ट्र में सिर्फ मराठी और इंग्लिश पढ़ाई जाए: सरकार लिखित आदेश जारी करे कि हिंदी अनिवार्य नहीं

मुंबई,ए.।

MNS नेता राज ठाकरे ने महाराष्ट्र सरकार से अपील करते हुए कहा, वो लिखित आदेश जारी करे कि पहली कक्षा से बच्चों को सिर्फ मराठी और इंग्लिश पढ़ाई जाएगी, हिंदी को अनिवार्य नहीं किया जाएगा। उन्होंने बुधवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि सरकार ने पहले तीन भाषाएं पढ़ाने का फैसला लिया था और अब हिंदी की किताबें छप भी गई हैं। अगर सरकार अब फिर से हिंदी को जरूरी करती है, तो MNS आंदोलन करेगी।

महाराष्ट्र में 16 अप्रैल को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 को लागू करने का फैसला लिया गया था, इसके तहत राज्य के मराठी और अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में पहली से पांचवीं कक्षा के छात्रों के लिए हिंदी को अनिवार्य तीसरी भाषा बनाया गया था।

हालांकि, राज्य में कई संगठन और राजनीतिक दलों ने हिंदी को अनिवार्य करने का विरोध किया। इसके चलते राज्य सरकार ने 22 अप्रैल को हिंदी अनिवार्य करने का अपना निर्णय वापस ले लिया था। पत्रकारों से बातचीत के दौरान महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस ने कहा था कि स्टूडेंट्स तीसरी भाषा अपने मन से चुन सकेंगे। हिंदी अनिवार्य नहीं होगी।

थरूर ने कहा- देशहित में काम करना पार्टी विरोधी नहीं: बॉर्डर पार हम सिर्फ भारतीय

अमेरिका में बोले- भारत को किसी की सलाह की जरूरत

नई दिल्ली,ए.।

भारत सरकार के डेलीगेशन में अमेरिकी दौरे पर गए कांग्रेस नेता शशि थरूर ने गुरुवार को पार्टी विरोधी बयानबाजी पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा- जो लोग राष्ट्रहित में काम करने को पार्टी विरोधी गतिविधि मानते हैं, उन्हें खुद से सवाल करना चाहिए। थरूर ने यह जवाब कांग्रेस छोड़ने की अटकलों के सवाल पर दिया। उन्होंने कहा- जब आप देश की सेवा कर रहे हों, तब ऐसी चीजों की ज्यादा परवाह नहीं करनी चाहिए। हमारे राजनीतिक मतभेद भारत के बॉर्डर के बाहर जाते ही खत्म हो जाते हैं। सीमा पार करते ही हम पहले भारतीय होते हैं। थरूर इन दिनों अमेरिकी दौरे पर हैं, जहां वे ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बने मल्टी पार्टी डेलीगेशन को लीड कर रहे हैं। सरकार के समर्थन में बोलने पर कांग्रेस नेता उदित राज ने थरूर को भाजपा का सुपर प्रवक्ता बताया।

ट्रम्प पर थरूर बोले- भारत को किसी की सलाह की जरूरत नहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की भारत-पाक के बीच मध्यस्थता के बयान पर थरूर बोले- मैं यहां किसी विवाद को हवा देने नहीं आया हूं। अमेरिकी राष्ट्रपति का सम्मान है।

उज्जैन में वेलनेस निवेश को मिला मुख्यमंत्री का प्रोत्साहन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की स्पिरिचुअल और वेलनेस समिट में वेलनेस क्षेत्र के निवेशकों से वन-टू-वन चर्चा

भोपाल,ब्यूरो।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में स्पिरिचुअल और वेलनेस समिट में वेलनेस क्षेत्र के निवेशकों से वन-टू-वन चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निवेशकों को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए खुले दिल से आमंत्रित किया और राज्य की अनुकूल निवेश नीतियों पर प्रकाश डाला। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निवेशकों को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए प्रोत्साहित किया।

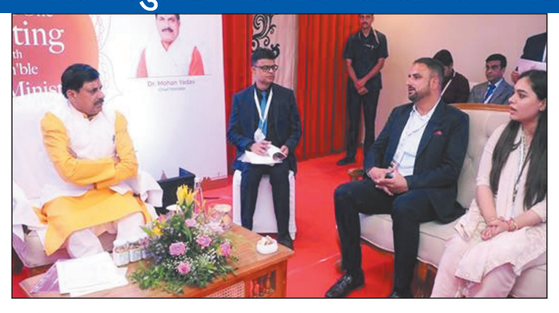

सभी निवेशकों ने मध्यप्रदेश की निवेश अनुकूल और प्रगतिशील नीतियों की सराहना की और प्रदेश में निवेश के लिए संकल्प लिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से अरबिंदो हॉस्पिटल ग्रुप के चेयरमैन डॉ. विनोद भंडारी, लीजर होटल्स ग्रुप के डायरेक्टर श्री मुकुंद प्रसाद, शतायु आयुर्वेद के सीईओ और एमडी डॉ. मृत्युंजय स्वामी, मेफ़ेयर ट्रैवल्स के एमडी श्री शरद थडानी, लाभम ग्रुप के डायरेक्टर श्री युगांश सोनी, शांतिगिरी आश्रम के जोनल हेड स्वामी चितासुधन ज्ञान तपस्वी, रॉयल ऑर्किड होटल के डायरेक्टर श्री सुदीप रॉय, एरा हॉस्पिटैलिटी के संस्थापक श्री शिवंदर सिंह, सीएचएल हॉस्पिटल ग्रुप के डायरेक्टर श्री राजुल भार्गव, लेटेन्ट डेवकॉन के डायरेक्टर श्री देवांग कपाडिया, जिंदल नेचरक्योर इंस्टीट्यूट के चीफ एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर श्री सुधीर एम.वी., ट्रैवलपैक के चेयरमैन श्री अशोक पटेल, हार्टफुलनेस इंटरफेथ प्रोग्राम्स एंड इवेंट के डायरेक्टर श्री त्रिलोचन चावला और सनसेट डेजर्ट कैंप के सीईओ और एमडी श्री हितेश्वर सिंह सिसौदिया ने वन-टू-वन चर्चा की।

रिनोवेट हुई रायपुरा की बावडी, पूजन कर मनाया बावडी उत्सव

प्राचीन जल संरचनाओं को सहेजने की भावना के साथ संपन्न हुआ कार्यक्रम

श्योपुर ब्यूरो। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जनभागीदारी से जल स्त्रोतों को सहेजने के प्रयासों को उत्सव का रूप देते हुए विश्व पर्यावरण दिवस व गंगा दशहरा के अवसर पर संपूर्ण प्रदेश में बावड़ी उत्सव आयोजित किये जाने के क्रम में कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के मार्गदर्शन में म.प्र. जन अभियान परिषद एवं जिला प्रशासन के तत्वाधान में ग्राम रायपुरा में रिनोवेट की गई बावडी पर पूजन कर समारोहपूर्वक बावडी उत्सव का आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष श्री शंशाक भूषण, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र जाट, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री नीरज जाट, भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्री दलवीर सिंह, भाजपा के पूर्व नगर मंडल अध्यक्ष श्री दिनेश दुबोलिया, भाजपा नगर मंडल महामंत्री श्री कौशल शर्मा, श्री सत्यनारायण यादव, सरपंच श्रीमती रामलेखा, सरपंच प्रतिनिधि श्री रामअवतार, ज्वालापुर सरपंच प्रतिनिधि श्री शरीफ मोहम्मद तथा डिप्टी कलेक्टर श्री संजय जैन, सीईओ जनपद श्री एसएस भटनागर, जन अभियान परिषद की जिला समन्वयक श्रीमती नेहा सिंह, परियोजना अधिकारी श्री विक्रम जाट, श्री पंकज राजपूत, श्री आंनद तोमर आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष श्री शंशाक भूषण ने कहा कि राज्य की कल्याणकारी सरकार द्वारा प्राकृतिक जल स्त्रोतो सहित प्राचीन बावडियों एवं कुओं को पुर्नजीवन प्रदान करने के लिए जीर्णोद्धार कार्य कराये जा रहे है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत श्योपुर जिले में विभिन्न बावडियों एवं कुओं को रिनोवेट एवं डी-वाटरिंग करने का कार्य किया गया है। उन्होने प्राचीन एवं प्राकृतिक जल स्त्रोतो को संवारने एवं सहेजने में समुदाय की सहभागिता की अपेक्षा करते हुए कहा कि जल है तो जीवन है, इसलिए हमें जल स्त्रोतों के संरक्षण के लिए सजग रहना होगा। भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र जाट ने कहा कि आज पर्यावरण दिवस है और हमें पर्यावरण से जुडे सभी महत्वपूर्ण संरचनाओं का संरक्षण करना होगा। प्रकृति की रक्षा के लिए पेड लगाये, पानी बचाए पर जोर देते हुए कहा कि वर्षा जल को सहेजने में सभी अपनी भूमिका निभायें। जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री नीरज जाट ने कहा कि सरकार द्वारा पूरे प्रदेश में बावडी उत्सव का आयोजन किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य समुदाय को प्राकृतिक जल स्त्रोतो के संरक्षण से जोडना है। उन्होने कहा कि जल स्त्रोतों के पूजन की हमारी पुरातन परम्परा है। उन्होने सभी से जल का अपव्यय रोकने की अपील करते हुए कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा के लिए एक पेड मॉ के नाम अभियान के तहत अपने-अपने घरों के आसपास पेड अवश्य

लगाये। कार्यक्रम का संचालन सीईओ श्री एसएस भटनागर तथा आभार प्रदर्शन सरपंच प्रतिनिधि श्री रामअवतार द्वारा किया गया। इसके पूर्व कार्यक्रम की शुरूआत कन्यापूजन के साथ हुई तथा उपस्थित अतिथियों द्वारा बावडी के गर्भगृह स्थित कुएं का विधिवत पूजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान पंचायत की ओर से सभी अतिथियों का साफा पहनाकर एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। इस दौरान जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जीर्णोद्धार की गई प्राचीन एवं एतिहासिक बावडी में दीप लगाकर रोशनी की गई।

अभियान के तहत निखरा रायपुरा की बावडी का स्वरूप

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा की अनुठी पहल से प्राचीन बावडियों को सहेजने एवं संवारने का कार्य किया जा रहा है। झाडो और मिट्टी से ढंकी बावडियों की साफ-सफाई कर उन्हें आकर्षक और उपयोगी बनाने का कार्य जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत किया जा रहा है। इसी क्रम में रायपुरा की बावडी को भी रिनोवेट कर उपयोगी एवं आकर्षक बनाया गया है। उल्लेखनीय है कि श्योपुर जिले में बावडी निर्माण जल स्त्रोत के रूप में प्राचीन काल से ही होता रहा है, वर्तमान में जो बावडियां जिले में विद्यमान है, वे छटवी-सातवी सदी से लेकर 18वी सदी के मध्य निर्मित हुई है, इनमें से अधिकांश बावडियां 16वी-17वी सदी की है। वास्तु प्रकार के आधार पर देखे तो श्योपुर की अधिकांश बावडियां नंदा बावडियों की श्रेणी में आती है, इनमें आवागमन एक ही रास्ते से होता है। श्योपुर पाली रोड पर ग्राम रायपुरा में गोड राजा इंदर सिंह के दीवान श्री शिवनाथ जी कायस्थ गोड ने सन् 1734 में एक बावडी का निर्माण करवाया था, शिलालेख के अनुसार उन्होने अपने नाम पर गांव शिवनाथपुर बसाया, जो अब रायपुरा कहलाता है। वर्तमान में बावडी की साफ-सफाई एवं जीर्णोद्धार कर बावडी का नवीनीकरण किया गया है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर जैदा में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन

प्रकृति के संरक्षण के लिए एक-एक पौधा जरूर लगायें-सांसद

चौपडा तालाब स्थित हनुमान मंदिर परिसर में रोपे गये पौधे

श्योपुर ब्यूरो। क्षेत्रीय सांसद श्री शिवमंगल सिंह तोमर ने ग्राम जैदा में आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रक ृति के संरक्षण के लिए सभी एक-एक पौधा जरूर लगायें। उन्होने कहा कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए एक पेड मॉ के नाम महाअभियान की शुरूआत की गई है। जिसके तहत सभी नागरिक एक-एक पौधा अपनी मॉ के नाम लगायें। उन्होने कहा कि पौधे को लगाने के बाद उसके वृक्ष बनने तक संरक्षण भी किया जायें। उन्होने कहा कि आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर श्योपुर जिले में पौधरोपण के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। चौपडा तालाब स्थित श्री हनुमान मंदिर परिसर में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा, सीईओ जिला पंचायत श्री अतेन्द्र सिंह गुर्जर, पूर्व विधायक श्री दुर्गालाल विजय, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री शंशाक भूषण, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती रेणु सुजीत गर्ग, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री नीरज जाट, श्री सुजीत गर्ग, श्री दिनेश दुबोलिया, श्री राकेश मीणा, परियोजना अधिकारी मनरेगा श्री विक्रम जाट सहित अन्य अधिकारी, पंचायत पदाधिकारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे। इस अवसर पर कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत सभी 236 ग्राम पंचायतों में पौधरोपण के कार्य लिये गये है, पंचायतों के माध्यम से सुरक्षित परिसरों को चिन्हित किया गया है, मानसून के पूर्व इन स्थानों पर व्यापक पौधरोपण किया जायेगा। इसके साथ ही उन्होने बताया कि अभियान के तहत जिले में एक हजार से अधिक जल संरचनाओं के निर्माण एवं जीर्णोद्धार के कार्य संचालित है, जिन्हें 30 जून तक पूर्ण करने का लक्ष्य है। इस अवसर पर सांसद श्री शिवमंगल सिंह तोमर सहित अन्य जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं पंचायत पदाधिकारियों द्वारा पौधरोपण किया गया। सीईओ जिला पंचायत श्री अतेन्द्र सिंह गुर्जर ने बताया कि मनरेगा के तहत उक्त सुरक्षित परिसर में 200 पौधे रोपे गये है, इन पौधो के संरक्षण के लिए पंचायत के माध्यम से निगरानी रखी जायेगी।

सांसद श्री तोमर ने किया चौपडा तालाब कार्य का अवलोकन

सांसद श्री शिवमंगल सिंह तोमर द्वारा इस अवसर पर जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत चौपडा तालाब के जीर्णोद्धार कार्य का अवलोकन किया गया। उल्लेखनीय है कि जैदा स्थित चौपडा तालाब के जीर्णोद्धार का कार्य 14 लाख 95 हजार रूपये की लागत से कराया जा रहा है। इसके अतंर्गत 380 मीटर लम्बाई में तालाब की पाल पर पिचिंग का कार्य किया जा रहा है तथा 20 हजार क्यूबिक मीटर मिट्टी निकालकर गहरीकरण का कार्य किया जा रहा है।

गोवर्धन पर्वत उठाकर श्री कृष्ण ने इंद्र का अभिमान भंग किया

(चम्बलसुर्खी संवाददाता)

सबलगढ़। जयपुरिया बाग के पास मिश्रा कृषि फार्म पर दो जून से चल रही श्रीमद् भागवत कथा के दौरान व्यास गद्दी पर विराजमान पंडित श्री महेश हरदैनिया द्वारा गोवर्धन लीला का वर्णन करते हुए कहाकि भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धनपर्वत उठाकर इंद्र का अभिमान भंग किया।श्री कृष्ण ने सभी गोकुल वासियों को बताया कि हमें इंद्र की पूजा न करते हुए गोवर्धन पर्वत की पूजा करनी चाहिए। गोवर्धन पर्वत हमारी गायों को घास देता है, हमें पेट भरने के लिए फल फूल कंदमूल देता है ,हमारी प्रकृति के लिए जल देता है, और हमें शुद्ध वायु प्रदान करता है, जीवन के लिए आवश्यक सभी साधन हमे गोवर्धन पर्वत के आसपास फैली हुई प्रकृति से प्राप्त होते है।इसलिए हमारा प्रथम कर्तव्य है कि हम किसी और की पूजा न करते हुए गोवर्धन पर्वत की पूजा करें ,अपनी इस प्रकृति की पूजा करें और गोकुल वासियों ने लाला कन्हैया की बात मानते हुए गोवर्धन की पूजा की, स्वयं श्री कृष्ण के अनुसार गोवर्धन की पूजा ईश्वर की पूजा के समान है ,भागवत कथा के

दौरान पंडित जी ने संदेश दिया के आज पर्यावरण दिवस है हम सब संकल्प ले कि आसपास की प्रकृति का संरक्षण करेंगे, पेड़ लगाएंगे ,और गंदगी नहीं फैलाएंगे , एक वृक्ष 100 पुत्र समान,बताया गया है और प्रकृति को नुकसान नहीं पहुंचाएंगे वास्तविकता में यही सच्ची गोवर्धन पूजा है, श्री कृष्ण के चरित्र का वर्णन करते हुए आज गोवर्धन पूजा, वृंदावन में महारास लीला, और भगवान श्री कृष्ण द्वारा जन्म के बाद किए गए राक्षसों के संहार की कथा सुनाई। श्री कृष्ण जन्म के अवसर पर विशेष रूप से भगवान की पूजा की गई उनकी झांकी निकाली गई और भागवत कथा सुनने आई महिला भक्तों द्वारा मंगल गीत गाए गए।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हुआ वृक्षारोपण कार्यक्रम

भिण्ड ब्यूरो। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश/कार्यकारी अध्यक्ष, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं ''पंच-ज'' अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में श्री उमेश पाण्डव, प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भिण्ड के आदेशानुसार एवं सुश्री अनुभूति गुप्ता, न्यायाधीश/ सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भिण्ड के कुशल मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भिण्ड द्वारा ''विश्व पर्यावरण दिवस'' के अवसर पर ग्राम चरथर जिला भिण्ड में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित श्री सुमित यादव, पैरालीगल वॉलेंटियर्स जि.वि.से.प्रा. भिण्ड द्वारा ग्राम पंचायत भवन चरथर में वृक्षारोपण कर पौधों को रोपित किया गया तथा उन पौधों की देखभाल, पानी आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। उक्त कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया गया तथा उनमें यह विचार एवं भावना विकसित करने का प्रयास किया गया कि स्वस्थ रहने के लिए पर्यावरण की रक्षा करना कितना जरूरी है। जिस जगह हम रहते हैं, वहां पर्यावरण से जुड़ी हर चीज की देखभाल करना हर व्यक्ति का कर्तव्य होता है इसलिए हमें वृक्षों के काटने पर रोक लगानी चाहिए एवं समय-समय पर वृक्षारोपण करते रहना चाहिए एवं रोपित पौधों की सुरक्षा एवं उनके बडे हो जाने तक नियमित रूप से जल संचय की व्यवस्था भी सुनिश्चित करनी चाहिए, जिससे पौधे विकसित होकर पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन में सहायक सिद्ध हो सके। वृक्ष न सिर्फ हमें प्राणदायी ऑक्सीजन देते हैं बल्कि वे कॉर्बन-डाई-ऑक्साइड को अवशोषित कर, वर्तमान में ग्लोबल वार्मिंग के कारण उत्पन्न खतरे को कम करने में हमारी मदद करते हैं, इसलिए हमें नियमित रूप से वृक्षारोपण करना चाहिए एवं दूसरों को भी वृक्षारोपण हेतु प्रेरित करना चाहिए। उक्त वृक्षारोपण कार्यक्रम में श्री सुमित यादव, पीएलव्ही, भिण्ड एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

रामकथा व महायज्ञ के भण्डारे में हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया

(चम्बलसुर्खी संवाददाता)

बीरपुर। खदान वाले मनसा पूर्ण हनुमान जी पर चल रही राम कथा व महायज्ञ के समापन पर गुरुवार को आयोजित विशाल भंडारे में हजारों की संख्या में भक्तों ने प्रसादी में भाग लिया। यज्ञ आचार्य पंडित श्री विष्णु हरदेनिया के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। विशाल भण्डारे में हजारों की संख्या में सुबह से भक्तों का तांता लगा रहा। बीरपुर शहर व नजदीकी ग्रामीण क्षेत्रों के श्रद्धालुओं ने भाग लिया। सैकड़ो साधु संतों ने इस आयोजन में भी इस क्षेत्र की शांति हेतु सैकड़ो भक्तों को आशीर्वाद दिया और कहा भारत में ऐसे ही भक्तों के द्वारा आयोजन चलते रहने चाहिए। भक्ति में शक्ति होती है।त्याग तपस्या समर्पण हम लोगों को करते रहना चाहिए क्या पता हम सब पर कब संकट की घड़ी आ जाए हम सब मिलकर ऐसे आयोजन करते रहे सभी धर्म प्रेमियों के परिवार खुशियों से जगमगाते रहे। विशाल भण्डारे की व्यवस्था बनाने के लिए

बीरपुर कस्बे की सभी दुकान पूरी तरह बन्द रहीं।सभी ने अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर आयोजन को सफल बनाया। कार्यक्रम में प्रदेशसरकार के पूर्व मंत्री श्री रामनिवास रावत भी मौजूद रहे।

गंगा दशहरा पर्व पर चम्बल नदी रहूघाट पर श्रद्धालुओं ने किया स्नान

(चम्बलसुर्खी संवाददाता)

सबलगढ (रामगोपाल बंसल)। सबलगढ़ में गंगा दशहरा का पर्व पूर्ण भक्तिभाव के साथ मनाया गया।इस अवसर पर सैकड़ों श्रद्धालुओं ने शहर से 15 किलोमीटर दूर ग्रामपंचायत रहूगांव में चम्बल नदी रहूघाट पर पर्व लिया।श्रद्धालुओं ने स्नान करने के बाद भोलेनाथ के शिवलिंग की पूजा की व सत्तू का भोग लगाया इसके बाद स्वयं सत्तू का प्रसाद ग्रहण किया।

गंगा दशहरा बनाम रहू दशहरा

आपको बता दें कि पूरे देश मे जहाँ गंगा दशहरा का पर्व मनाया जाता है वहीं सबलगढ़ अंचल में इसे रहू दशहरा के नाम से बोला जाता है।कारण यह कि आदिकाल से रहू घाट को लेकर एक कथा प्रचलित है जिसके अनुसार सूर्यवंशी राजा रघु चम्बल को लेकर आये थे।आगे आगे राजा रघु का घोड़ा चल रहा था उसके पीछे चम्बल बहती हुई आ रही थी।बताया जाता है कि चम्बल ने राजा रघु से वचन लिया था कि में आपके पीछे बहती आ रही हूं किंतु आप पीछे मुड़कर मत देखना।यदि आपने पीछे देखा तो में रसातल में समा जाऊंगी।जब रघु का घोड़ा रहू घाट पर आया तो सामने बड़ी पहाड़ी आ गई जिसे देखकर राजा ने सोचा कि इस विशाल पहाड़ पर चम्बल कैसे बहेगी और उन्होंने पीछे देख लिया। तब चम्बल ने कहाकि राजा आपने वचन भंग किया है, इतना कहकर चम्बल रसातल में समा गई।राजा को पश्चाताप हुआ तब उन्होंने चम्बल की आराधना की तब चम्बल ने कहाकि आप यहाँ सत्तू का यज्ञ करो तब में पुनः प्रकट हो सकती हूँ।राजा रघु ने इसी स्थान पर सत्तू का यज्ञ किया तबसे चम्बल इस स्थान से एक किलोमीटर आगे चलकर प्रकट हुई।तभी से इस क्षेत्र में रहू दशहरा मनाया जाता है।यहाँ एक खास बात और हे कि रहूघाट पर दो किलोमीटर चौड़ाई में बहने वाली चम्बल मात्र पांच फीट में सिमट गई है।चम्बल का यह नजारा दर्शनीय है तथा पर्यटकस्थल बनाये जाने योग्य है।

सबलगढ़ में बनेंगे पीवीसी पाइप,नीरश्या इंडिया प्रा लि का हुआ शुभारंभ

(चम्बलसुर्खी संवाददाता)

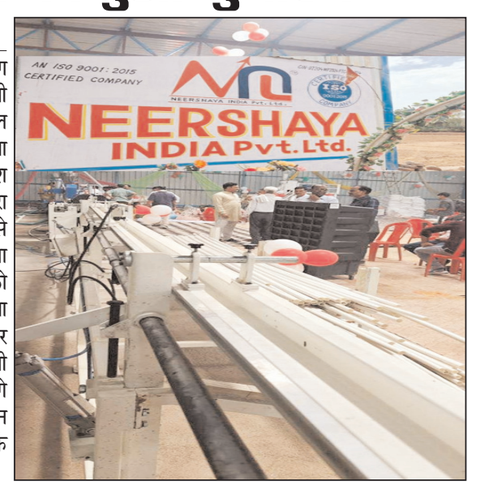

सबलगढ़। सबलगढ़ में एक नया उद्योग स्थापित हुआ है।अब सबलगढ़ में नल व बिजली फिटिंग में उपयोग होने वाले पीवीसी पाइप व निपिल आदि का निर्माण होगा।इस उद्योग की स्थापना नीरश्या इंडिया प्रा लि के नाम से संचालक बृजेश गर्ग,दीपक फक्कड़,सीपू भदौरिया व गिर्राज मरैया द्वारा गायत्री कॉलोनी में की गई है।इसका विधिविधान से पूजाअर्चना कर शुभारंभ गुरुवार को किया गया।संचालक श्री बृजेश गर्ग ने बताया कि फर्म को आईएसओ मार्का प्राप्त है।उन्होंने बताया कि मुरैना जिले में पीवीसी पाइप की बहुत ज्यादा मांग है और इसकी फेक्ट्री सबलगढ़ अंचल में नहीं थी।कम्पनी द्वारा सभी साइज के पाइप निपिल आदि बनाये जाएंगे तथा मुरैना जिले के अतिरिक्त निकटवर्ती राजस्थान व उत्तरप्रदेश में सप्लाई दी जाएगी।शुभारंभ के अवसर पर शहर के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

शांति एवं सद्भावपूर्ण मनायें ईदुज्जुहा त्यौहार - कलेक्टर

जिला स्तरीय शान्ति समिति की बैठक संपन्न

भिण्ड ब्यूरो। कलेक्टर श्री संजीव श्रीवास्तव की अध्यक्षता में ईदुज्जुहा त्यौहार के संबंध में जिला स्तरीय शान्ति समिति की बैठक का आयोजन कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष भिण्ड में किया गया। बैठक में विधायक गोहद श्री केशव देसाई, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत भिण्ड श्री सुनील दुबे, अपर कलेक्टर श्री एल.के. पाण्डेय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संजीव पाठक, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री देवेन्द्र सिंह नरवरिया सहित अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधि, समिति सदस्य एवं गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री संजीव श्रीवास्तव ने कहा कि जिले में ईदुज्जुहा पर्व हर वर्ष की भांति शान्तिपूर्ण एवं उल्लास के साथ मनाया जाता है। उन्होंने इस वर्ष भी उक्त पर्व प्रतिवर्ष की भांति शांति एवं सद्भावपूर्ण रूप से मनाये जाने हेतु अपील की। उन्होंने गणमान्य नागरिकों से अपने-अपने सुझाव, प्रस्ताव देने के लिए अनुरोध किया। जिसमें शहर काजी द्वारा बताया गया कि कचरा, गन्दगी नहीं फैलाई जाए, कचरे को कूड़ेदान में ही डाला जाए। कलेक्टर श्री श्रीवास्तव ने निर्देशित कर कहा कि 07 जून 2025 को ईदुज्जुहा पर्व मनाया जायेगा। ईदुज्जुहा त्यौहार को सुबह 7.00 बजे से 9रू30 बजे तक पृथक-पृथक ईदगाहों पर नमाज की जाएगी। ईदुज्जुहा के त्यौहार पर सम्पूर्ण जिले में मस्जिदों के पास साफ-सफाई, पानी के टेंकर की व्यवस्था ईदगाह स्थल पर की जावे। ईदगाह वाले रास्ते पर आवारा पशुओं को रोकने के लिए नगर पालिका कर्मचारी ईदगाह स्थल एवं ईदगाह वाले मार्गों पर 07 जून को तैनात रहें एवं बिजली की सप्लाई निरंतर रूप से चालू की जावे, प्रशासन एवं पुलिस व्यवस्था की जावे। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिये तथा उक्त त्यौहार को शान्ति एवं सद्भाव पूर्ण रूप से मनाये जाने की सभी उपस्थित गणमान्य नागरिकों से अपील की गई।

पुराने जल स्रोतों को संरक्षित करना सबसे बड़ी जन सेवारू विजय यादव एसडीएम

प्रकृति के प्रति अपने मानवीय धर्म को निभाईये भविष्य बचाईएरू जिला समन्वयक

भिण्ड ब्यूरो। जल ही जीवन है और आज जल के सबसे बड़े दुश्मन के रूप में मानव ही सामने आ रहा है पानी की बर्बादी यदि नहीं रोकी तो भविष्य में बड़ा संकट खड़ा होगा। इसलिए आज से ही पुराने जल स्रोतों को संरक्षित करना होगा। शासन का जल गंगा संवर्धन अभियान महत्वपूर्ण अभियान है जिसमें जन अभियान परिषद की यह पहल स्तुतिय है। परिषद इस ओर जन जागरूकता का कार्य करे और पुराने जल स्रोतों को संरक्षित करने में सहयोग करे, विश्व पर्यावरण दिवस की तभी सही मायने में सार्थकता होगी। जल गंगा संवर्धन अभियान लोक उत्सव का रूप ले रहा इसी के तहत हम लहार के ग्राम अमहा में बावड़ी उत्सव मना रहे हैं। उक्त बात अनुविभागीय अधिकारी लहार विजय यादव ने कही वे म.प्र. जन अभियान परिषद के ष्बावड़ी उत्सवष् कार्यकम में बोल रहे थे। इस अवसर पर ग्राम सरपंच श्रीमती शिल्पी परिहार, जिला समन्वयक डॉ शिव प्रताप सिंह भदोरिया विकासखंड समन्वयक सुनील कुमार चतुर्वेदी, अमहा ग्राम सचिव अशोक पाराशर, सहायक सचिव श्रीमती विनीता कौरव, मंदिर पुजारी हलधर शर्मा, समाजसेवी रणवीर सिंह कौरव,नरेन्द्र सिंह कौरव,सतपाल सिंह परिहार, रामकिशोर कौरव, रविंद्र मिश्रा,शैलेंद्र पचौरी, रमेशपाल,मान सिंह परमार, रामबाबू पचौरी, नारायण दास फौजी, बीरन सिंह कौरव,गौरव, रामकुमार शर्मा, धर्मेन्द्र जादौन, उपमंत्री लहार हेमराज शर्मा सहित समस्त नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधि,मेंटर्स छात्र-छात्राएं, ग्रामवासी और अन्य समाजसेवी संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन सुनील कुमार चतुर्वेदी ने किया और आभार प्रदर्शन सचिव अशोक पाराशर और रणवीर कौरव ने किया। लहार विकासखंड के ग्राम अमहा में बावड़ी उत्सव के अंतर्गत बावड़ी पूजन का कार्य एसडीएम विजय यादव के कर कमलों से किया गया।

बावड़ी का इतिहास मंदिर पुजारी हलधर शर्मा ने बताया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए अनुविभागीय अधिकारी लहार विजय यादव ने कहा कि प्रकृति के प्रत्येक तत्व को हमें सुरक्षित करना है। चाहे वह कुआं हो, बावड़ी हो, तालाब हो, नदी हो, वृक्ष हो, हमारी पहली कोशिश यह होनी चाहिए कि पुराने जल स्त्रोतों जल संरचनाओं और वृक्षों को संरक्षित करें। कुछ नई संरचनाओं भी तैयार करें और वृहद वृक्षारोपण भी करें जिससे आने वाले समय में हम नई पीढ़ी को एक स्वस्थ वातावरण देकर जाएं। जिला समन्वयक डॉ शिवप्रताप सिंह भदोरिया ने कहा कि प्रकृति के संरक्षण में मनुष्य की महत्वपूर्ण भूमिका है अभी यह देखने में आ रहा है की प्रकृति के साथ मनुष्य समन्वय नहीं बिठा पा रहा है इसीलिए आए दिन बड़े-बड़े पेड़ काटे जा रहे हैं और पुराने जल स्त्रोत भी संरक्षित नहीं हो पा रहे हैं अतः जन अभियान परिषद के माध्यम से उक्त जन जागरूकता की गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। आपसे अनुरोध है तीन प्रकार के कार्यों पर हम विशेष रूप से ध्यान दें। जल संरक्षण जिसमें पुराने जल स्त्रोतों का संरक्षण करें, वृक्षारोपण करें और फर्स्ट यूज पॉलिथीन का कम से कम उपयोग करें जिससे कि इस पर्यावरण में संतुलन बिठाया जा सके। कार्यक्रम का संचालन विकासखंड समन्वयक सुनील कुमार चतुर्वेदी ने आभार नवांकुर संस्था के रणवीर कौरव ने किया।

कलेक्टर ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत नवीन नल-जल योजनाओं के कार्यों की समीक्षा की

योजनाओं को शीघ्र पूर्ण करने आवश्यक कार्यवाही करने हेतु दिए निर्देश

भिण्ड ब्यूरो। कलेक्टर भिण्ड श्री संजीव श्रीवास्तव की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन के अंतर्गत नवीन नल-जल योजनाओं के कार्यो की समीक्षा बैठक कलेक्टर कक्ष में आयोजित की गई। उक्त बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत भिण्ड श्री सुनील दुबे एवं पीएचई विभाग के सहायक यंत्री एवं उपयंत्री सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जानकारी दी गई कि दिनांक 26 अप्रैल 2025 को प्रमुख सचिव, म0प्र0 शासन लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में 92163 एफ.एच.टी.सी शेष थे। आज दिनांक की स्थिति में 77419 एफ.एच.टी.सी. किये जाने शेष हैं, दिनांक 26 अप्रैल 2025 से 02 जून 2025 तक 14663 एफ.एच.टी.सी. किये गये हैं। शेष 77419 एफ.एच.टी.सी में से 183 नलकूपों का खनन कार्य शेष होने से 18410 एफ.एच.टी.सी. एवं 47 ग्रामों की योजना पुनरीक्षित स्वीकृति उपरांत 5032 एफ.एच.टी.सी. प्राप्त होंगे। 06 निविदाकारों द्वारा समय-सीमा में कार्य नहीं किया गया है और उनके विरुद्ध अनुबंध समाप्त की कार्यवाही की गई। 04 निविदाकारों को ब्लेकलिस्टेड करने के प्रस्ताव भेजे गये हैं। कलेक्टर श्री श्रीवास्तव द्वारा पीएचई विभाग को 3 फेस कनेक्शन

उपलब्ध कराने हेतु एमपीईबी को पत्र जारी करने हेतु निर्देशित किया गया। प्रमुख अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग भोपाल को केसिंग पाईपध्बोरिंग मशीन आदि उपलब्ध कराने हेतु कार्यपालन यंत्री पीएचई को पत्र प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया। कलेक्टर श्री श्रीवास्तव द्वारा उक्त योजनाओं को शीघ्र पूर्ण करने के संबंध में आवश्यक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही वांछित जानकारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत भिण्ड को उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया।

अनुसूचित जाति वर्ग के लिये संचालित संत रविदास स्वरोजगार योजना में 1 लाख से 50 लाख तक ऋणध्वित्तीय सहायता हेतु आवेदन आमंत्रित

भिण्ड ब्यूरो। कार्यपालन अधिकारी जिला अन्त्यावसायी सहकारी विकास समिति मर्यादित भिण्ड ने बताया कि मप्र राज्य सहकारी अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम भोपाल द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग के लिये संचालित संत रविदास स्वरोजगार योजना में जिले के सभी अनुसूचित जाति वर्ग के आवेदकों हेतु 1 लाख से 50 लाख तक ऋणध्वित्तीय सहायता प्रदान की जावेगी जिस पर 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान की पात्रता रहेगी। योजनान्तर्गत आवेदन हेतु पात्रता की शर्तों के अनुसार आवेदक भिण्ड जिले का मूल निवासी हो, आवेदक अनुसूचित जाति वर्ग से हो, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) द्वारा जारी जाति प्रमाण पत्र ही मान्य होगा, आवेदक की उम्र 18-45 वर्ष के मध्य हो तथा शैक्षणिक योग्यता 8वीं कक्षा उत्तीर्ण हो, आवेदक आयकर दाता न हो तथा केन्द्रध्राज्य शासन की किसी अन्य स्वरोजगार योजना का लाभार्थी न हो, आवेदक शासकीय/अशासकीय सेवा में न हो, आवेदक किसी राष्ट्रीयकृत बैंक या वित्तीय संस्था का डिफॉल्टर न हो। योजना में इच्छुक एवं पात्र आवेदक samast.mponline.gov.in पोर्टल से दिनांक 31 जुलाई 2025 तक ऋण आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिये कार्यालय समय से सम्पर्क कर सकते हैं।

ग्वालियर के विकास की गाथा 100 वर्ष से भी पुरानी है : केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया

अचलेश्वर एवं इंदरगंज चौराहे के सौंदर्यीकरण कार्य का किया लोकार्पण

ग्वालियर में तेजी के साथ हो रहा है विकास : ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

ग्वालियर। केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा है कि ग्वालियर एक ऐतिहासिक शहर है। इसके विकास की गाथा 100 वर्ष पुरानी है। हमारे शहर में विकास के जो काम हुए हैं, वह 100 वर्ष बाद भी हमें दिखाई दे रहे हैं। श्री सिंधिया ने अचलेश्वर चौराहा एवं इंदरगंज चौराहा के सौंदर्यीकरण के शुभारंभ एवं महाराजा माधवराव सिंधिया प्रथम के 100वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित समारोह में यह बात कही। कार्यक्रम में प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर सहित विधायक श्री मोहन सिंह राठौर, पूर्व सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर, पूर्व मंत्री श्रीमती माया सिंह, श्री ध्यानेन्द्र सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष शहर श्री जयप्रकाश राजौरिया, पूर्व विधायक श्री मुन्नालाल गोयल, श्री रमेश अग्रवाल, भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य श्री वेदप्रकाश शर्मा, पूर्व जिला अध्यक्ष श्री कमल माखीजानी, श्री कौशल शर्मा, चेम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष श्री प्रवीण अग्रवाल सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने कहा कि महाराजा माधवराव सिंधिया प्रथम के कार्यकाल में ग्वालियर का चहुँमुखी विकास हुआ। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, परिवहन के साथ सभी क्षेत्रों में विकास किया। उनके द्वारा किए गए कार्य 100 वर्ष बाद भी हमारे लिये उपयोगी बने हुए हैं। श्री सिंधिया ने कहा कि मेरा और मेरे परिवार का ग्वालियरवासियों से पारिवारिक रिश्ता है। सिंधिया परिवार ने ग्वालियर के विकास के लिये सदैव कार्य किया है और आगे भी करते रहेंगे। केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने कहा कि 100 वर्ष पूर्व ग्वालियर के निवासियों को पेयजल की आपूर्ति के लिये बनाया गया तिघरा बांध आज भी शहरवासियों को पेयजल उपलब्ध करा रहा है। इसी प्रकार मेडीकल कॉलेज, शिक्षण संस्थायें और अनेक ऐसे कार्य हैं जो 100 वर्ष के बाद भी हम सबके लिये उपयोगी बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि ग्वालियर के विकास में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जायेगी। हमारा शहर न केवल प्रदेश में बल्कि देश में भी विकास के लिये जाना जाए, इसके लिये हम सब पूरी शिद्दत के साथ कार्य करेंगे। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि ग्वालियर के विकास में सिंधिया परिवार द्वारा किए गए कार्यों को हम भुला नहीं पायेंगे। महाराज माधवराव सिंधिया प्रथम के कार्यकाल में ग्वालियर में किए गए विकास कार्यों को हम सब लोग भलीभाँति जानते हैं। इसके साथ ही उनके परिवार के उत्तराधिकारी कैलाशवासी माधवराव सिंधिया ने भी परिवार की परंपराओं को आगे बढ़ाकर क्षेत्र के विकास में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है।

वर्तमान समय में केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी ग्वालियर-चंबल संभाग के विकास के लिये निरंतर कार्य कर रहे हैं। उनके सार्थक प्रयासों से ही ग्वालियर में एयरपोर्ट, एलीवेटेड रोड, रेलवे स्टेशन का जीर्णोद्धार जैसे महत्वपूर्ण कार्य हमारे सामने हैं। कार्यक्रम में पूर्व सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने कहा कि सिंधिया परिवार का देश के विकास में बड़ा योगदान है। महाराज माधवराव सिंधिया प्रथम एवं उसके बाद राजमाता सिंधिया ने भी ग्वालियर एवं प्रदेश के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। परिवार की परंपराओं को आगे बढ़ाते हुए केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी क्षेत्र के विकास के लिये निरंतर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ग्वालियर के अधोसंरचना विकास में सिंधिया परिवार ने जो कार्य किया है उसे भूला नहीं जा सकता। कार्यक्रम में विधायक श्री मोहन सिंह राठौर, पूर्व विधायक श्री मुन्नालाल गोयल, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य श्री वेदप्रकाश शर्मा, जिला अध्यक्ष श्री जयप्रकाश राजौरिया ने भी अपने महत्वपूर्ण विचार रखे। उन्होंने कहा कि ग्वालियर के विकास में सिंधिया परिवार का योगदान सराहनीय है। अपने परिवार की परंपराओं को आगे बढ़ाते हुए केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया भी निरंतर विकास के कार्यों को आगे बढ़ा रहे हैं।

अचलेश्वर चौराहा एवं इंदरगंज चौराहे पर पहुँचकर किया माल्यार्पण

केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया एवं प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने इंदरगंज चौराहे पर पहुँचकर महाराज माधावराव सिंधिया प्रथम के चित्र पर माल्यार्पण किया। इसके साथ ही अचलेश्वर चौराहे पर महादजी सिंधिया की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दोनों चौराहों के सौंदर्यीकरण के लिये किए गए कार्यों का अवलोकन एवं लोकार्पण किया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर किया वृक्षारोपण

नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के तहत स्टेशन बजरिया से आकाशबाणी होते हुए बस स्टेंड परिसर तक चलाया स्वच्छता अभियान

ग्वालियर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण जागरूकता के लिए नगर निगम ग्वालियर द्वारा विभिन्न प्रकार के जन जागरूकता अभियान चलाकर आम नागरिकों को जागरूक किया गया। जिसमें वृक्षा रोपण कर आमनागरिकों को पौधारोपण हेतु प्रोत्साहित किया तथा नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के तहत ग्वालियर में वायु सुधार हेतु जन जागरूकता कार्य के अंतर्गत मेगा ड्राइव फॉर माइक्रो डस्ट क्लीनिंग प्रोग्राम के तहत स्टेशन बजरिया से आकाशवाणी होते हुए बस स्टैंड परिसर तक अभियान चलाकर सड़कों की साफ सफाई कराई गई तथा रैली निकालकर आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय के निर्देशन में नगर निगम ग्वालियर की सहयोगी संस्था म्यूज एवं डिवाइन संस्था द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के तहत विभिन्न स्थलों पर प्लास्टिक पॉलिथीन कलेक्शन, सभी दुकानदारों को प्लास्टिक पॉलिथीन न उपयोग करने तथा कपड़े का थैला उपयोग करने की समझाइश दी गई । प्लास्टिक कचरा न जलाने एवं वायु प्रदूषण के रोकथाम के उपायों के बारे में समझाया गया। विश्व पर्यावरण दिवस 2025 की थीम प्लास्टिक प्रदूषण का अंत में कार्य करते हुए स्वच्छता का संकल्प भी लिया गया। टीम के द्वारा सार्वजनिक स्थलों पर वहाँ उपस्थित जनमानस को जागरूक करते हुए पौधारोपण करने तथा प्लास्टिक का उपयोग न करने एवं स्वच्छता का संकल्प भी लिया गया। बस स्टैंड पर नुक्कड़ नाटक अमानक पॉलीथिन एवं प्लास्टिक का उपयोग न करने के लिए किया जागरूक रोडवेज बस स्टेंड सहित अन्य कई स्थानों पर आईईसी टीम के सदस्यों द्वारा आमजन को नुक्कड़ नाटक के माध्यम से अमानक पॉलीथिन एवं प्लास्टिक का उपयोग न करने की समझाइश दी गई तथा प्लास्टिक के उपयोग करने पर उसके क्या दुष्प्रभाव होता है आदि के बारे में आमजन एवं बस स्टेंड पर आने वाले यात्रियों को जागरूक किया गया।

कस्तूरबा तिराहे से नेहरू पार्क होते हुए महाराज बाडा तक नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम आज

नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के तहत सुबह 7 बजे से दिनांक 06 जून 2026 को कस्तूरबा तिराहे से नेहरू पार्क होते हुए महाराज बाडा तक जन भागीदारी द्वारा वायु सुधार कार्यक्रम हेतु साफ सफाई कर नागरिकों को जागरुक किया जाएगा।

विश्व पर्यावरण दिवस पर किया पौधारोपण एवं दिलाई शपथ

ग्वालियर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर निगम द्वारा सीवेज एवं कचरा ट्रांसफर स्टेशन पर वृहद रूप में पौधारोपण किया। पौधारोपण के दौरान पार्षद श्रीमती सरोज हेवरन कंषाना, अपर आयुक्त श्री मुनीष सिकरवार, उपायुक्त श्री अमर सत्य गुप्ता, कार्यपालन यंत्री श्री सुरेश अहिरवार, नोडल अधिकारी श्री पवन शर्मा, श्री महेन्द्र प्रसाद अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। संचालनालय आयुक्त के पत्र अनुसार प्राप्त निर्देशों के पालन में 5 जून 2025 को विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में माननीय जनप्रतिनिधि नागरिकों एवं समस्त संबंधित अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में निम्न प्रसंस्करण इकाई स्थलों पर पौधारोपण कर शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पौधरोपण समस्त सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, समस्त कचरा ट्रांसफर स्टेशन, निर्माण एवं विध्वंस प्रसंस्करण प्लांट, जलालपुर, ठोस अपशिष्ट प्रसंस्करण प्लांट, केदारपुर, फिकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट, बैजाताल सहित अन्य कई स्थानों पर पौधारोपण किया गया।

पीएम आवास कॉलोनी में किया पौधारोपण

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कनविका फाउंडेशन की तरफ से पीएम आवास कॉलोनी महलगांव सिटी सेंटर ग्वालियर में सभी रह वासियों के सहयोग से पौधे रोपे गए, इस अवसर पर 25 पौधे लगाये गए तथा एक वर्ष में एक हजार पौधे लगाने के संकल्प लिया गया। इस अवसर पर श्री प्रवीन भार्गव, श्री विकेन्द्र सिंह, अविश शंखधर, प्रताप सिंह जादौन एवं बृजेश सिंह भदौरिया सहित सभी रहवासियों ने पौधे रोपे।

पौधारोपण के साथ लें, उनके संरक्षण का संकल्पः महापौर डॉ. सिकरवार

ग्वालियर। पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए हम सभी पौधारोपण तो करते हैं लेकिन उनके संरक्षण पर ध्यान नहीं देते हैं, आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि पौधों का रोपण करने के साथ ही उनके बड़े होने तक उनका संरक्षण भी करें। उक्त आशय के विचार महापौर डॉक्टर शोभा सतीश सिंह सिकरवार ने आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 51 पौधों का रोपण करते हुए व्यक्त किये। पिपरौली रोड स्थित रेलवे क्रॉसिंग के आगे आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान महापौर डॉक्टर शोभा सतीश सिंह सिकरवार के साथ उप नेता सत्ता पक्ष श्री मंगल यादव, मेयर इन काउंसिल के सदस्य श्री अवधेश कौरव, श्री नाथूराम ठेकेदार, श्री विनोद यादव माठू, पार्षद श्री सुरेंद्र साहू, श्री अंकित कटठल, नोडल अधिकारी पार्क श्री अजय शाक्यवार, पार्क पर्यवेक्षक श्री राजू नागर सहित अनेक क्षेत्रीय नगरीकरण उपस्थित रहे। इस अवसर पर महापौर डॉ. शोभा सिकरवार ने इस मौके पर उपस्थित आमजनों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छ पर्यावरण हमें जीवन देता है। यह हमारे लिए शुद्ध हवा, पानी, और भोजन का स्रोत है। लेकिन वर्तमान समय में हम अपने स्वार्थ के कारण इसे नष्ट कर रहे हैं। प्रदूषण, वनों की कटाई और जलवायु परिवर्तन हमारे पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंचा रहे हैं। हमें अपने पर्यावरण की रक्षा के लिए तत्पर रहना चाहिए। पौधा रोपण, जल संरक्षण और प्रदूषण कम करने के उपाय अपनाकर हम अपने पर्यावरण को संरक्षित कर सकते हैं। याद रखें, एक स्वस्थ पर्यावरण ही स्वस्थ जीवन की कुंजी है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण वह सब कुछ है जो हमें चारों ओर से घेरे हुए है। इसमें वायु, जल, भूमि, वनस्पति, और जीव-जंतु शामिल हैं। यह हमें शुद्ध हवा, स्वच्छ पानी और पोषक तत्वों से भरपूर भोजन प्रदान करता है। लेकिन हम अपने स्वार्थ के कारण इसे नष्ट कर रहे हैं।

वर्तमान समय में प्रदूषण, वनों की कटाई और जलवायु परिवर्तन जैसे समस्याएं हमारे पर्यावरण को गंभीर खतरे में डाल रही हैं। प्रदूषण के कारण हवा और पानी दूषित हो रहे हैं, जिससे स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है। वनों की कटाई से जैव विविधता कम हो रही है और जलवायु परिवर्तन से प्राकृतिक आपदाओं का खतरा बढ़ रहा है। महापौर ने कहा कि हमें इन समस्याओं का समाधान ढूंढना होगा। हमें पौधारोपण को बढ़ावा देना चाहिए, जल संसाधनों का सही उपयोग करना चाहिए, और प्रदूषण कम करने के उपाय अपनाने चाहिए। रीसायकलिंग और पुनःउपयोग को अपने जीवन में शामिल करना चाहिए।

वीरपुर क्षेत्र पर्यटन की दृष्टि से होगा समृद्ध, बढ़ेंगे रोजगार : सांसद श्री कुशवाह

वार्ड 65 में करोड़ों रुपए के विकास कार्यों का भूमि पूजन

ग्वालियर। क्षेत्र में विकास के कार्य निरंतर चलते रहेंगे, वीरपुर बांध में वर्ष भर पानी रहेगा, जिससे क्षेत्र पर्यटन की दृष्टि से समृद्ध होगा, साथ ही क्षेत्र में रोजगार की बहुत संभावनाएं बढ़ेगी। उक्त आशय के विचार सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह ने वार्ड 65 में लगभग 2 करोड रुपए के विकास कार्यों की भूमि पूजन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। इस अवसर पर मुख्य रूप से क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती गीता भूपेंद्र कुशवाह, भारतीय जनता पार्टी ग्रामीण जिला अध्यक्ष श्री प्रेम सिंह राजपूत, श्री विकास साहू, श्री रमेश शर्मा, श्री रमेश बघेल, श्री सुरेश बघेल,श्रीमती कमलेश कुशवाह, पूर्व पार्षद श्री घनश्याम कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक गण उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि वार्ड 65 स्थित महेशपुरा शासकीय विद्यालय प्रांगण एवं विष्णु कॉलोनी में आयोजित कार्यक्रम में एक करोड़ 69 लाख रुपए की लागत से महेशपुरा से पटिया वाला मोहल्ला, मिससिल स्कूल तक डलने वाले सीवर लाइन कार्य एवं विष्णु पुरा क्षेत्र की विभिन्न गलियों में सभापति निधि से 22 लाख रुपए से अधिक की लागत से सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया। इस अवसर पर सांसद श्री कुशवाह ने कहा कि क्षेत्र का विकास मेरी प्राथमिकता है, विकास के लिए मैं निरंतर कार्य करता रहूंगा। क्षेत्र के नागरिकों को शिक्षा, स्वास्थ्य के साथ-साथ मूलभूत सुविधाओं का भी लाभ मिले इसके लिए मैं निरंतर प्रयासरत रहूंगा। क्षेत्र के नागरिकों की खुशहाली के लिए वीरपुर बांध क्षेत्र के समग्र विकास एवं सौंदर्य करण के लिए भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय द्वारा टीम गठित कर सर्वे के लिए भेजी गई है, जिससे क्षेत्र के आसपास के सभी बांधों का सर्वे कर विकास किया जाएगा। इससे क्षेत्र में रोजगार के साधन भी बढ़ेंगे। कार्यक्रम की प्रारंभ में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि श्री भूपेंद्र कुशवाह ने बताया कि सांसद जी के नेतृत्व में निरंतर इस क्षेत्र का विकास किया जा रहा है क्षेत्र में जहां सड़क, पानी, सीवर सहित अनेक समस्याएं थी जिनका निराकरण किया जाकर अब क्षेत्र के नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने साइकिल चलाकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

यूथ हॉस्टल ने किया साइकिल रैली का आयोजन

ग्वालियर। विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून के अवसर पर प्रदेश के ऊर्ज मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने साइकिल चलाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस साइकिल रैली में विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि, स्कूली बच्चे, एनसीसी के छात्र-छात्रायें एवं यूथ हॉस्टल के सदस्यगण शामिल हुए। यूथ हॉस्टल द्वारा आयोजित साइकिल रैली का शुभारंभ विश्व पर्यावरण दिवस पर शहर के हृदय स्थल महाराज बाड़े से प्रात- 6.15 बजे प्रारंभ हुआ। इस मौके पर पूर्व महापौर श्रीमती समीक्षा गुप्ता, संस्था के संरक्षक एवं पूर्व विधायक श्री रमेश अग्रवाल, संस्था के चेयरमेन श्री शैलेन्द्र माहौर सहित डीआईजी श्री अमित सांघी, नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में पर्यावरण प्रेमी शामिल हुए। साइकिल रैली सराफा बाजार, गश्त का ताजिया, फालका बाजार, गुरुद्वारा, जयेन्द्रगंज होकर फ्लैग प्वॉइंट थीम रोड पहुँची। रैली के समापन अवसर पर ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने प्रतिभागियों को 250 पौधे एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर द्वारा उपस्थित सभी को पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी दिलाई।

नगर निगम ग्वालियर वीरपुर बांध पर वूमन फॉर ट्री अभियान अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

ग्वालियर। संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास मध्य प्रदेश के निर्देशानुसार नगरीय क्षेत्रों में हरित क्षेत्र का विस्तार, पारिस्थितिकी संतुलन बनाये रखने, पर्यावरण एवं नागरिकों को स्वस्थ जीवन शैली प्रदान करने एवं महिला स्व-सहायता समूहों को आर्थिक आत्मनिर्भरता प्रदान करने के उद्देश्य से अमृत 2.0 एवं डे-एनयूएलएम के कन्वर्जेंस से 5 जून 2025 को विश्व पर्यावरण दिवस के शुभ अवसर पर वीरपुर, गिरवाई महिला मंडल अध्यक्ष, वार्ड जनप्रतिनिधियों, अमृत मित्रो की गरिमामयी उपस्थिति में वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में स्व सहायता समूह की महिलाओं और छेत्र के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में वीरपुर बांध बाउंड्री के आस पास पीपल, नीम, बरगद, आम,, करंज, चंपा, आदि के लगभग एक सैकड़ा औषधीय, और छायादार पौधों का रोपण किया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर जिला न्यायालय परिसर में वृक्षारोपण कर, दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

ग्वालियर। विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून के अवसर पर जिला न्यायालय परिसर ग्वालियर में एक भव्य एवं प्रेरणास्पद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, हरियाली को बढ़ावा देना और नागरिकों को जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूक करना था।इस अवसर पर प्रधान जिला न्यायाधीश श्री ललित किशोर गर्ग मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने स्वयं वृक्षारोपण कर कार्यक्रम की शुरुआत की और उपस्थित जनसमुदाय को पर्यावरण की महत्ता पर प्रेरणादायक संदेश दिया। उन्होंने कहा कि ÷आज का दिन हमें प्रकृति से जुड़ने, उसकी रक्षा करने और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरा-भरा भविष्य सुनिश्चित करने का संकल्प लेने का अवसर देता है।÷ कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पुलिस उप महानिरीक्षक ग्वालियर श्री अमित सांघी उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा ÷पुलिस प्रशासन केवल कानून व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी और प्रकृति संरक्षण में भी सहभागिता निभाना हमारा दायित्व है। इस तरह के आयोजनों में युवा वर्ग और संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी एक सकारात्मक संकेत है। इस आयोजन का संयुक्त रूप से इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (ढ्ढक्र), ग्वालियर शाखा एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (ष्ठक्र) के सहयोग से सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सत्यवती फाउंडेशन और गुड पेशेंट केयर ने सहयोगी संस्थाओं के रूप में भागीदारी निभाई, वहीं श्रीराम हॉस्पिटल कार्यक्रम का हेल्थकेयर पार्टनर रहा। कार्यक्रम में 100 से अधिक पौधों का रोपण किया गया। इनमें मुख्यतः नीम, पीपल, गुलमोहर, कचनार एवं आम जैसे स्थानीय और पर्यावरण-अनुकूल पौधों को शामिल किया गया।

पौधों की देखरेख और संरक्षण के लिए स्थानीय न्यायिक एवं प्रशासनिक स्टाफ के सहयोग से योजना बनाई गई है। इस अवसर पर कई प्रमुख चिकित्सकीय एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को और भी बढ़ाया।

कार्यक्रम में विशेष रूप से नगर निगम मजिस्ट्रेट श्री निशांत मिश्रा, डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रार श्री भूपेंद्र कुशवाह, अतिरिक्त जिला न्यायधीश श्री रवि दोहरे, श्री सुरेश सिंह जमरा, व्यवहार न्यायधीश श्री शक्षम नरूला एवं श्री कुणाल वर्मा, फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट श्री संजय यादव, डॉ. बृजेश सिंघल, डॉ. प्रशांत लहारिया, डॉ. राहुल सप्रा, डॉ. अरविंद मित्तल, समन्वयक आई ?म ए कमेटी, डॉ गोपी शिवहरे, डॉ गायत्री नागोरी, डॉ कुसुम सिंघल व श्री संजय यादव आदि उपस्थित थे।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने महाराजा माधो राव सिंधिया को 100वीं पुण्यतिथि दी श्रद्धांजलि

सांसद निधि द्वारा कराए गए 3.15 करोड़ के विकास कार्यों का किया लोकार्पण

तीन पर्वों का पावन संगम - गंगा दशहरा, पर्यावरण दिवस और माधो महाराज की पुण्यतिथि : सिंधिया

ग्वालियर,नसं.। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज गुरुवार को महाराजा माधो राव सिंधिया की 100वीं पुण्यतिथि के अवसर पर इंदरगंज चौराहा स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

3.15 करोड़ की सांसद निधि से इंदरगंज व अचलेश्वर चौराहे का सौंदर्यीकरण

सिंधिया ने सांसद निधि से 3.15 करोड़ रुपये की लागत से विकसित इंदरगंज और अचलेश्वर चौराहों के सौंदर्यीकरण कार्यों का निरीक्षण कर उनका लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि ये स्थल न केवल नगर की गरिमा बढ़ाएंगे, बल्कि ग्वालियर की ऐतिहासिक स्मृतियों को भी संरक्षित रखेंगे।

तीन पर्वों का पावन संगम - गंगा दशहरा, पर्यावरण दिवस और माधो महाराज की पुण्यतिथि

केंद्रीय मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि, ÷आज एक विशेष दिन है, यह गंगा दशहरा भी है, पर्यावरण दिवस भी है और मेरे पूर्वज माधो महाराज की पुण्यतिथि भी। यह त्रिवेणी संगम हमें प्रकृति, परंपरा और पुरखों के प्रति हमारी जिम्मेदारियों की याद दिलाता है।

माधो महाराज-दूरदर्शी शासन और विकास के अग्रदूत

सिंधिया ने स्वर्गीय महाराजा माधो राव सिंधिया की किसानों

के प्रति गहरी प्रतिबद्धता पर कहा कि माधो महाराज ने किसानों को "अन्नदाता" का नाम दिया। उन्होंने ग्वालियर राज्य में कई बाँध, तालाब, सिंचाई योजनाएं बनाईं। उन्होंने कहा कि माधो महाराज ने आम जन के लिए 1056 विद्यालय खुलवाए, जय आरोग्य संस्थान और सिंधिया स्कूल की स्थापना की।

माधो राव सिंधिया की औद्योगिक क्रांति

केंद्रीय मंत्री ने अपने संबोधन में महाराज माधो राव सिंधिया की औद्योगिक क्रांति की शुरुआत पर कहा कि उन्होंने अपने बलबूते पर Gwalior Chamber of Commerce की स्थापना की। Tata और GD बिड़ला जैसे उद्योगपतियों को प्रोत्साहित किया, Siyanco, Grasim जैसी इकाइयों की नींव रखी साथ ही पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिकोण से शिवपुरी राष्ट्रीय उद्यान की स्थापना की।

रेलवे से जुड़ी विरासत और भविष्य की योजनाएं

सिंधिया ने कहा कि माधो महाराज द्वारा शुरू की गई कई ऐतिहासिक रेल सेवा ने ग्वालियर को रेल नक्शे पर स्थापित किया। उन्होंने अपने पिता स्व. माधवराव सिंधिया के योगदान का भी स्मरण किया।

सिंधिया ने हाल में शुरू की गई नई रेल सेवा का भी जिक्र करते हुए बताया कि हाल ही में हुई स्वीकृत ग्वालियर-बेंगलुरु सीधी ट्रेन सेवा गुना, शिवपुरी और अशोकनगर में भी रुकेगी और ग्वालियर-भोपाल इंटरसिटी ट्रेन अब सप्ताह में 7 दिन चलेगी।

माधो महाराज के अंतिम शब्दों का किया स्मरण

सभा में भावुक क्षण तब आया जब सिंधिया ने स्वर्गीय महाराज माधो राव सिंधिया के अंतिम शब्दों को याद करते हुए बताया कि पेरिस में अपने अंतिम समय में माधो महाराज ने कहा था कि मेरे देहांत के बाद मेरी अस्थियाँ विदेश में नहीं, मेरे शिवपुरी में मेरी माता की छतरी के सामने रखी जाएँ। वहीं मेरी छतरी बने।

उत्तर मध्य रेलवे

No-JHS-DY-CEE–C-T-01-2025/NIT Date:03.06.2025

ई-निविदा सूचना

उप. मुख्य विद्युत अभियन्ता (निर्माण), उत्तर मध्य रेल झाँसी, भारत के राष्ट्रपति के लिये और उनकी ओर से निम्न लिखित कार्य हेतु एक पैकेट सिस्टम पर ऑन लाइन (E-Tendering) के माध्यम से खुली निविदा आमन्त्रित करते हैं। निविदा दिनॉक 24.06.2025 को 15.00 बजे तक website http://www.ireps.gov.in. पर ऑन लाइन जमा की जा सकती है। निविदा के विवरण निम्नानुसार हैः-

निविदा सं.: E-Tender Notice No-JHS-DY-CEE–C-T-01-2025

कार्य का नामः Jhansi division of North Central Railway में (A) JHS-KID डबल लाइन सेक्शन, (B) ललितपुर - बीना तीसरी लाइन सेक्शन (C) ललितपुर - बिरारी सेक्शन में प्री-एनआई (Pre-NI) और एनआई (NI) के दौरान विभिन्न स्टेशनों पर Hiring basis के आधार पर अस्थायी प्रकाश व्यवस्था का प्रावधान।

अनुमानित लागत (₹): ₹ 2695586.84/-	धरोहर राशि(₹): ₹ 53900/-
कार्य पूर्ण होने की अवधि : 12 माह हार्वेस्ट एवं मानसून अवधि सहित	
निविदा खोलने का दिनांक : 24.06.2025	वैधता अवधि: 60 दिन

नोटः पूर्ण विवरण और निविदा जमा करने के लिए कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट http://www.ireps.gov.in. देखें। 972/25(DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. JHS-N-W-26-25 दिनांक : 04.06.2025

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल सिगनल व दूरसंचार अभियंता उत्तर मध्य रेल झांसी भारत के राष्ट्रपति के लिए व उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते हैं।

ई-निविदा सूचना संख्याः JHS-N-W-26-25, कार्य का नाम : प्रोविजन ऑफ़ एस एंड टी वर्क इन कनेक्शन विथ दिव्यांगजन फैसिलिटी एट वेरियस स्टेशनस ऑफ़ ब्रांच लाइन सेक्शन ऑफ़ झाँसी डिवीज़न।	
कार्य लागत लगभगः ₹ 70,44,499.59	धरोहर राशिः ₹ 1,40,900/-
निविदा प्रपत्र का मूल्यः Nil	निविदा खुलने की तिथिः 27.06.2025 Time 15:00
स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन अवधिः 12 माह	

• निविदा दिनांक 27.06.2025 को 15:00 बजे तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in (NORTH CENTRAL RLY/JHANSI DIVISION-S AND T) पर देखें। 982/25 (MG)

North central railways @ CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

संपादकीय

सहमति से बने संबंधों में खटास

सहमति से बने रिश्तों में खटास आना या प्रेमी जोड़े के बीच दूरियां बन जाना आपराधिक प्रक्रिया शुरू करने का आधार नहीं हो सकता। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र के एक शख्स के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामले को खारिज करते यह टिप्पणी की, जिस पर आरोप था कि शादी का झूठा वादा कर उसने महिला से बलात्कार किया। अदालत ने कहा, रिकॉर्ड से ऐसा नहीं लगता कि शिकायतकर्ता की सहमति, उसकी इच्छा के विरुद्ध शादी करने के वादे पर की गयी थी। पीठ ने कहा यह ऐसा मामला नहीं है, जिसमें शुरुआत में शादी करने का वादा किया गया हो। सहमति से बने संबंधों में खटास आना या पार्टनर के बीच दूरी आना, आपराधिक प्रक्रिया शुरू करने का आधार नहीं हो सकता। मामले के अनुसार जून 2022 से जुलाई 2023 के दौरान आरोपी ने शादी का झूठा वादा कर उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। आरोपी ने इनसे इनकार किया और निचली अदालत में जमानत के लिए अपील की। हालांकि भारतीय न्याय संहिता की धारा 69 के तहत अपराध है, जिसके लिए दस साल तक की सजा व जुर्माना हो सकता है। मगर इस तरह के मामलों में अदालत साक्ष्यों व भावनाओं की अनदेखी नहीं करती। भले ही यह सरासर धोखा है मगर सच तो यह भी है कि वयस्क महिलाओं द्वारा विवाहपूर्व शारीरिक संबंध बनाने की सहमति प्रेम व समर्पण के रूप में दी जाती है। वास्तव में विवाहोपरांत भी रिश्तों में खटास आती है, मगर ऐसे में विवाह विच्छेदन जैसी सुविधाएं हैं, परंतु बगैर वैवाहिक रस्मों, परिवार या परिचितों के संज्ञान में लाये बगैर, गुपचुप बनाए गए इस संबंध में धोखे की गुंजाइश तलाशना बेहद मुश्किल होता है। यह भी कहना अतिश्योक्ति होगी कि धोखे से या फुसलाकर महिलाओं को दैहिक संबंधों के लिए राजी करने वाले पुरुषों की मंशा में शुरू से ही खोट नहीं होता। झूठे वादों, दिखावे या सच्चे प्रेम को परखने की कोई कसौटी नहीं होती। न ही सहमति से सेक्स करने के नतीजतन विवाह अनिवार्य हो सकता है। विवाह पवित्र बंधन ही नहीं है, सामाजिक व पारिवारिक व्यवस्था में अभी भी विवाहित जोड़ों को इज्जत से देखा जाता है। दूसरे; तमाम खुलेपन के बावजूद स्त्री शुचिता को लेकर चले आ रहे पूर्वाग्रह कमजोर पड़ते नहीं नजर आ रहे। जिनका समूचा खामियाजा अंततः स्त्री को ही भुगतना पड़ता है। नैतिकता ही नहीं, कानूनी पाबंदियों का भी ख्याल करते हुए पुरुषों को अपनी उतावली व भावनाओं पर काबू करना सीखना चाहिए।

स्वदेशी बुद्धि का नया स्वाभिमानी कदम हमारा अपना भारत जेन

(विवेक रंजन श्रीवास्तव-विभूति फीचर्स)

एक समय था जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence) सिर्फ फिल्मों में नजर आती थी, वह भी अंग्रेज़ी में, चमकते-दमकते रोबोटों के साथ। लेकिन अब वक्त बदल गया है। अब भारत न केवल बाज़ार है, बल्कि मस्तिष्क भी है। और इस मस्तिष्क का नवीनतम चमत्कार है - 'भारतजेन'। यह मॉडल सिर्फ स्मार्ट उत्तर नहीं देगा, बल्कि स्थानीय ज़रूरतों के अनुसार जवाब देगा—चाहे बात किसानों की हो, शिक्षकों की हो या किसी ग्रामीण डॉक्टर की। यह स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और शासन जैसे क्षेत्रों में भारतीय संदर्भों के अनुरूप सेवा देगा। जिस देश की गली-गली में भाषाएं बदल जाती हैं, वहाँ एकल भाषा पर टिका एआई अनुपयुक्त होता। भारतजेन जैसे मॉडलों का आना भाषाई लोकतंत्र का तकनीकी संस्करण है। एक तरह से यह हमारी तकनीकी ए आई आज़ादी की उद्घोषणा है। यह प्रोजेक्ट न सिर्फ़ तकनीक का विकास है, बल्कि यह घोषणा है कि भारत अब सिर्फ़ उपभोक्ता नहीं, ए आई निर्माता भी है। भारतजेन की सफलता इस बात पर भी निर्भर करेगी कि हम इसे सिर्फ़ एक प्रयोग न समझें, बल्कि इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। जब छात्र अपनी मातृभाषा में पढ़ाई के लिए भारतजेन का सहारा ले सकेंगे, जब किसान अपने स्थानीय बोली में इससे संवाद कर पाएंगे, तब असल मायने में यह एआई "हमारा" होगा। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की दुनिया में भारतजेन एक सांस्कृतिक पहरूआ भी होगा। आप पूछ सकते हैं "का हाल बा भैया?" और ए आई भारतजेन जवाब देगा"सब ठीके बा!" भारतजेन केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं है, यह राष्ट्रबोध का विस्तार है। यह उन असंख्य भारतीयों की आकांक्षा है, जो तकनीक में अपनी भाषा, अपनी पहचान और अपना सम्मान चाहते हैं। यह भारत का एआई नहीं, भारत की आत्मा का आईना है। यह कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए आई) है, जो आपकी भाषा समझे, आपके मुहावरों में जवाब दे, आपके स्थानीय संदर्भों को पहचानकर समाधान सुझाए, और वह भी बिना किसी विदेशी सर्वर या मॉडल पर निर्भर हुए। यह अब कल्पना नहीं रही। 'भारतजेन' के रूप में यह एक जाग्रत वास्तविकता बन चुकी है। डॉ. जितेन्द्र सिंह, केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री द्वारा 3 जून 2025 को लॉन्च किया गया 'भारतजेन' भारत का पहला स्वदेशी मल्टीमॉडल ए आई भाषा मॉडल है, जो 22 भारतीय भाषाओं में संवाद कर सकता है। यह केवल एक तकनीकी उत्पाद नहीं है, बल्कि भारत के तकनीकी आत्मनिर्भरता अभियान'आत्मनिर्भर भारत' का क्रांतिकारी प्रतीक है।

तकनीकी तथ्य....

भारतजेन की बनावट और क्षमता

मल्टीमॉडल एआई मॉडल..

भारतजेन टेक्स्ट, स्पीच और इमेज प्रोसेसिंग में सक्षम है।

यह नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग (NLP) और कंप्यूटर विज़न को एकीकृत करता है ।

बाइस भारतीय भाषाओं का ज्ञान भारतजेन हिंदी, तमिल, तेलुगु, बांग्ला, मराठी, पंजाबी, उर्दू, कन्नड़, गुजराती, मलयालम समेत कुल 22 संविधानिक भाषाओं में काम करने की क्षमता रखता है। यह मॉडल भारतीय भाषाओं के कोड-मिक्सिंग, भाषायी विविधता, और बोलचाल की स्थानीय शैली को भी समझने और अपनाने में सक्षम है।

निजता और डेटा संप्रभुता..

भारतजेन का डेटा संसाधन भारत में ही रहता है। यह भारत सरकार के साइबर फिजिकल सिस्टम्स मिशन के तहत विकसित हुआ है, जिससे डेटा की निजता और संप्रभुता बनी रहती है।

प्रौद्योगिकी भागीदार..

इसे IIT बॉम्बे, IIT मद्रास, IIT दिल्ली तथा IISc बेंगलुरु जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के सहयोग से विकसित किया गया है।। इसके पीछे कार्यरत संगठन है AICTE, नेशनल मिशन ऑन साइबर फिजिकल सिस्टम्स, और टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब्स भारतजेन परियोजना समन्वयक हैं।

क्यों विशिष्ट है भारतजेन?

स्थानिक संवेदनशीलता (Regional Sensitivit4)-भारतजेन विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक और भाषाई आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर निर्णय देता है।

यह किसान को मौसम की जानकारी उसकी बोली में दे सकता है, शिक्षक को पाठ योजनाएँ उसकी भाषा में बना सकता है। शहरी ही नहीं, यह मॉडल ग्रामीण भारत की समस्याओं को भी प्राथमिकता देता है। यह मॉडल छोटे अस्पतालों को टेलीमेडिसिन, किसानों को मौसम और बाजार सलाह, छात्रों को स्थानीय भाषा में शिक्षा देने में मदद करेगा।

शब्द सामर्थ्य -070

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. बात, घटना, माजरा, मुकदमा (उर्दू) 3. अलावा, अतिरिक्त 6. प्रेम, इच्छा 7. मां का बच्चे के प्रति प्रेम 8. गलती, जुर्म, गुनाह, दोष 10. मग्न, लीन, खुश, प्रसन्न 12. धनुष, समादेश, फौजी टुकड़ी 13. एक कल्पित पत्थर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है 16. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य 17. बनावटी, अनुकृति, असली का विलोम 18. अबोध, नासमझ 20. ब्रह्मपुत्र एक प्रसिद्ध हरिभक्त देवर्षि 22. गहरा नीला, काला 23. व्याकुल, बेसब्र 24. मन, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द।

ऊपर से नीचे

1. स्वामी, नाथ 2. बेबस, मजबूर, विवश 3. अन्याय, अत्याचार, जुल्म 4. मध्य एशिया का एक देश 5. पुस्तक 9. बहादुर, वीर 11. सैनिक विद्रोह 12. नीच, अधम 12 ए. प्रणाम, झुकना 13. भरण-पोषण करना, परवरिश करना, छोटा झूला, हिंडोला 14. प्रमाण, प्रमाणिक कथन 15. स्वाभाविक ढंक, योग्यता, लियाकत, सभ्यता और शिष्टता, शऊर (उ.) 19. बिजली, तड़ित 21. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

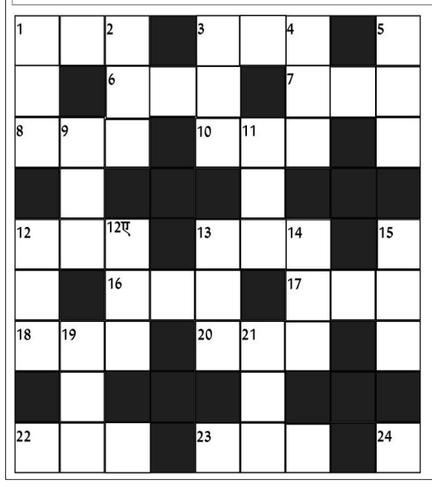

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 069 का हल

प	सं	द	■	सिं	हा	स	न	■
ख	■	म	ज	दू	र	■	का	म
वा	द	क	■	र	■	सं	ब	ल
ड़	■	ल	ज्जा	■	म	स्का	■	य
■	बा	■	■	बि	हा	र	■	■
सु	धा	क	र	■	न	■	■	औ
रं	■	म	■	कि	ता	ब	■	स
ग	■	अ	र	सा	■	हु	ज्ज	त
■	श	क्ल	■	न	मि	त	■	न

सू- दोकू क्र.070

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.069 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

राशिफल

मेष

आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आप माता-पिता के साथ धार्मिक स्थल पर जायेंगे। घर में नए मेहमान के आने की संभावना है, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा बन जायेगा। किसी काम में की गई मेहनत जरूर सफल होगी। आज व्यापार के सिलसिले में की गई यात्रा आज फायदेमंद रहेगी। अगर आप बिजनेस में अनुभवी लोगों की सलाह लेकर आग बढ़ेंगे, तो आपको अधिक मुनाफा होगा। जीवनसाथी का सहयोग मिलने से आपका मन उत्साह से भरा रहेगा।

वृषभ

आज का दिन आपके लिए खुशियां लेकर आया है। इस राशि के स्टूडेंट्स का दिन राहत भरा होगा नया शेड्यूल बनाने का भी विचार कर सकते हैं। आज आप किसी व्यक्ति की मदद करेंगे, आपको ऐसा कर के अच्छा लगेगा। आज किसी बचपन के मित्र से आपकी मुलाकात हो सकती है, आप पुरानी बातों पर चर्चा करेंगे। आज कहीं घूमने की योजना बना सकते हैं, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। आज कारोबार में कुछ नया और अच्छा करने का मन करेगा। सामाजिक कार्यों में कार्यरत व्यक्तियों को आज प्रोत्साहन मिलेगा , जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

मिथुन

आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आ रही रुकावटों का रास्ता आज ढूंढ लेंगे। आप अपनी ऊर्जा को अच्छे कामों में लगायेंगे। आज आपको परिवार के किसी सदस्य की सेहत को लेकर चिंता रहेगी। उनकी सेहत और परिवार का ध्यान रखना आपकी जिम्मेदारी है। बच्चों के लिए आज का दिन बढ़िया है। आपको कोई बड़ा ऑफर मिलने से धन लाभ होगा। किसी खास काम के लिए परिवार के लोगों को आपसे उम्मीद होगी, जिसे आप बखूबी पूरा करेंगे। बाहर के ऑयली खाने से परहेज करेंगे।

कर्क

आज आपका दिन आपके लिए खुशियों की नई सौगात लाया है। जीवनसाथी की बेहतर सलाह से आपको पैसे कमाने का नया जरिया प्राप्त होगा। आज अपनी काबिलियत पर भरोसा रखकर आगे बढ़ेंगे तो भविष्य में आपकी सफलता के अवसर बढ़ जायेंगे। कोई भी महत्वपूर्ण फैसला लेने में सहजता रहेगी। आज दोपहर बाद थोड़ा समय आराम करने और कलात्मक कामों में बीतेगा। खुद को मानसिक रूप से फिट रखने के लिये आपको योगा करना चाहिए। साथ ही आज जल्दबाजी में कोई फैसला करने से आप बचेंगे।

सिंह

आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आज कोई बड़ा और अलग काम करने की सोच सकते है। आज आपका दिन भक्तिमय रहेगा। आज के दिन आपके लिये कमियों से सीख लेकर आगे बढ़ने का है। ऐसा करने से आप उपलब्धि हासिल कर सकते हैं। प्रतिष्ठित लोगों से फायदेमंद मुलाकात रहेगी। आज अपने निजी मामलों में किसी की दखलअंदाजी न होने दें। मीडिया और लोगों से जुड़े रहने से आपको फायदा होगा। पैसों के मामलों में लोगों पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करने से बचना चाहिए। किसी को उधार पैसा देने में सोच-विचार करना बेहतर रहेगा।

कन्या

आज का दिन आपको रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे। आज आप का दिन नई उमंगो के साथ शुरू होने वाला है। आज यात्रा से आपको अपने परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। आज आपकी परिस्थितियों में बदलाव होगा। थोड़ा समय परिवार वालों के साथ बीताने और बातचीत करने से किसी खास मुद्दे का समाधान निकलेगा। भाइयों और रिश्तेदारों के बीच चल रहे विवाद किसी से निपट सकते हैं। समझपूर्ण व्यवहार से आप परिवार की एकता को बरकार रखने में कामयाब होंगे। आपका सकारात्मक रवैया और पक्का आत्मविश्वास आपको आर्थिक सफलता की ओर ले जायेगा।

तुला

आज आपका दिन बहुत बढ़िया रहने वाला हैं। समय का पूरा सदुपयोग करें। आज दूसरों को जितना ज्यादा महत्व देंगे, आपको भी उतना ही महत्व मिलेगा। आज पुश्तैनी जमीन-जायदाद से जुड़ा काम सुलझ सकता है। आज आपके घर में मांगलिक कामों की योजनाएं बनेंगी। संबंधों में मजबूती आएगी। आपका रुका हुआ सरकारी काम आज पूरा हो सकता है। आज आप अपने घर को नए तरीके से सजायेंगे। लम्बे समय से चल रही योजना में आज कुछ नए चेंजेस भी कर सकते हैं। समाज में आपके द्वारा किए गए कार्यों की काफी सराहना होगी।

वृश्चिक

आज आप का दिन नई उमंगो के साथ शुरू होने वाला है। माताएं अपने बच्चों को कुछ नया सिखाएंगी, जिससे बच्चों में नए विचार आएंगे। आज परिवार के कुछ जरूरी काम होंगे। आज किसी से फोन पर लम्बी बात हो सकती है। इससे रिश्ते और मजबूत होंगे। रूटीन में सुधार करने की जरूरत है। व्यवस्थित रहेंगे तो आज काम समय पर पूरे हो जाएंगे। शाम का समय आपका खुशी व उमंग से भरा रहेगा।

धनु

आज आपके दिन की शुरुआत आपके अनुकूल होने वाली है। आज आप वर्किंग प्लेस पर खूब मेहनत करेंगे आपको कई जिम्मेदारियां मिल सकती है, जिन्हें आप अच्छी तरह से निभायेंगे। इस राशि के मनोरंजन उद्योग से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन फायदेमंद होगा। आपके घर में उत्सव का माहौल बना रहेगा। जो लोग पैतृक व्यवसाय कर रहे हैं व्यवसाय में कुछ बदलाव के लिए अपने पिताजी से बातचीत करेंगे। व्यापारिक दृष्टि से आपको लाभ होगा, धीरे – धीरे व्यापार में अच्छा लाभ देखने को मिलेगा।

मकर

आज आपका दिन खुशनुमा बना रहेगा। कार्यक्षेत्र में जो भी रुकावटें आएंगी, उनसे आप कुछ सीख सकते हैं, ऐसे ही आपको आगे बढ़ने के नए मौके मिलेंगे। बिजनेस में अच्छे से काम को करने पर आपको फायदा होगा। कारोबार में कुछ नया करने के लिए चल रहे प्रयास सफल होंगे। दूसरों की मदद करने से आपको फायदा होगा। ज़मीन जायजाद के मामले में लाभ मिलेगा। आज जमीन जायदाद से जुड़े काम निपट जायेंगे। साझेदार की गतिविधियों पर ध्यान देंगे। आज ऑफिस में बॉस आपके काम की तारीफ करेंगें , आपका प्रमोशन भी हो सकता है।

कुंभ

आज आपका दिन बढ़िया गुजरेगा। किसी काम को पूरा करने के लिए शार्टकट तरीके अपनाने से बचें। निश्चित ही काम थोड़े विलम्ब से ही लेकिन पूरे हो जाएंगे। इस राशि के बिजनेसमैन के बिजनेस में बढ़ोतरी होगी। माताएं बच्चों को मोरल स्टोरी सुनाएंगी। काम को पूरा करने में मन लगायेंगे और कुछ क्रिएटिव वर्क करने का प्रयास करेंगे। आपके लिए आज का दिन अच्छा है । आपके पुत्र के करियर से रिलेटेड कोई अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है। आज आप अपने पैशन के माध्यम से महिलाओं को रोजगार देने का प्रयास करेंगें।

मीन

आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। ऑफिस में आज का दिन ठीक रहेगा,..साथ ही कोई कलीग आपके काम में हेल्प करेंगे। आज किसी के बहकावे में न आये और अपने काम के प्रति सतर्क रहें। आपके परिवार में कोई नन्हा मेहमान आने के योग बन रहे है। आज आपके परिवार में खुशियों का माहौल बनेगा। आज आपको किसी महत्वपूर्ण चर्चा में शामिल होने का मौका मिलेगा, जिसमें आपकी सहभागिता अच्छी खासी रहेगी। कोई प्रिय मित्र आपसे किसी विशेष विषय को लेकर बातचीत कर सकता है। आज आप सकारात्मक ऊर्जा के साथ आगे बढ़ेंगे , जिससे काम में बेहतर परिणाम मिलेंगे।

अशोभनीय आचरण वाले पार्टी प्रवक्ताओं पर अंकुश आवश्यक

(डॉ. सुधाकर आशावादी-विनायक फीचर्स)

सार्वजनिक मंचों पर चर्चित होने की चाहत व्यक्ति को कितना पथ भ्रष्ट कर सकती है। इसके अनेक उदाहरण नेताओं की बहकती जुबान से मिलते हैं। पक्ष हो या विपक्ष, आजकल नेताओं की जुबान बहुत फिसलने लगी है। सार्वजनिक मंचों से टिप्पणी करते हुए वे ये नहीं विचारते कि उनके मुँह से निकला कोई एक वाक्य भी किस प्रकार उनकी पार्टी की फ़ज़ीहत करा सकता है तथा सार्वजनिक रूप से उन्हें माफी माँगने के लिए विवश कर सकता है। इतना ही नही जिन लोगों को विभिन्न राजनीतिक दलों की विचारधारा का विस्तार करने का दायित्व सौंपा गया है तथा जिन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी का पक्ष प्रस्तुत करने के लिए राजनीतिक दलों ने अपना अधिकृत प्रवक्ता नियुक्त किया है , वही अपनी भाषा और आचरण से पार्टी की नकारात्मक छवि प्रस्तुत करने पर तुले हैं। वस्तुस्थिति यह है कि सिर्फ़ सार्वजनिक मंचों पर ही नहीं बल्कि ई मीडिया और सोशल मीडिया पर होने वाली बहस में विशेष राजनीतिक दल के प्रति अपनी निष्ठा का प्रदर्शन करते हुए प्रवक्ता गण अपशब्द बोलने एवं गाली गलौज करने पर आमादा हो जाते हैं। कई बार सार्वजनिक मंचों पर यही गाली गलौज मार पीट में भी बदल जाती है। लोकतंत्र का इससे बड़ा दुर्भाग्य क्या होगा, कि सार्वजनिक मंचों पर नेता गण ऐसे शब्द बोलने में भी संकोच नही करते, जिन शब्दों को घर परिवार में बोलने से परहेज़ किया जाना अपेक्षित होता है। विचारणीय प्रश्न यह है कि यदि किसी राजनीतिक दल के प्रवक्ता का आचरण ही सभ्यता के दायरे लांघकर असभ्यता की परिधि में आता हो, तो अशोभनीय आचरण के चलते ऐसे लोगों को प्रवक्ता पद से अविलम्ब क्यों नही हटाया जाना चाहिए ?

हर लड़की और महिला के जीवन का हिस्सा पीरियड्स

बंदना प्रेयसी

सदियों से एक लड़की की माहवारी ऐसा विषय रहा जिसे उसे छिपाना पड़ता था। फुसफुसाहटें, झिझक और चुप्पी-ये सब उस प्राकृतिक जैविक प्रक्रिया के साथ जुड़ गई, जो हर लड़की और महिला के जीवन का हिस्सा है, लेकिन आज बिहार में यह खामोशी टूट रही है-और उसकी जगह ले रही है एक सशक्त आवाज।

मासिक धर्म स्वच्छता, जिसे अब तक सार्वजनिक नीति और सामाजिक दायरे के बाहर रखा गया था, अब हमारे स्कूलों, सामुदायिक भवनों, सरकारी कार्यालयों और सबसे महत्त्वपूर्ण हमारे घरों में प्रवेश कर रही है। यह सिर्फ सैनिटरी पैड्स की उपलब्धता या शौचालयों की सुविधा की बात नहीं है-यह एक सामाजिक परिवर्तन है, जो हमारी बेटियों और महिलाओं के प्रति हमारे व्यवहार को सिरे से बदल रहा है। देश-समाज के लिहाज से इस बदलाव के बहुत मायने है। क्योंकि अगर लड़कियां गरिमा के साथ अपनी माहवारी को संभाल सकती हैं, तो वे स्कूल में आसानी से पठन-पाठन कर सकती हैं। जब महिलाओं को स्वच्छता की सुविधा मिलती है, तो वे पूरी क्षमता से कार्यस्थल, समाज और जीवन में अपने दायित्वों का निर्वाहन करती है।

जब समुदाय बेझिझक, बिना शर्म के मासिक धर्म पर खुलकर बातचीत करता है तो इसका सकारात्मक प्रभाव शिक्षा, स्वास्थ्य, लैंगिक समानता पर तो पड़ता ही है यह समाज बनने के रूप में भी फलीभूत होता है। दरअसल, यह केवल स्वच्छता की ही नहीं बल्कि न्याय की भी बात है। इस लिहाज से बिहार की प्रगति उल्लेखनीय है। भारत सरकार की मासिक धर्म स्वच्छता योजना और बिहार सरकार के समर्पित प्रयासों के तहत, राज्य में स्वच्छ तरीकों से माहवारी प्रबंधन करने वाली युवतियों की संख्या (एनएफएचएस-4) के 31 प्रतिशत से बढ़कर (एनएफएचएस-5) में लगभग 59 प्रतिशत हो गई है, यानी दोगुनी। यह प्रगति राष्ट्रीय औसत (57.6 प्रतिशत से 77.3 प्रतिशत) की तुलना में भी उल्लेखनीय है।

ये महज आंकड़ें नहीं हैं बल्कि हमारे सामूहिक प्रयासों की पहचान है। वे सामूहिक प्रयास जिसमें फ्रंटलाइन आशा कार्यकर्ता, शिक्षक, माता-पिता और खुद लड़कियों की सहभागिता से ही बदलाव संभव हुआ है। ये उपलब्धियां शानदार हैं, लेकिन अभी हमारा काम पूरा नहीं हुआ है। सुलभ सैनिटेशन मिशन के हालिया अध्ययन (2023-24) के अनुसार, खगड़िया और कटिहार में आधे से अधिक महिलाओं को अपने पिछले मासिक चक्र में आवश्यक साधन उपलब्ध नहीं थे, और 62 प्रतिशत के पास उन्हें सुरक्षित रूप से फेंकने की जगह तक नहीं थी। ये आंकड़े केवल सेवाओं की कमी को नहीं दर्शाते, बल्कि एक गहरे मसले को उजागर करते हैं- महिलाओं के पास अपनी सुविधा और जरूरत के अनुसार विकल्प चुनने की आजादी नहीं है, उन्हें गरिमा से जीने का अधिकार नहीं मिलता, और उनकी आवाज समाज में सुनी नहीं जाती।

इसीलिए बिहार का मासिक धर्म स्वास्थ्य प्रबंधन रोडमैप (202225) केवल एक नीति नहीं-यह एक वादा है। यह एक ऐसा समन्वित प्रयास है जिसमें मासिक धर्म को एक 'साइड इश्यू' नहीं, बल्कि न्यायसंगत बिहार की परिकल्पना का मूल माना गया है। इसमें स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा से जुड़ता है, ग्रामीण विकास स्वच्छता के साथ मिलकर काम करता है। इसी का परिणाम है कि जमीनी स्तर पर वास्तविक परिवर्तन संभव हो पाया है। यूनिसेफ के सहयोग से स्कूलों में हमने 'सहेली कक्ष' की शुरुआत की है। सहेली कक्ष दरअसल ऐसा सुरक्षित स्थान है जहां लड़कियां विश्राम कर सकें, कपड़े बदल सकें और आत्मविश्वास के साथ अपनी माहवारी का प्रबंधन कर सकें।

अररिया और पूर्णिया के 50 से अधिक सरकारी स्कूलों में यह कक्ष बन चुके हैं, इसके अलावा अन्य स्कूलों में कक्ष बन रहे हैं, लेकिन सुरक्षित स्थान केवल दीवारों तक सीमित नहीं-वे शिक्षकों, सहपाठियों और समुदाय के नजरिए में भी परिलक्षित होना चाहिए। हमने मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना और राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरकेएसके) सरीखे कार्यक्रमों को भी मासिक धर्म स्वच्छता के लक्ष्यों से जोड़ने का प्रयास किया है। इन योजनाओं की क्षमताएं असीमित हैं, लेकिन तभी जब अंतिम छोर तक जिम्मेदारी और संवेदनशीलता संग सेवाएं पहुंचे। नीति और जनता के बीच की दूरी कम होनी चाहिए। और यह केवल 'महिलाओं का मुद्दा' नहीं है।

पुरुष और लड़के, पिता और भाई, शिक्षक और पंचायत प्रतिनिधि-हर आवाज महत्त्वपूर्ण है। जब वे आगे आते हैं, सुनते हैं, और साथ खड़े होते हैं, तो वे शर्म और संकोच के बंधन को तोड़कर विश्वास की डोर को मजबूत करते हैं। यही समावेशिता का असली चेहरा है। आगे बढ़ते हुए, यह सुनिश्चित करना होगा कि हर आंगनबाड़ी केंद्र में किशोरियों को सहयोग देने के लिए प्रशिक्षित कर्मचारी हों।

हर स्वास्थ्य कार्यकर्ता माहवारी पर संवेदनशीलता और आत्मविश्वास से बात कर सके, और हर स्कूल माहवारी को जीवन का हिस्सा माने-कक्षा छोड़ने का कारण नहीं। रोडमैप विकसित होता रहेगा। योजनाएं परिणाम देती रहेंगी। क्योंकि यह केवल एक जैविक प्रक्रिया को प्रबंध करने की बात नहीं-यह संभावना को अनलॉक करने और एक ऐसे भविष्य की लड़ाई है, जहां कोई भी लड़की सिर्फ इसलिए पीछे न रह जाए क्योंकि उसे माहवारी होती है।

सेंसेक्स लाल निशान में खुला, मिडकैप और स्मॉलकैप में तेजी

मुंबई, (ए.)। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को लाल निशान में खुला। सुबह 9:43 पर सेंसेक्स 234 अंक या 0.29 प्रतिशत की गिरावट के साथ 81,139 और निफ्टी 64 अंक या 0.28 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,649 पर था। लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप में तेजी देखी जा रही है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 83.60 अंक या 0.14 प्रतिशत की तेजी के साथ 57,859 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 107.45 अंक या 0.59 प्रतिशत की बढ़त के साथ 18,203 पर था।

निफ्टी ऑटो, पीएसयू बैंक, मेटल, मीडिया और कमोडिटी सबसे ज्यादा बढ़ने वाले इंडेक्स थे। आईटी, एफएमसीजी, इन्फ्रा और प्राइवेट बैंक इंडेक्स लाल निशान में थे।

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स में शामिल शेयरों में इटरनल (जोमैटो), टाटा स्टील, एमएंडएम, इंडसइंड बैंक, टाटा मोटर्स और एशियन पेंट्स में टॉप गेनर्स थे। एलएंडटी, बजाज फाइनेंस, भारती एयरटेल, एचयूएल, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, मारुति सुजुकी टॉप लूजर्स थे।

चॉइस ब्रोकिंग के डेरिवेटिव विश्लेषक हार्दिक मटालिया ने कहा, सपाट शुरुआत के बाद निफ्टी को 24,700, 24,600 और 24,500 पर सपोर्ट मिल सकता है। तेजी की स्थिति में 24,800, 24,900 और 25,000 रुकावट के स्तर होंगे।

ज्यादा एशियाई बाजार तेजी के साथ कारोबार कर रहे थे। टोक्यो, शंघाई, जकार्ता और हांगकांग हरे निशान में थे।

विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 2 जून को लगातार दूसरे सत्र में अपनी बिकवाली जारी रखी और 2,589 करोड़ रुपए के इक्विटी बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने दसवें दिन अपनी खरीद जारी रखी और उसी दिन 5,313 करोड़ रुपए के इक्विटी खरीदे।

वैश्विक कारणों के चलते सोमवार को भी शेयर बाजार लाल निशान में बंद हुआ था। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 77.26 अंक या 0.09 प्रतिशत की गिरावट के साथ 81,373.75 और निफ्टी 34.10 अंक या 0.34 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,716.60 पर था।

दोपहिया ईवी मार्केट में तेजी से घट रहा ओला इलेक्ट्रिक का दबदबा, मई में बिक्री 51 प्रतिशत घटी

नई दिल्ली, (ए.)। दोपहिया ईवी वाहन बनाने वाली कंपनी ओला इलेक्ट्रिक की बिक्री मई में सालाना आधार पर 51 प्रतिशत गिरकर 18,499 यूनिट्स हो गई है। कंपनी मार्केट में टीवीएस मोटर और बजाज ऑटो के बाद तीसरे स्थान पर खिसक गई है। सरकारी वाहन डेटा के मुताबिक, मई में दोपहिया ईवी वाहन सेगमेंट का प्रदर्शन मजबूत रहा है और इस दौरान रिटेल बिक्री बढ़कर 1,00,266 यूनिट्स हो गई है।

दोपहिया ईवी वाहन सेगमेंट में टीवीएस मोटर शीर्ष पर रही। कंपनी की बिक्री मई में सालाना आधार पर 107 प्रतिशत बढ़कर 24,560 यूनिट्स रही और कंपनी का मार्केट शेयर 24 प्रतिशत रहा।

बजाज ऑटो की बिक्री मई में सालाना आधार पर 135 प्रतिशत बढ़कर 21,770 यूनिट्स हो गई है। दोपहिया ईवी वाहन सेगमेंट में 22 प्रतिशत के मार्केट शेयर के साथ दूसरे स्थान पर रही।

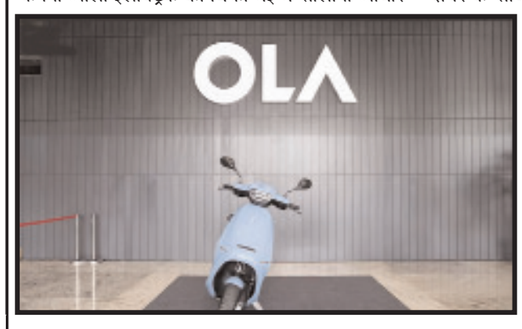

भाविश अग्रवाल की अगुआई वाली ओला इलेक्ट्रिक ने पिछले महीने 18 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी दर्ज की और मार्केट में तीसरे स्थान पर रही।

एथर एनर्जी ने 12,840 यूनिट्स बेचीं और बाजार में 13 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की।

बीते हफ्ते ओला इलेक्ट्रिक ने वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही के नतीजे पेश किए थे। जनवरी-मार्च अवधि में कंपनी का घाटा सालाना आधार पर 109 प्रतिशत बढ़कर 870 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 416 करोड़ रुपए था।

वित्त वर्ष 25 की मार्च तिमाही में कंपनी की ऑपरेशंस से आय सालाना आधार पर 61.8 प्रतिशत कम होकर 611 करोड़ रुपए रह गई है, जो कि एक साल पहले समान अवधि में 1,598 करोड़ रुपए थी।

2021 के अंत में अपने इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की कमर्शियल डिलीवरी शुरू करने के बाद से यह कंपनी का सबसे खराब तिमाही प्रदर्शन है।

पूरे वित्त वर्ष 2025 के लिए ओला इलेक्ट्रिक की आय भी घटकर 4,645 करोड़ रुपए रह गई है, जो वित्त वर्ष 2024 में 5,126 करोड़ रुपए थी।

अब न्यूनतम बैलेंस रखने का झंझट खत्म, इस बैंक ने अपने ग्राहकों को दी बड़ी राहत

नई दिल्ली, (ए.)। केनरा बैंक के ग्राहकों के लिए खुशखबरी है। बैंक ने ग्राहकों को राहत देते हुए रविवार से न्यूनतम बैलेंस न रखने पर जुर्माने के नियम को हटा दिया है। बैंक के इस कदम के बाद सेविंग्स अकाउंट में न्यूनतम बैलेंस नहीं रखने पर किसी भी प्रकार का कोई चार्ज या जुर्माना नहीं लगेगा। यह नया नियम सभी प्रकार के सेविंग्स अकाउंट्स पर लागू होगा।

केनरा बैंक सभी प्रकार के सेविंग्स अकाउंट पर न्यूनतम बैलेंस की सीमा को हटाने वाला पहला बड़ा सरकारी बैंक है। इस नियम के बाद केनरा बैंक के ग्राहक बिना किसी जुर्माने के सेविंग अकाउंट में शून्य बैलेंस रख सकते हैं।

माना जा रहा है कि इस कदम से बैंक के करोड़ों सेविंग अकाउंट होल्डर्स को फायदा होगा और अकाउंट में उपलब्ध पूरी राशि का आसानी से किसी भी लेनदेन के लिए उपयोग कर सकते हैं। केनरा बैंक ने अपनी पोस्ट में कहा, एक जून, 2025 से केनरा बैंक न्यूनतम बैलेंस न रखने पर कोई जुर्माना नहीं लगाएगा। यह नियम सभी सेविंग्स अकाउंट होल्डर्स के लिए है।

इससे पहले केनरा बैंक में सेविंग्स अकाउंट में ग्राहकों को शहरों में 2,000 रुपए, अर्ध-शहरी इलाकों में 1,000 रुपए और ग्रामीण इलाकों में 500 रुपए का न्यूनतम बैलेंस रखना होता है। अगर ग्राहक न्यूनतम बैलेंस रखने में असमर्थ होते थे तो उन पर जुर्माना लगाया जाता था।

केनरा बैंक के इस कदम से छात्रों, महिलाओं, निम्न आय वर्ग, वरिष्ठ नागरिकों के साथ सभी वर्गों को फायदा होगा।

केनरा बैंक का नाम देश के बड़े सरकारी बैंकों में आता है। वित्त वर्ष 25 की मार्च तिमाही में बैंक की आय 31,496 करोड़ रुपए थी। इस दौरान बैंक को 5,111 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। पूरे वित्त वर्ष 25 में बैंक की कुल आय 1.21 लाख करोड़ रुपए थी।

टोटलएनर्जीज अदाणी ग्रीन की ग्रोथ का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध : सीईओ

पेरिस, (ए.)। फ्रांस की एनर्जी कंपनी टोटलएनर्जीज के सीईओ और चेयरमैन पैट्रिक पोयाने ने कहा कि उनकी कंपनी अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के विस्तार का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के साथ पेरिस में बातचीत के दौरान पोयाने ने कहा कि वे अदाणी ग्रीन के विस्तार का समर्थन जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा, अदाणी ग्रीन जिसकी क्षमता 14 गीगावाट है। हम इसकी ग्रोथ को समर्थन जारी रखेंगे। गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा, टोटलएनर्जीज के चेयरमैन और सीईओ पैट्रिक पोयाने से मुलाकात की और भारत के लिए कंपनी की निवेश योजनाओं और रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में सहयोग के अवसरों पर चर्चा की। फ्रांसीसी एनर्जी कंपनी ने भारत में लगभग 5 बिलियन डॉलर का निवेश किया है, जो प्राकृतिक गैस इन्फ्रास्ट्रक्चर, सिटी गैस डेवलपमेंट और क्लीन एनर्जी प्रोजेक्ट्स विशेष रूप से सौर और पवन ऊर्जा पर केंद्रित है। जनवरी 2021 में अदाणी ग्रुप की कंपनी अदाणी ग्रीन में टोटलएनर्जीज ने माइनॉरिटी हिस्सेदारी लेकर साझेदारी की शुरुआत की थी। पिछले महीने अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड दुनिया की पहली ऐसी स्वतंत्र बिजली उत्पादक (आईपीपी) रिन्यूएबल एनर्जी (आरई) कंपनी बन गई है, जिसने अपने पूरे परिचालन पोर्टफोलियो को वाटर पॉजिटिव में बदल दिया है। अदाणी ग्रीन एनर्जी ने सस्टेनेबिलिटी के लिए एक नया मानक स्थापित करने के लिए अपने वित्त वर्ष 26 के लक्ष्य से एक साल पहले वाटर पॉजिटिव होने का लक्ष्य हासिल किया है। यह इस मील के पत्थर तक पहुंचने वाली शीर्ष 10 वैश्विक कंपनियों (परिचालन आरई पोर्टफोलियो के संदर्भ में) में से पहली और एकमात्र है। अदाणी ग्रीन ने वित्त वर्ष 25 के लिए शानदार नतीजे पेश किए। इस दौरान कंपनी ईबीआईटीडीए एक अरब डॉलर के पार पहुंच गया और 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ कंपनी देश में सबसे अधिक 14.2 गीगावाट रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता वाली कंपनी का खिताब बरकरार रखा।

महिला विश्व कप की तारीखों और स्थानों का हुआ ऐलान

-30 सितंबर से 2 नवंबर तक खेलें जायेंगे मैच

नई दिल्ली, (ए.)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने महिला वनडे विश्व कप के 13वें संस्करण की तारीखों और स्थानों की घोषणा कर दी है. टूर्नामेंट 30 सितंबर से 2 नवंबर तक आयोजित किया जाएगा. ये विश्व कप आठ टीमों के बीच खेला जाएगा. इसके सभी मैच भारत और श्रीलंका में पांच स्थानों पर कराए जाएंगे.

आईसीसी के एक बयान के अनुसार विश्व कप के लिए स्थान एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम (बेंगलुरु), असम क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम (गुवाहाटी), होलकर स्टेडियम (इंदौर), एसीए-वीडीसीए स्टेडियम (विशाखापत्तनम) और आर. प्रेमदासा स्टेडियम (कोलंबो) होंगे. ये आयोजन 30 सितंबर को बेंगलुरु में भारत के साथ एक ब्लॉकबस्टर मुकाबले के साथ शुरू होगा क्योंकि महिला क्रिकेट विश्व कप 12 साल बाद क्रिकेट प्रेमी देश यानी भारत में वापस आ रहा है.

आईसीसी ने कहा, पहला सेमीफाइनल 29 अक्टूबर को गुवाहाटी या कोलंबो में होगा, जबकि दूसरा सेमीफाइनल अगले दिन 30 अक्टूबर को बेंगलुरु में खेला जाएगा. इसके बाद दोनों फाइनलिस्टों के पास खिताब के निर्णायक मुकाबले की तैयारी के लिए कम से कम दो दिन का समय होगा. 2025 महिला वनडे विश्व कप का फाइनल रविवार 2 नवंबर को बेंगलुरु या कोलंबो में होगा.

आईसीसी ने कहा, महिला विश्व कप में भाग लेने वाली आठ टीमें भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, श्रीलंका, बांग्लादेश और पाकिस्तान हैं. ऑस्ट्रेलिया गत चैंपियन है और अपनी झोली में एक और खिताब जोड़ने के लिए उत्सुक होगा. उन्होंने 2022 में न्यूजीलैंड में सबसे हालिया महिला विश्व कप के फाइनल में इंग्लैंड को हराया था. ऑस्ट्रेलिया टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे सफल टीम भी है, जिसने सात मौकों पर चैंपियन का ताज पहना है. आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने कहा, हम आने वाले महीनों में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड द्वारा आयोजित किए जाने वाले दो वैश्विक महिला टूर्नामेंटों के बारे में कुछ महत्वपूर्ण घोषणाएं करने के लिए उत्साहित हैं. प्रशंसकों ने हाल के वर्षों में महिलाओं के खेल के लिए बहुत समर्थन दिखाया है और मुझे यकीन है कि अब जब उनके पास महत्वपूर्ण तारीखें और स्थान हैं. तो वो इसे अपना समर्थन देंगे. महिला क्रिकेट हमारी दृष्टि में सबसे आगे है और हमें विश्वास है कि ये दो आगामी टूर्नामेंट न केवल हाल के वर्षों में हमारे द्वारा बनाए गए अविश्वसनीय गति को बनाए रखेंगे, बल्कि इसे और अधिक ऊंचाइयों तक ले जाएंगे.

इसके साथ ही आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 की तारीखों और स्थानों का भी ऐलान आईसीसी द्वारा कर दिया गया है. टी20 वर्ल्ड कप का पहला मैच 12 जून को बर्मिंघम के एजबेस्टन में आयोजित किया जाएगा, जिसमें मेजबान इंग्लैंड टूर्नामेंट की शुरुआत करेगा. लंदन का ओवल 30 जून और 2 जुलाई को क्रमशः दोनों सेमीफाइनल की मेजबानी करेगा, जबकि फाइनल 5 जुलाई को प्रतिष्ठित लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर होगा.

ये टूर्नामेंट 24 दिनों तक चलेगा जिसमें इंग्लैंड के सात अलग-अलग स्थानों पर 33 मैच खेले जाएंगे, जिनमें मैनचेस्टर का ओल्ड ट्रैफ़र्ड क्रिकेट ग्राउंड, लीड्स का हेडिंग्ले, बर्मिंघम का एजबेस्टन, साउथेम्प्टन का हैम्पशायर बाउल, ब्रिस्टल का ब्रिस्टल काउंटी ग्राउंड और लंदन का ओवल और लॉर्ड्स शामिल हैं. यह अब तक का सबसे बड़ा महिला टी20 विश्व कप संस्करण है, जिसमें 12 टीमें प्रतिष्ठित ट्रॉफी के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही हैं.

मेजबान इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और गत विजेता न्यूजीलैंड सहित आठ टीमें पहले ही टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई कर चुकी हैं, जबकि चार और टीमें अगले साल क्वालीफायर के जरिए उनसे जुड़ेंगी।

नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में डी गुकेश का जलवा, रोमांचक मुकाबले में अर्जुन एरिगैसी को हराया

नई दिल्ली, (ए.)। विश्व चैंपियन डी गुकेश ने सोमवार को नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के 7वें राउंड के रोमांचक मुकाबले में हमवतन अर्जुन एरिगैसी पर अपनी पहली क्लासिकल जीत दर्ज की - और ऐसा उन्होंने उस स्थिति से किया जो लगभग खत्म हो चुकी थी. यह उल्लेखनीय जीत गुकेश द्वारा क्लासिकल शतरंज में पहली बार विश्व नंबर 1 मैग्नस कार्लसन को हराने के ठीक एक दिन बाद मिली. लगातार जीत ने 19 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी को प्वाइंट्स टेबल में कार्लसन से ऊपर पहुंचा दिया है, जिससे वह फैबियानो कारुआना के बाद दूसरे स्थान पर आ गए हैं, जिन्होंने अपने ही मैच में वेई यी को हराया था.

दो भारतीय खिलाड़ियों के बीच आमना-सामना उम्मीदों पर खरा उतरा. अर्जुन ने शुरुआत में ही बढ़त हासिल कर ली, शुरुआत में ही उन्होंने मिडिलगेम में गुकेश को मात दे दी और वह एक शानदार जीत की ओर बढ़ते हुए दिख रहे थे. गुकेश की एक महत्वपूर्ण चूक ने उन्हें कमजोर और स्थितिगत रूप से समझौता करने पर मजबूर कर दिया, जिससे कई विश्लेषकों ने उनकी स्थिति को लगभग खो दिया बताया.

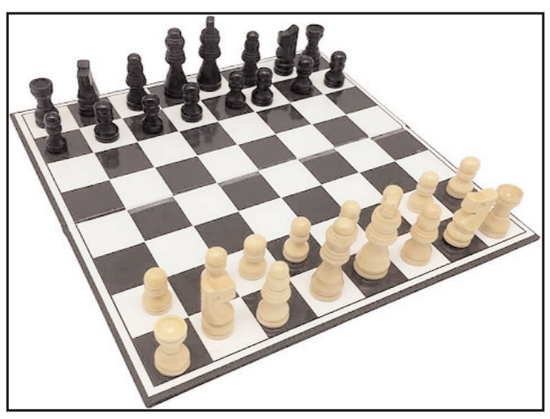

हालांकि, गुकेश ने अपना आपा नहीं खोया शानदार खेल का प्रदर्शन किया. बढ़ते दबाव के तहत, उन्होंने धीरे-धीरे सटीक और शांत डिफेंस के साथ खेल में वापसी की. एक रोमांचक बदलाव में, उन्होंने अर्जुन के लाभ को बेअसर कर दिया और गति को नियंत्रित करना शुरू कर दिया.

जब समय की समस्या मंडरा रही थी, अर्जुन ने गुकेश को मौका देने के लिए पर्याप्त रूप से लड़खड़ाया - जिसका उन्होंने सटीकता के साथ फायदा उठाया. एक कांटे के मैच के बाद, अर्जुन को इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा. यह जीत न केवल गुकेश के लिए एक व्यक्तिगत मील का पत्थर है, बल्कि विश्व मंच पर सबसे कड़े प्रतियोगियों में से एक के रूप में उनकी स्थिति को भी मजबूत करती है. शुरुआती 2 गेम गंवाने के बाद जिस तरीके से गुकेश ने वापसी की है उससे वर्ल्ड चैंपियन के फैंस सोशल मीडिया पर जश्न में डूबे हुए हैं।

-डब्ल्यूटीसी फाइनल

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के इन बल्लेबाजों ने बनाए हैं सबसे ज्यादा रन

नईदिल्ली,ए.। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के तीसरे चक्र का फाइनल मुकाबला 11 जून से लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर शुरू होगा। इसके लिए ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम और दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम जमकर तैयारी कर रही है।

कंगारू टीम अपने खिताब के बचाव के लिए फाइनल मुकाबले में उतरेगी। उसने पिछला खिताब भारतीय क्रिकेट टीम को हराकर अपने नाम किया था।

ऐसे में आइए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों पर एक नजर डाल लेते हैं।

इस सूची में पहले स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज और कप्तान रिकी पोंटिंग हैं।

उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला मुकाबला साल 1997 में खेला था। आखिरी बार वह 2012 में इस टीम के खिलाफ खेलते हुए नजर आए थे।

उन्होंने 26 मुकाबलों की 48 पारियों में 3 बार नाबाद रहते हुए 2,132 रन बनाए थे। उनकी औसत 47.37 की रही थी।

उन्होंने 8 शतक और 11 अर्धशतक लगाए थे। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 143* रन था।

सूची में दूसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज नील हार्वी हैं।

वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 1949 से 1958 तक टेस्ट क्रिकेट खेलते हुए नजर आए थे।

इस टीम के खिलाफ उन्होंने 14 मुकाबले खेले थे। इसकी 23 पारियों में 81.25 की उम्दा औसत के साथ 1,625 रन बनाने में सफल रहे थे।

उनके बल्ले से 8 शतक और 5 अर्धशतक निकले थे। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 205 रन रहा था। तीसरे स्थान पर पूर्व स्टार बल्लेबाज माइकल क्लार्क हैं। वह 2008 से 2014 तक दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ क्रिकेट का सबसे बड़ा प्रारूप खेलते हुए नजर आए थे।

उन्होंने 14 मुकाबले खेले थे। इसकी 27 पारियों में 5 बार नाबाद रहते हुए 1,487 रन बनाए थे। उनकी औसत 67.59 की रही थी।

उनके बल्ले से 5 शतक और 3 अर्धशतक निकले थे। क्लार्क का इस टीम के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ स्कोर 259* रन रहा था।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन इस सूची में चौथे स्थान पर हैं।

उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला टेस्ट मैच साल 1994 में खेला था। आखिरी बार वह 2009 में खेलते हुए नजर आए थे।

उन्होंने 19 टेस्ट की 36 पारियों में 43.70 की औसत से 1,486 रन बनाए थे। उनके बल्ले से 6 शतक और 5 अर्धशतक निकले थे। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 138 रन रहा था।

''विश्व पर्यावरण दिवस'' के अवसर पर जिला न्यायालय परिसर मुरैना में वृक्षारोपण किया गया

मुरैना,कांस। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुरैना श्रीमती संगीता मदान के मार्गदर्शन में ÷पंच-ज÷ के अन्तर्गत 05 जून 2025 को ''विश्व पर्यावरण दिवस'' के अवसर पर जिला न्यायालय परिसर मुरैना में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जल, वन, भूमि, जन, जीव-जन्तु के संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से अभियान चलाया जा रहा है। पौधे पर्यावरण की प्रदूषित वायु के ग्रहणकर शुद्ध वायु हमें प्रदान करते हैं, जिसके लिए प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है कि वे अपने जीवन में पौधारोपण करने के साथ-साथ उसकी सुरक्षा के प्रबंध करने हेतु संकल्पित रहे तथा आमजन को भी प्रेरित करें। पेड़-पौधे पर्यावरण की प्रदूषित वायु को ग्रहणकर शुद्ध वायु हमें प्रदान करते हैं। वर्तमान में पर्यावरण के असंतुलन से आम जनजीवन प्रदूषित हो रहा है, जिससे भौगौलिक एवं पारिस्थितिक तंत्र बिगड़ रहा है। जल, वन, भूमि, जन जीव-जन्तु इन पॉच शब्दों के आशय से समक्षकर इनके संरक्षण का प्रयास करना बहुत आवश्यक है। आज हम सबको प्रण करना चाहिए कि हर व्यक्ति पेड़ लगाये, जिससे मानव जीवन को समुचित प्राण वायु मिल सके और गर्मी से राहत मिले, जिससे अत्यधिक वर्षा हो, जीवन हरा भरा खुशहाल रहे। आज हम शपथ ले ÷आओ चले हम सब पेड़ लगाए देश की हरियाली बचाए÷ ऐसे अथक प्रयासों से हमारा देश हरा-भरा रहे। साथ ही पैरालीगल वालेटियर्स के द्वारा सुदूर ग्रामीण अंचलों में जन समुदाय को अधिक से अधिक वृक्षा रोपण किए जाने हेतु

प्रेरित किया जा रहा है। इस प्रकार से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुरैना न्याय प्रदान किए जाने की सहयोगी की भूमिका के साथ ही मानव जीवन के उत्थान के लिये समर्पित है। इस अवसर पर जिला मुख्यालय मुरैना के प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय मुरैना श्री हितेन्द्र द्विवेदी, प्रथम जिला न्यायाधीश श्री अनुज कुमार, जिला न्यायाधीश मुरैना श्री विनय कुमार भारद्वाज, जिला न्यायाधीश श्रीमती चारूलता दांगी, जिला न्यायाधीश श्री कमलेश साहू, जिला न्यायाधीश श्रीमती निधि सक्सेना, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुरैना श्री आशीष शर्मा, न्यायाधीश मुरैना श्री अमोल सांघी, न्यायाधीश मुरैना सुश्री आज्ञा अग्रवाल, अध्यक्ष जिला अभिभाषक संघ मुरैना श्री पवन गुप्ता, सचिव, अभिभाषक संघ मुरैना श्री मानवेन्द्र सिंह राणा एवं न्यायालय मुख्यालय मुरैना के अधिकारी, कर्मचारीगण एवं अधिवक्तागण द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लिया गया।

उन्नत कृषि यंत्रों को अनुदान पर खरीदने हेतु ऑनलाईन आवेदन प्रारंभ

मुरैना,कांस। कृषि अभियांत्रिकी विभाग के ऑनलाईन पोर्टल ई-कृषि यंत्र अनुदान वेबसाइट dbt.mpdage.org पर अनुदान हेतु यंत्र ब्रॉड बेड फरो-प्लांटर (BBF), श्रेडर, मल्चर पर 04 जून 2025 से ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किये जा रहे है। साथ ही यंत्र हैप्पी सीडर और सुपर सीडर के आवेदन भी ऑनलाईन आमंत्रित किये जा रहे है। सहायक कृषि यंत्री मुरैना श्री अखिलेश सोलंकी ने बताया कि आवेदन करने के लिये पात्रता, आवश्यक दस्तावेज होना अनिवार्य है। जिनमें आधार कार्ड, जमीन की खतौनी बी-1, सहायक कृषि यंत्री मुरैना के नाम बैंक डिमांड ड्राफ्ट जो आवेदक किसान के स्वयं के खाते से बना हो। ट्रेक्टर का पंजीयन प्रमाण पत्र (आरसी), एससी, एसटी वर्ग के लिये जाति प्रमाण-पत्र और कृषक के बैंक खाते की छाया प्रति होना आवश्यक है।

अमानक उर्वरक स्कंध पाये जाने पर भंडारण, स्थानान्तरण पर रोक

मुरैना,कांस। उर्वरक पंजीयन अधिकारी एवं उप संचालक कृषि श्री पी.सी. पटेल ने उर्वरक गुणवत्ता नियंत्रण 1985 की धारा 26 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये मध्यप्रदेश राज्य सहकारी विपणन संस्था अम्बाह का उर्वरक स्कंध नमूने गुणवत्ता परीक्षण हेतु लिये गये, जो अमानक पाये गये। इस संबंध में मध्यप्रदेश राज्य सहकारी विपणन संस्था अम्बाह का उर्वरक स्कंध जिले में क्रय, विक्रय, भंडारण एवं स्थानान्तरण पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध कर दिया है।

पर्यावरण रक्षा द्वारा ही होगी मानवता की रक्षा- सुरेश प्रकाश भट्ट, पर्यावरण प्रकृति द्वारा दिया गया वरदान - रेखा यादव

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर न्यू एडीआर परिसर में वृक्षारोपण का किया आयोजन

धौलपुर ब्यूरो। न्यू एडीआर परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें अध्यक्ष स्थाई लोक अदालत सुरेश प्रकाश भट्ट व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश रेखा यादव एवं समस्त कर्मचारीगण द्वारा पौधे लगाये गये। इस अवसर पर अध्यक्ष द्वारा बताया गया कि विकास के साथ दुनियाभर में पर्यावरण को नुकसान भी पहुंचाया जा रहा है। वन और जंगल नष्ट किये जा रहे है जिसकी वजह से पूरी दुनिया में प्रदूषण का लेवल बढ़ रहा है एवं सचिव द्वारा बताया कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण को व्यक्ति का मूल अधिकार माना गया है तथा संविधान के अनुच्छेद 51क में पर्यावरण संरक्षण को व्यक्ति का मूल कर्तव्य भी माना गया है और कहा गया है कि भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा करे और उनका संवर्धन करे तथा प्राणी मात्र के प्रति दया भाव रखे। इस अवसर पर संजय शर्मा, राहुल डंडौतिया, जगदीश सिंह जादौन, राहुल, सुरेन्द्र सिंह, प्रदीप शर्मा, शिवानी, संदीप कुमार, राजबहादुर, रोहित पाराशर, मनीष मीणा, राधे, बनवारी, कमान आदि कर्मचारी मौजूद रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कार्यक्रम संपन्न

मुरैना,कांस। विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 2025 के अवसर पर इस वर्ष की थीम म प्लास्टिक प्रदूषण मुक्त आयोजन अंतर्गत *मेरा युवा भारत (माय भारत) मुरैना के जिला युवा अधिकारी आशुतोष साहू के निर्देशानुसार कपिल युवा मंडल के सहयोग से कार्यक्रम का आयोजन ग्राम सिकरौदा में किया गया सबसे पहले *नीम आम कटहल अशोक के पौधों को रोपित किया गया* । इस अवसर पर पर्यावरण, प्लास्टिक प्रदूषण,जल संरक्षण, ऊर्जा संरक्षण, स्वस्थ्य जीवन शैली आदि विषयों पर संवाद संगोष्ठी का आयोजन किया गया । साथ युवा मंडल के पदाधिकारी कोपर्यावरण संरक्षण से संबंधित *शपथ* भी ली गई प्लास्टिक प्रदूषण, पर्यावरण संरक्षण आदि विषयों पर युवाओं को जागरूक किया । कार्यक्रम रनवी शर्मा नेमीचंद शर्मा अध्यक्ष राम अवतार शर्मा शिक्षक रामविलास शर्मा *मेरा युवा भारत (माय भारत) मुरैना एव भवानी शकर शर्मा विकास पलिया रूपेश शर्मा प्रशात शर्मा सतेन्द्र शर्मा अभिषेक जाटव प्रदीप ठाकुर अरविंद जाटव सजय प्रजापति आदि लोग ने भाग लिया रामअवतार शर्मा शिक्षक ने उद्बोधन में युवाओं से पर्यावरण के प्रति जागरूक रहने की अपील करते हुए माय भारत पोर्टल पर अधिकतम पंजीयन सुनिश्चित करने पर बल दिया, कार्यक्रममें माय भारत पोर्टल पर विभिन्न विभागीय गतिविधियों में युवाओं के सहभागिता हेतु श्वस्क्क के माध्यम से स्वयं को पंजीकृत कर विभाग के सहयोग से समाज सेवा से जुड़ने की अपील की।

एकमुश्त समाधान योजना के तहत बकाया ऋण जमा कराने पर ब्याज एवं पेनल्टी पर पाएं छूट

धौलपुर ब्यूरो। राज्य सरकार के बजट घोषणा 2025-26 के तहत प्रदेश में पहली बार राजस्थान अनुसूचित जाति, जनजाति वित्त एवं विकास सहकारी निगम लिमिटेड से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, सफाई कर्मचारी वर्ग, दिव्यांगजन एवं अन्य पिछड़ा वर्ग में विगत 31 मार्च तक वितरित किए गए ऋणों पर राहत प्रदान करते हुए अतिदेय मूलधन देय राशि 30 सितम्बर तक जमा कराए जाने पर अतिदेय ब्याज एवं शास्ति अथवा पेनल्टी की राशि पर शत प्रतिशत छूट दी जाएगी। परियोजना प्रबंधक राजस्थान अनुसूचित जाति जनजाति वित्त एवं विकास सहकारी निगम लिमिटेड मनीराम शर्मा ने बताया कि जिले के ऐसे ऋणी जिन्होंने अनुसूचित जाति जनजाति वित्त एवं विकास निगम कार्यालय से स्वरोजगार के लिए ऋण लिया है, ऐसे समस्त बकायादार ऋणी एकमुश्त समाधान योजना का लाभा उठा सकते है। उन्होंने बताया कि योजना का प्रथम चरण 1 मई से 30 सितम्बर तक लागू रहेगा। योजना का द्वितीय चरण के तहत 1 अक्टूबर से 31 दिसम्बर तक केवल दण्डनीय ब्याज माफ किया जाएगा। उन्होंने बताया कि योजना से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी प्राप्त करने के लिए परियोजना प्रबंधक अनुजा निगम कार्यालय कलक्ट्रेट परिसर धौलपुर के कमरा नम्बर 17 एवं 18 में जाकर सम्पर्क कर सकते है।

पर्यावरण जागरूकता रैली के माध्यम से किया गया जागरूक

सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह ने जागरूकता रैली का किया शुभारंभ

ग्वालियर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं जिला प्रशासन और नगर निगम के सहयोग से जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। जागरूकता रैली का शुभारंभ क्षेत्रीय सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह ने किया। इस मौके पर डीआईजी श्री अमित सांघी, नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय सहित जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और पर्यावरण प्रेमी उपस्थित थे। क्षेत्रीय सांसद श्री कुशवाह ने फ्लैग प्वॉइंट थीम रोड से पर्यावरण जागरूकता रैली का शुभारंभ किया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण की वर्तमान समय में महती आवश्यकता को बताते हुए कहा कि हम सबको अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने के साथ-साथ पर्यावरण को संरक्षित करने की दिशा में सार्थक प्रयास करना चाहिए। पर्यावरण संरक्षण रैली फ्लैग प्वॉइंट कटोराताल से प्रारंभ होकर इंदरगंज चौराहा, फूलबाग उद्यान पहुँची और सभी को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई।

मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत एकमुश्त समझौता योजना 2025-26

धौलपुर ब्यूरो। सचिव सहकारी भूमि विकास बैंक लिमिटेड के ताराचन्द मेहरा ने बताया कि बैंक के अवधिपार ऋणी सदस्यों के लिए माननीय मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत एकमुश्त समझौता योजना वर्ष 2025-26 के तहत कुल 654 ऋणी सदस्यों को 1252.08 लाख रुपये की अवधिपार व्याज, दण्डनीय व्याज, वसूली व्यय एवं अन्य पर राज्य सरकार द्वारा शत-प्रतिशत राहत प्रदान की जावेगी। बैंक के कुल 75 ऋणियों को 97.45 लाख रूपये की राहत प्रदान की गई है। जिसके अन्तर्गत राजाखेडा शाखा में 53 ऋणियों को 55.06 लाख रूपये, बाड़ी शाखा के 14 ऋणियों को 22.84 लाख रूपये, बसेड़ी शाखा 3 ऋणियों को 5.74 लाख तथा धौलपुर शाखा के 5 ऋणियों को 6.12 लाख रूपये की राहत प्रदान की गई है। योजनान्तर्गत विजेन्द्र सिंह पुत्र शोभा राम निवासी बाड़ी की 5.46 लाख रूपये तथा धनेरा निवासी श्रीमती लालो पत्नी भंवरसिंह को 6.14 लाख रूपये की राहत प्रदान करते हुए ऋणियों की भूमि रहन मुक्त करने संबंधी प्रमाण-पत्र जारी कर दिये गये हैं। बैंक प्रशासक एवं उपरजिस्ट्रार, सहकारी समितियां, सतेन्द्र सिंह मीना ने अवगत कराया कि योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु दिनांक 30 जून 2025 तक 25 प्रतिशत ऋण राशि जमा करवाने पर एवं शेष 75 प्रतिशत राशि दिनांक 30 सितम्बर 2025 तक जमा करवाई जा सकेगी। योजना में पात्र ऋणी किसान एवं उनके वारिसान एकुमश्त योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाए जिससे उनकी रहन दर्ज भूमि रहनमुक्त हो सके इस हेतु अधिक जानकारी के लिए बैंक की चारों शाखाओं धौलपुर, राजाखेड़ा, बाड़ी, बसेड़ी एवं प्रधानकार्यालय से सम्पर्क किया जा सकता है।

रालसा वन व बालिका वर्ष 2025, सृजन की सुरक्षा योजना के तहत तगावली में नवजात बालिकाओं के परिवारीजनों के साथ किए पौधे रोपित

धौलपुर ब्यूरो। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर द्वारा जारी दिशा निर्देशों तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिला एवं सेशन न्यायाधीश अरुण कुमार अग्रवाल के निर्देशन में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रेखा यादव ने रालसा वन व बालिका वर्ष 2025, सृजन की सुरक्षा योजना के तहत चिन्हित किए गए गांव तगावली के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में नवजात बालिकाओं के परिवारजनों के साथ 11-11 पौधे रोपित किए। जिसमें सचिव ने परिवारजनों, स्थानीय महिला समूहों एवं आगनबांडी कार्यकर्ताओं को बताया कि यह योजना राजस्थान में बालिकाओं और महिलाओं के जीवन और पर्यावरण में सकारात्मक और स्थायी बदलाव लाने की दिशा में एक अभिनव प्रयास है। इसमें चिन्हित ग्राम तगावली में जन्म लेने वाली प्रत्येक हरित बालिका को एक विशिष्ट पहचान पत्र जारी किया जाएगा। इसमें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरित बालिका के परिवारों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ेगा और उन्हें चिकित्सा सुविधाओं और स्वास्थ्य सेवा योजनाओं तक पहुंच, शैक्षणिक अवसर और सरकारी योजनाओं तथा उपलब्ध सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों के संबंध में जानकारी उपलब्ध करवाएगा और आवश्यकता होने पर यह बाल अधिकारों, महिला अधिकारों, पोक्सों अपराधों के संबंध में भी विधिक सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी। इस मौके पर अध्यक्ष

धौलपुर बार संघ प्रशांत हुण्डावाल और सरपंच प्रतिनिधि ग्राम तगावली महेश ठाकुर, एलएडीसीज पप्पू सिंह गुर्जर, अराधना शर्मा, मीता अग्रवाल अध्यापक, जगपाल सिंह, एलडीसी रविंद्र सिंह, एएनएम चंद्रकला, आशा सहयोगिनी भगवती देवी, मंजू, साथिन, भारती राजपूत, मुन्नी देवी, परिवारीजन पूनम, राधा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के स्टेनो राहुल डंडौतिया, कनिष्ठ सहायक सुरेंद्र सिंह एवं राजबहादुर आदि उपस्थित रहे।

प्रेस-काउंसिल अथवा भारतीय प्रेस-परिषद के नाम का उपयोग करना अवैधानिक प्रेस-काउंसिल ने जारी की एडवाइजरी

मुरैना,कांस। केन्द्र सरकार ने प्रेस-काउंसिल ऑफ इंडिया (भारतीय प्रेस परिषद) के नाम के अनाधिकृत उपयोग पर रोक लगाने के लिए एडवाइजरी जारी की है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा एडवाइजरी में कहा गया है कि उन्हें सूचना मिली है, कुछ प्रेस संगठनों द्वारा 'प्रेस-परिषद' शब्द का अनुचित उपयोग किया जा रहा है, जिससे प्रेस-काउंसिल ऑफ इंडिया की संस्थागत महत्ता प्रभावित हो रही है और उसके विशिष्ट अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए यह एडवाइजरी जारी की गई है। सचिव सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा जारी निर्देशों में कहा गया है कि प्रेस-काउंसिल ऑफ इंडिया एक सांविधिक निकाय है। इसकी स्थापना प्रेस-परिषद अधिनियम-1978 के तहत प्रेस की स्वतंत्रता को सुरक्षित रखने और समाचार-पत्रों एवं समाचार एजेंसियों के मानकों को बनाए रखने एवं सुधारने के उद्देश्य से की गई थी। इसका सचिवालय नई दिल्ली के लोधी रोड़ स्थित सीजीओ कॉम्प्लेक्स के सूचना भवन में है। सचिवालय द्वारा यह स्पष्ट किया गया है कि भारतीय प्रेस-परिषद की किसी भी राज्य में कोई शाखा नहीं है, न ही उसने किसी अन्य निकाय को अपने समान या मिलते-जुलते नाम का उपयोग करने के लिए अधिकृत किया है। सचिवालय से जारी निर्देश के अनुसार किसी संगठन द्वारा प्रेस काउंसिल अथवा भारतीय प्रेस-परिषद शब्द का उपयोग करना, प्रतीक और नाम के अनुचित उपयोग निवारण अधिनियम, 1950 की धारा 3 और प्रविष्टि 7(ii) का उल्लंघन है।

इस संदर्भ में केन्द्रीय विधि विभाग ने भी स्पष्ट किया है कि किसी सचिवालय ने 'प्रेस-काउंसिल' अथवा भारतीय प्रेस परिषद शब्द का उपयोग न करने के संबंध में सभी जिला कलेक्टर्स को भी निर्देशित किया गया है। सचिवालय का निर्देश है कि यदि कोई स्थानीय, निजी अथवा सरकारी संगठन इस नाम का दुरुपयोग करता है, तो उनके पंजीकरण को निरस्त किया जाए अथवा उसमें आवश्यक सुधार किया जाए। सरकार की इस पहल का उद्देश्य प्रेस परिषद ऑफ इंडिया की प्रतिष्ठा को बनाए रखना और प्रेस की स्वतंत्रता व मानकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान पर जिला प्रभारी सचिव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मीडिया को दी जानकारी

धौलपुर ब्यूरो। वंदे गंगा, जल संरक्षण जन अभियान को लेकर जिला प्रभारी सचिव पी रमेश और जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी ने ग्राम पंचायत खानपुर मीना के अटल सेवा केंद्र में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मीडिया को अभियान के महत्व एवं रूपरेखा पर विस्तारवादी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा 5 जून, 2025 से 20 जून, 2025 तक राज्य में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के आयोजन का निर्णय लिया गया है।

इस अभियान के दौरान राज्य के समस्त जिलों में विभिन्न स्तरों पर विभिन्न विभागों द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं वर्षा जल संग्रहण तथा स्वच्छता से सम्बन्धित कार्यक्रम क्रियान्वित किये जाने हैं। जिला प्रभारी सचिव ने बताया कि प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार 5 जून को जिला स्तरीय कार्यक्रम से शुरुआत होकर वंदे गंगा आमुखीकरण कार्यशाला, नर्सरियों का विशेष स्वच्छता कार्यक्रम, तुलसी पौधा वितरण, लवकुश वाटिका पर कार्यक्रम, हरियालो राजस्थान हेतु पूर्व तैयारी, नेचर वाक, विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रतियोगिताएं एवं बाल सभा व वंदे गंगा प्रभात फेरी, जल स्त्रोतों की साफ-सफाई एवं मरम्मत, रैली आदि का आयोजन किया गया है।

निर्जला एकादशी पर 6 जून को होंगे विविध आयोजन

6 जून को जल संसाधन विभाग द्वारा नहरों एवं खालो की जल उपयोगिता संगम एवं कृषकों के सहयोग से साफ-सफाई, सार्वजनिक स्थानों पर वंदे गंगा जल सेवा व जल परीक्षण अभियान आयोजित किया जायेगा। साफ-सफाई, श्रमदान, वंदे गंगाजल संग्रहण संरचनाओं की गाद निकालना, पशुओं के लिये साफ पीने के पानी की व्यवस्था एवं पक्षियों के लिये परिंडे बांधना आदि गतिविधियों का आयोजन होगा।

7,8 व 9 को विविध आयोजन

7 जून को जल संरक्षण जन अभियान की गतिविधियों से संबंधित विषय पर विचार विर्मश/संगोष्ठी का आयोजन, स्वच्छता अभियान का आयोजन किया जायेगा। 8 जून को वंदे गंगा प्रभात फेरी एवं जागरूकता अभियान रैली, चिन्हित स्थानों पर श्रमदान किया जायेगा। 9 जून को ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज, स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण द्वारा नवीन अमृत सरोवर का शुभारम्भ, नये जल संग्रहण एवं जल संरक्षण संरचनाओं के कार्यों का शुभारम्भ एवं पूर्ण कार्यों का अवलोकन, पौधारोपण कार्यों की अग्रिम तैयारी, प्राचीन जल स्त्रोतों की साफ-सफाई एवं मरम्मत, औरण का चिन्हीकरण एवं घास बुआई की पूर्व तैयारी, सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा साफ-सफाई व पौधा रोपण कार्य सहित अन्य कार्य करवाये जायेंगे।

10 व 11 को पर्यावरण व जल संरक्षण के अनेक कार्य होंगे

जल संबंधी नवीन कार्यो का शुभारम्भ, औरण का चिन्हीकरण एवं घास बुआई की पूर्व तैयारी, चारागाहों का चिन्हीकरण एवं पौधारोपण कार्यों की अग्रिम तैयारी, हरियालो राजस्थान अंतर्गत अन्य पौधारोपण कार्यो की अग्रिम तैयारी व 11 जून को वन विभाग पौधा रोपण हेतु गडढे खोदना, जल संग्रहण संरचनाओं की गाद निकालना, तुलसी के पौधो का वितरण, मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान-2.1 अंतर्गत पूर्ण कार्यों का अवलोकन सहित अन्य कार्यक्रम आयोजित किये जायेगे।

12 से 20 जून तक भी आयोजित होगी विभिन्न गतिविधियां

12 जून को कृषि एवं उद्यान विभाग द्वारा सिप्रिंकलर ड्रिप, फार्म पौण्ड, सूक्ष्म सिंचाई पद्धति पर कार्यशाला एवं प्रदर्शनी, स्वीकृत कार्यो का अवलोकन एवं नये कार्यो की स्वीकृतियां, कम्पोस्टिंग तकनीक का प्रचार-प्रसार करना, लघु सिंचाई संयत्रो की प्रदर्शनी, कृषि विज्ञान केन्द्रो पर संगोष्ठी एवं कृषि शिक्षा कार्यशाला व प्रगतिशील कृषकों से चर्चा, किसान चौपाल, डिग्गियों की साफ-सफाई और जल स्त्रोतो की साफ-सफाई एवं मरम्मत, जल स्त्रोतों पर दीप प्रज्वलन, अमृतः 2.0 अर्तगत स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं से साफ-सफाई एवं रख-रखाव कार्यक्रम, शहरी रोजगार योजना अर्न्तगत पौधारोण हेतु अग्रिम तैयारी, महापुरूषों की प्रतिमाओं की साफ-सफाई आदि कार्यक्रम होंगे।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा संख्या, AGC-EL-C-T-01-2025-26 दिनांक : 03.06.2025

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य बिजली अभियंता/नि.-/उ.म.रे./आगरा द्वारा निर्धारित फार्म पर निम्नलिखित कार्य हेतु खुली निविदा ऑन लाइन ई-टेन्डरिंग द्वारा आमंत्रित करते है।

निविदा संख्याः AGC-EL-C-T-01-2025-26, **कार्य का नाम लोकेशन सहितः** उत्तर मध्य रेलवे के आगरा मंडल के DHO-SRMT सेक्शन के बीच गेज परिवर्तन N.G to B.G. कार्य के संबंध में **बारी-सरमथुरा (चरण-II)** सेक्शन के बीच विभिन्न स्थानों पर अंडर ग्राउंड एक्सएलपीई केबल द्वारा राज्य विद्युत बोर्ड के 33 केवी, 11 केवी, 440 वोल्ट विद्युत पावर लाइन, ओवर हेड क्रॉसिंग का संशोधन/परिवर्तन/स्थानांतरण का कार्य।

कार्य का अनुमानित लागतः ₹ 2,51,19,809.75/- | **निविदा धरोहर राशिः** ₹ 2,75,600/-

कार्य समापन अवधिः स्वीकृति पत्र के जारी होने से 12 माह तक मानसून अवधि सहित

निविदा बन्द होने की तिथि एवं समयः 27.06.2025 के 15:00 बजे तक

वैधता अवधि : निविदा खोलने की तिथि से 60 दिन

निविदाएं केवल वेब पोर्टल www.ireps.gov.in के माध्यम से दिनांक **27.06.2025 के 15:00** बजे तक जमा की जा सकती है। **पूरी जानकारी के लिए कृपया भारतीय रेल की वेबसाइट** www.ireps.gov.in देखें। 974/25 (MG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान का तालाब ए शाही से शुभारंभ, अभियान में आत्मीय सहभागिता निभाते हुए जन अभियान बनाएं - प्रभारी सचिव

विश्व पर्यावरण दिवस पर जल पूजन, तुलसी वितरण, वृक्षारोपण, जन-शपथ के साथ जन-जागरण का संदेश

धौलपुर ब्यूरो। गंगा दशमी एवं विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ÷वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान÷ का उत्सवमयी जिला स्तरीय शुभारंभ जिला प्रभारी सचिव पी रमेश के मुख्य आतिथ्य में तालाब ए शाही के तट पर हुआ। प्रभारी सचिव ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ जल पूजन तथा कलश पूजन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की। समारोह को संबोधित करते हुए प्रभारी सचिव पी रमेश ने प्रदेश भर में संचालित वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान को प्रदेश के लिए सर्वोपरि जरूरत बताया और कहा कि इससे जल संरक्षण के प्रति व्यापक चेतना का संचार होगा। उन्होंने आमजन को इस अभियान में अधिक से अधिक भागीदारी निभाने का आह्वान किया। अभियान को आशातीत सफल बनाने के लिए समर्पित सहभागिता अदा करने पूरे मन से आगे आएं और धौलपुर में जल संरक्षण का सुनहरा इतिहास कायम करें। इस अभियान से जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन और इनकी साफ-सफाई को सम्बल प्राप्त होगा। इस अवसर पर जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी ने कहा कि जल एक अहम संसाधन है। हमें बस जल निकायों का संरक्षण करना है, जल स्वयं इन स्त्रोतों में संरक्षित हो जाएगा। यह अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की दिशा में एक मजबूत संकल्प है। उन्होंने जल के विवेकपूर्ण उपयोग, वर्षा जल संग्रहण को प्रोत्साहन, पारंपरिक जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन एवं पर्यावरण संरक्षण को जीवन शैली का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष शुरू किया गया ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ अभियान अत्यंत सफल रहा, जिसके तहत राज्य भर में 7 करोड़ पौधे लगाए गए। इस वर्ष हरियालो राजस्थान के संकल्प को और अधिक विस्तारित करते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उन्हें बचाने के प्रयास किए जाएंगे।

जल संरक्षण के संकल्प की दिलाई शपथ

मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद ए एन सोमनाथ ने इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों एवं आमजन को जल संरक्षण की शपथ दिलाई। उन्होंने अभियान को जल संरक्षण की दिशा में मील का पत्थर बताते हुए कहा कि यह अभियान आमजन की भागेदारी से जल स्त्रोतों को संरक्षित एवं पुनर्जीवित करने में एक ऐतिहासिक पहल साबित होगा।

तालाबशाही तट पर किया गया पौधारोपण

कार्यक्रम के समापन के साथ जिला प्रभारी सचिव, जिला कलक्टर, पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरड़ा, सीईओ जिला परिषद, उप वन संरक्षक वी चेतन कुमार सहित जनप्रतिनिधियों एवं अतिथियों ने तालाबशाही तट पर पौधारोपण कर पेड़ लगाओ-पेड़ बचाओ का संदेश भी दिया। इस अवसर पर नुक्कड़ नाटक और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इन आयोजनों में जल एवं पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं प्रदूषण मुक्त परिवेश के लिए संदेश दिए गए। कार्यक्रम से पूर्व शिक्षा विभाग द्वारा विद्यालयों में जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण पर निबंध, कविता एवं भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित कराई।

मातृशक्ति को बांटे तुलसी के पौधे

इस अवसर पर प्रभारी सचिव सहित जिला कलक्टर ने श्एक पेड़ मां के नामश् अभियान के तहत मातृशक्ति को तुलसी के पौधे भेंट किए गए, ताकि वे अपने परिवार और समाज में हरियाली एवं समृद्धि का संदेश प्रसारित करें।

उत्तर मध्य रेलवे

टेन्डर नोटिस नं.: 08/2025 दिनांकः 03.06.2025

ई-निविदा सूचना

वरि. मं. सिग. एवं दूर सं. इंजी., उत्तर मध्य रेलवे, आगरा भारत द्वारा राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु "खुली निविदा" केवल ऑनलाइन माध्यम द्वारा (ई-टेन्डरिंग) आमंत्रित की जाती है।

क्र.सं.: 1	ई-निविदा सं.: आगरा-एसटी-2025-20	कार्य की लागतः Rs. 1,18,01,996.92
कार्य का नामः फेलियर को न्यूनतम करने तथा MTJ-AWR और MTJ-AH अनुभाग में विश्वसनीयता में सुधार के लिए BPAC और UFSBI के लिए संचार को सुदृढ़ बनाने का कार्य।		
क्र.सं.: 2	ई-निविदा सं.: आगरा-एसटी-2025-21	कार्य की लागतः Rs. 2,19,38,075.56
कार्य का नामः आगरा मंडल में सिग्नलिंग गियर्स का आधुनिकीकरण, उन्नयन, प्रतिस्थापन और सुदृढ़ीकरण का कार्य।		
क्र.सं.: 3	ई-निविदा सं.: आगरा-एसटी-2025-22	कार्य की लागतः Rs. 2,03,15,594.42
कार्य का नामः आगरा मंडल पर विश्वसनीयता में सुधार के लिए आगरा कैंट स्टेशन पर दोषपूर्ण सिग्नलिंग केबलों को बदलने का कार्य।		
क्र.सं.: 4	ई-निविदा सं.: आगरा-एसटी-2025-23	कार्य की लागतः Rs. 2,26,79,093.19
कार्य का नामः आगरा मंडल के नॉन इंटरलॉक्ड एलसी गेटों और अन्य संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी के प्रावधान का कार्य।		

निविदा बन्द दिनांकः 30.06.2025, निविदा की पूर्ण जानकारी एवं ऑनलाइन जमा करने हेतु कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in का अवलोकन करे। निविदाकार अपनी निविदा उपरोक्त वर्णित दिनांक को **15:00 बजे** तक भारतीय रेलवे की वेबपोर्टल www.ireps.gov.in पर ऑनलाइन जमा कर सकते है। इस निविदा के अन्तर्गत मैनुअल निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी एवं प्राप्त मैनुअल निविदाओं पर विचार नहीं किया जायेगा। 978/25 (ADM)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

विश्व पर्यावरण दिवस पर किया पौधा रोपड

झुण्डपुरा। विश्व पर्यावरण दिवस पर जन अभियान परिषद के सदस्यों ने धर्मन्द्र राठौर के नेतृत्व में दुर्गनाथ मन्दिर के प्रांगण में पर्यावरण संरक्षण दिवस के अवसर पर पौधारोपण किया। विश्व पर्यावरण दिवस पर धर्मेन्द्र राठौर ने जन अभियान परिषद् के ग्राम प्रस्फुटन समिति के सदस्यों से आग्रह किया कि सभी साथी एक पैड अपनी माता जी एवं पिताजी के नाम से अवश्य लगाए और आग्रह किया कि जो पेड़ आपने लगाया है उसकी देख भाल भी आपको करनी है जिससे वह पेड़ जो आप ने लगाया है उह जीवित रहे इस समय विश्व पर्यावरण संकट से जूझ रहा है अगर हम लोगों ने आज पर्यावरण संरक्षण नहीं किया तो आने बाला समय हमारे लिए बहुत खतरनाक होने बाला है इसलिए हम सब संकल्प ले कि आने बाली पीढ़ी की चिन्ता करते हुए पर्यावरण संरक्षण करते हुए पेड़ अवश्य लगाएगे और उस पेड़ की पानी खाद और और पेड़ की सुरक्षा की चिन्ता करे एवं आम नागरिकों से अपील की पर्यावरण संरक्षण अभियान में जुड़ कर पेड़ अवश्य लगाए ।

भवन निर्माण में खामियों के चलते 2 साल बाद भी प्रारंभ नहीं हो पाया कैलारस का संजीवनी क्लिनिक

राधाकृष्ण सिंघल /सोनू पाराशर

कैलारस। लोगों को प्राथमिक उपचार समय पर मिले, इस उद्देश्य के साथ पूरे प्रदेश में संजीवनी क्लिनिक खोलने की योजना सरकार लेकर आई, नगरीय क्षेत्रों में इस तरह के क्लिनिक की स्थापना गरीब बस्तियों और मोहल्लों में की जाएगी। मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पतालों के साथ इन क्लिनिक को जोड़ा जाएगा, जहां पर प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों की तुलना में बेहतर उपचार की सुविधा मिल सके। एक बार प्राथमिक उपचार मिलने के बाद अगर ऑपरेशन की जरूरत है या गंभीर रोगी हैं तो फिर उन्हें अस्पतालों में शिफ्ट किया जाएगा औरआयुष्मान योजना के तहत उनका महंगा ऑपरेशन या इलाज भी कराया जाएगा। इसी योजना के तहत कैलारस नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 07 अयोध्या बस्ती में 25 लाख की लागत से संजीवनी क्लिनिक के निर्माण कार्य का भूमि पूजन 17 फारब्रीव2023 को नगर परिषद कैलारस द्वारा भारत सरकार के पूर्व केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर जी द्वारा कराया गया था उक्त संजीवनी क्लिनिक भवन का निर्माण कार्य संबंधित निर्माण एजेंसी द्वारा कराया गया लेकिन कुछ खामियों के चलते आज तक उक्त भवन विभाग को हैंड ओवर नहीं हुआ हे इस कारण आज दो साल बाद भी संजीवनी क्लिनिक प्रारंभ नहीं हो पाया है जबकि इस संबंध में स्वास्थ्य केंद्र कैलारस के बीएमओ डॉ एस आर मिश्रा ने बताया कि संजीवनी क्लिनिक का पूरा स्टाफ आ चुका हे और वर्तमान में कैलारस हॉस्पिटल में सेवाएं दे रहा हे बिल्डिंग हमें हैंड ओवर हो जाती हे तो क्लिनिक प्रारंभ हो जाएगा वहीं नगर परिषद कैलारस के तकनीकी अधिकारियों द्वारा बिल्डिंग में कुछ खामियां बताई हे जिसके लिए वरिष्ठ अधिकारियों को भी अवगत कराया गया हे उन कमियों को शीघ्र दूर किया जा समाचार पत्रों में ई संजीवनी हॉस्पिटल कैलारस का निर्माण कार्य अधूरा होने की खबर प्रकाशित होने के बाद मुख्य चिकित्सा अधिकारी पद्मेश उपाध्याय ने सहायक यंत्री संजय विश्वकर्मा को अस्पताल की स्थिति की रिपोर्ट देने के लिए पत्र लिखा।पत्र के माध्यम से सहायक यंत्री द्वारा अवगत कराया है कि उक्त भवन मुख्यमंत्री ई-संजीवनी,नगरपालिका कैलारस को निर्माण हेतु दिया गया था।जो आज दिनांक तक पूर्ण नहीं हुआ है एवं समय-समय पर निरीक्षण कर कार्यलयीन पत्रों के माध्यम से अपूर्ण कार्य को पूर्ण करने हेतु नगरपालिका कैलारस को अवगत भी कराया जा चुका है।उन्होंने बताया कि भवन में खिडकियां एवं दरवाजे टूटे हुए है पैन्ट का कार्य पूर्ण नहीं हुआ है, फ्लोर में दरार आ गयी है, मच्छर जाली नहीं है, पानी की कोई व्यवस्था नहीं है, लाइट फिटिंग में अर्थिंग नहीं की गई है, ओपीडी कक्ष में वॉशवेसन नहीं है।इन स्थितियों को देखते हुए एवं भवन पूरा ना होने के कारण स्वास्थ्य विभाग को हस्तानान्तरित नहीं किया गया हैं।जिला चिकत्सा अधिकारी का कहना है कि अस्पताल का कार्य पूर्ण ना होने के कारण एवं स्वास्थ्य विभाग को हस्तानांतरित ना होने के कारण आज दिनांक तक वहाँ ई संजीवनी हॉस्पिटल का संचालन नहीं हो पाया है।

संजीवनी क्लिनिक की बिल्डिंग में कुछ खामियां हे जिसके लिए संबंधित निर्माण एजेंसी को निर्देश दिए गए हे वह शीघ्र अति शीघ्र उक्त खामियों को दूर करे ताकि क्लिनिक प्रारंभ हो सके

संदीप त्यागी, उप यंत्री नगर परिषद कैलारस

संजीवनी क्लिनिक का स्टाफ आ चुका हे, बिल्डिंग जैसे ही हमें मिलती हे क्लिनिक प्रारंभ कर देंगे*

डॉ एस आर मिश्रा, ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर कैलारस

प्रकृति और संस्कृति दोनों को बचाने की जरूरत : ब्रह्माकुमारी कृष्णा दीदी

मुरैना,कांस। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सब्जी मंडी रोड पोरसा सेवाकेंद्र पर आज पर्यावरण दिवस मनाया गया जिसमें सेवाकेंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी कृष्णा दीदी जी ने सभी को वृक्षों का महत्व समझाया एवं बताया कि भारतीय संस्कृति में धरती को मां माना गया है, जब हम एक पेड़ लगाते हैं तो सिर्फ जड़ें नहीं गाढ़ते हैं बल्कि हम संस्कृति ,कर्तव्य और भविष्य को भी रोपते हैं। माता एवं प्रकृति निस्वार्थ प्रेम की प्रतिमूर्ति है। मां जीवन देती है और पेड़ जीवन को संजोते हैं। मातृशक्ति और प्रकृति के संवर्धन के उद्देश्य से जन्मदात्रि मां के सम्मान में लगाया गया हर पेड़ आशीर्वाद है।

प्रकृति को हरा - भरा बनाना है एक पेड़ मां के नाम लगाना है । प्रकृति ने हमें बहुमूल्य सम्पदा के रूप में अनेक उपहार दिए हैं। एक ओर विकास हो रहा है तो दूसरी ओर विनाश हो रहा है। प्रकृति को प्रदूषित करने के लिए हम सब दोषी हैं। प्राकृतिक वन को हमने उजाड़ा है। वन सरंक्षण के लिए लोगों में जन जागृति लाने की बहुत जरूरत है। हमें प्रकृति और संस्कृति दोनों को बचाने के लिए कार्य करना होगा। हमारा प्रदेश नदी-नालों और जंगलों से घिरा हुआ है। उन्हें सरंक्षित करने की आवश्यकता है। वर्तमान समय प्रदूषण इतना विकराल रूप ले चुका है कि हरेक को अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी समझने की जरूरत है। आजकल प्लास्टिक बहुत बड़ी समस्या बन चुका है। इससे प्रकृति का दम घुट रहा है। अगर जीवन में खुशी चाहते हैं तो अधिक से अधिक पेड़ लगाएं और उनका संवर्धन करें। दीदी जी ने बताया जल, जंगल, जमीन और जानवरों की सुरक्षा से ही पर्यावरण सरंक्षण संभव है। उन्होंने बतलाया कि प्रकृति के साथ-साथ मन के प्रदूषण को भी खत्म करने की जरूरत है। किसी के घर में मृत्यु होने पर उसके नाम से एक पेड़ जरूर लगाएं।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधुत विभाग से विवेक प्रताप सिंह (जे.ई. पोरसा) उपस्थित रहे। उन्होंने सभी को संबोधित करते हुए कहा हमे अपने जीवन में पेड़ लगाने चाहिए और साथ में उनकी देखभाल करनी चाहिए। जैसे हम अपने परिवार के सदस्यों की देखभाल करते हैं वैसे ही हमें पेड़ पौधों की देखभाल करनी चाहिए।

पर्यावरण दिवस पर एन सी सी कैडेट्स ने लगाये पौधे

मुरैना,कांस। 5 जून को विश्व पर्यावरण संरक्षण दिवस के अवसर पर शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में डीप्टी कलेक्टर महोदय राजन नाड़िया व प्राचार्य मुकेश कुमार शांडिल्य तथा विद्यालय के अन्य शिक्षक राकेश कुमार शर्मा दीपक सेमिल धर्मेंद्र जादौन की उपस्थिति में एनसीसी कैडेट्स ने बड़ी मात्रा में वृक्षारोपण किया साथ ही 3 एमपी नेवल यूनिट के तत्वाधान में एनसीसी अधिकारी कविता सारस्वत के निर्देशन में पर्यावरण संरक्षण पर आधारित पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कैडेट्स खुशी यादव गौरी गर्ग शगुन सिकरवार व ऐश दोनेरिया मोनिका बघेल ने स्लोगन के लिखकर प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। कैडेट खुशबू प्रजापति सोनल तोमर शिखा यादव ने पोस्टर प्रतियोगिता में भाग लिया।

नवागत डीआईजी सुनील जैन ने पदभार संभाला

मुरैना,कांस। श्री सुनील कुमार जैन(भा.पु.से) नवागत पुलिस उप महानिरीक्षक महोदय चंबल रेंज मुरैना द्वारा दिनांक 05/06/25 को उमनि चंबल रेंज मुरैना का पदभार ग्रहण किया गया।

आज का वृक्ष, कल का भविष्य - राजन नाडिया

मुरैना,कांस। दिनांक 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर इको क्लब शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक 1 मुरैना एवं सुजागृति समाज सेवा संस्था मुरैना के संयुक्त तत्वाधान में पौधारोपण का कार्यक्रम किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डिप्टी कलेक्टर श्री राजन नाडिया उपस्थित रहे उनके द्वारा बताया गया कि आज एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम में हम सब यहां पर उपस्थित हुए हैं यह हमारी लिए सौभाग्य की बात है कि हम आज जो एक वृक्ष लगा रहे हैं कल वह वृक्ष आगे आने वाली पीढ़ी के लिए पर्यावरण संरक्षण का कार्य करेंगे मैं स्कूल के विद्यार्थियों से आव्हान करता हूं कि वह अपने आसपास, अपने विद्यालय में जहां पर भी खाली जगह मिले वहां पर अपनी मां के नाम का कम से कम एक पेड़ अवश्य लगावे। इस अवसर पर वृक्ष मित्र श्री रविंद्र सिंह कुशवाहा द्वारा कहा धरती की रक्षा जन भागीदारी से ही संभव है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉक्टर राकेश कुमार शर्मा ने कहा कि के इको क्लब उत्कृष्ट विद्यालय मुरैना एवं सुजागृति संस्था के सहयोग से जो औषधि पौधे लगाए जा रहे हैं कल वह सबके स्वास्थ्य के लिए लाभदायक रहेंगे। संस्था के अध्यक्ष जाकर हुसैन द्वारा संकल्प दिलाया कि हम सब मिलकर प्रकृति के साथ सहजीवन को अपनाएंगे और पर्यावरण अन्याय के खिलाफ आवाज उठाएंगे। संस्था के प्राचार्य श्री मुकेश कुमार शांडिल्य द्वारा सभी लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यहां पर आप सब हमारे विद्यालय में उपस्थित हुए यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है। जिला एवं संभागीय अध्यक्ष पर कर्मचारी संघ के श्री रामनरेश दंडोतिया ने भी अपनी बात रखी स्टेनो टू अपर कलेक्टर श्री सुरेंद्र सिंह यादव, एनसीसी नेवल प्रभारी श्रीमती कविता सारस्वत का विशेष सहयोग रहा, एनसीसी के कैडेट द्वारा साथ मैं वृक्षारोपण किया गया इस अवसर पर श्री राकेश शिवहरे,श्री धर्मेंद्र जादौन श्री गोपी शर्मा, केदार सिंह यादव, सामाजिक न्याय विभाग से राकेश श्रीवास्तव, मुन्नालाल जी उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर भा ज पा मंडल कैलारस के कार्यकर्ताओं ने किया पौधा रोपड़

कैलारस। विश्व पर्यावरण दिवस पर भारतीय जनता पार्टी के मण्डल कैलारस के अध्यक्ष कुलदीप सिंह भदौरिया के नेतृत्व में मण्डल कैलारस के कार्यकर्ताओं ने थाने के प्रांगण में पर्यावरण संरक्षण दिवस के अवसर पर पौधारोपण किया एवं मण्डल अध्यक्ष कुलदीप सिंह ने विश्व पर्यावरण दिवस पर भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि सभी साथी एक पेड़ अपने पूर्वजों के नाम से अवश्य लगाए और आग्रह किया कि जो पेड़ आपने लगाया है उसकी देख भाल भी आपको करनी है जिससे वह पेड़ जो आप ने लगाया है उह जीवित रहे इस समय विश्व पर्यावरण संकट से जूझ रहा है अगर हम लोगों ने आज पर्यावरण संरक्षण नहीं किया तो आने बाला समय हमारे लिए बहुत खतरनाक होने बाला है इसलिए हम सब संकल्प ले कि आने बाली पीढ़ी की चिन्ता करते हुए पर्यावरण संरक्षण करते हुए पेड़ अवश्य लगाएगे और उस पेड़ की पानी खाद और और पेड़ की सुरक्षा की चिन्ता करे एवं आम नागरिकों से अपील की पर्यावरण संरक्षण अभियान में जुड़ कर पेड़ अवश्य लगाए इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष किसान मोर्चा केशव पाराशर मण्डल महामंत्री बीरेंद्र बसेड़िया मण्डल उपाध्याय पूरन शिवहरे जनपद सदस्य मुकेश धाकड़ असलम खान मयंक गर्ग आदि समाज सेवी लोग उपस्थित रहे।

बानमोर मे फैक्ट्री के जहरीले पानी से 5 भैस दो गाय कई मोरों की मौत

पशुपालक बैठे धरने पर 5 लाख मुआवजा की मांग की

बानमोर। बुधवार की शाम 6:00 बजे सीतापुर औद्योगिक क्षेत्र स्थित सात्विक केमिकल पाउडर फैक्ट्री से निकल रहे जहरीले पानी के पीने से पांच भैसे दो गाऐं तथा मोरों की मौत हो गई। इस घटना की सूचना जैसे ही ग्रामीणों को लगी तो पहाड़ी तथा खटाने का पुरा ग्रामीण अंचल के 200 से अधिक ग्रामीण जन फैक्ट्री गेट के बाहर धरने पर बैठ गए और पांच लाख रुपये मुआवजे की मांग करने लगे। फैक्ट्री गेट के बाहर भीड़ को देखते हुए फैक्ट्री प्रबंधक को पुलिस को बुलाना पड़ा। ग्रामीणों ने बताया कि फैक्ट्री प्रबंधक द्वारा फैक्ट्री से निकल रहे केमिकल युक्त जहरीले पानी को पुलिया के पास स्थित नाले में छोड़ा जा रहा है। जिसके पीने से उनके पशुओं की मौत हो गई है । घटना की सूचना मिलने पर क्षेत्रीय विधायक दिनेश गुर्जर के भाई संजय छावई जी मौके पर पहुंच कर गांव वालों को मुआवजा दिलाने के लिए बातचीत की। करीब 4 घंटे तक चले धरने प्रदर्शन के बाद प्रबंधक द्वारा ग्रामीणों को दो लाख रुपए देने का आश्वासन दिया गया।

शास महाविद्यालय कैलारस में विश्व पर्यावरण दिवस पर पोस्टर, रंगोली, प्रतियोगिता आयोजित की गई

कैलारस। शासकीय महाविद्यालय कैलारस में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर महाविद्यालय की ह्रस्स इकाई द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया गया । जिसमें वृक्षारोपण, पोस्टर प्रतियोगिता एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । उक्त कार्यक्रम की रूपरेखा NSS अधिकारीश्रीमतीरुचिगुप्ता, ,शासकीय महाविद्यालय कैलारस द्वारा रखी गई । इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सहायक संचालक स्कूल शिक्षा विभाग सुश्री प्रिया सिंह, विशिष्ट अतिथि डॉ धर्मेंद्र धाकड़, BRC कैलारस उपस्थित रहे । इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ वीरेंद्र सोनी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में पर्यावरण संरक्षण के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक को खतरनाक बताया । मुख्य वक्ता सुश्री प्रिया सिंह ने पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षों के महत्व एवं अधिकाधिक वृक्षारोपण करने के लिए प्रेरित किया । विशिष्ट अतिथि डॉ धर्मेंद्र धाकड़ ने आमजन को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण विकसित कर पर्यावरण संरक्षण पर बल दिया । एवं सभी को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील रहने एवं प्रदूषण मुक्त परिसर रखने की तथा प्लास्टिक का उपयोग न करने शपथ दिलाई गई । कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ राजीव शर्मा ने किया ।कार्यक्रम के अंत में श्री दर्शन गिरी गोस्वामी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रदर्शित किया । इस अवसर पर शासकीय माध्यमिक विद्यालय प्राचार्य श्री पवन पाराशर, श्री मुकेश रजक के अलावा शासकीय महाविद्यालय से डॉ शिवचरण, डॉ राजीव शर्मा, डॉ प्रवीण कुमार लिटोरिया, डॉ रामेंद्र परमार, डॉ देवेंद्र जाटव, डॉ ममता सोनी, श्री दर्शन गिरी गोस्वामी, सुश्री प्रियंका साहू, श्री टैलेंद्र निगम, श्री नीरज सिंह तोमर, श्री आशु शुक्ला, श्री अमित शर्मा, श्रीमती प्रीति धाकड़ एवं महाविद्यालय के छात्र छात्राएं एवं प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय का समस्त स्टाफ भी उपस्थित रहा । कार्यक्रम के अंत में शासकीय प्राथमिक विद्यालय परिसर में बीआरसी धर्मेंद्र धाकड़,सहायक संचालिका सुश्री प्रिया सिंह प्राचार्य एवम महाविद्यालय के समस्त स्टाफ तथा रा. से. यो इकाई द्वारा ब्रक्षारोपण किया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर चंबल शताब्दी संगठन ने पौधरोपण कर दिया स्वछता का संदेश

कैलारस। विश्व पर्यावरण दिवस पर कैलारस बाजार के मुख्य मार्ग, टंकी के नीचे एवं थाना परिसर में वृक्षारोपण एवं स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती अंजना बंसल एवं कैलारस तहसीलदार विश्राम सिंह बघेल ने संयुक्त रूप से की। इस अवसर पर अतिथियों ने संगठन के कार्यों की सराहना की और साथ जुड़े रहने का आश्वासन भी दिया इस अवसर पर चंबल शताब्दी संगठन द्वारा कैलारस के मुख्य बाजार क्षेत्र – गाँधी मार्ग, सुभाष मार्ग एवं शास्त्री मार्ग के मध्य स्थित रेलवे ट्रैक के समानांतर क्षेत्र में वृक्षारोपण एवं स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। यह स्थान, जो पूर्व में गंदगी और कचरे के ढेर से प्रभावित रहता था, वहां अभियान चलाकर साफ-सफाई की गई और उसे हरा-भरा बनाने की दिशा में पहला कदम उठाया गया। दोनों ही जिम्मेदार अधिकारियों से स्थल का निरीक्षण कर वहां समतलीकरण, सुरक्षा हेतु जाली लगाने तथा आसपास जनसुलभ शौचालय का निर्माण करवाने का आग्रह किया इसके लिए दोनों अधिकारियो ने पूर्ण सहयोग का आश्वासन भी दिया। आज इस अवसर पर पुष्पेंद्र सिकरवार,भगवती उपाध्याय, शिवम् सिंगल, अरुण शर्मा, रवि सिंघल, रुद्राक्ष सर, कृष्णकांत गुप्ता,डॉ. बी.के तिवारी, दुर्गेश गोयल,सौरभ मंगल की विशेष उपस्थिति रही।

कैलारस में ग्रीष्म कालीन खेल प्रशिक्षण में एक सैकड़ा युवा कर रहे हे भागेदारी

कैलारस। जिला प्रशासन, जिला पुलिस बल, खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा 19 मई से 19 जून तक ग्रीष्म कालीन खेल प्रशिक्ष शिविर का आयोजन कैलारस ब्लॉक में ऑक्सफोर्ड स्कूल एवं अल्फा स्कूल में कबड्डी एथलेटिक्स , एवं ताइक्वांडो के खेल के प्रशिक्षण युवाओं को दिए जा रहे हे जिसमें लगभग 100 युवा भाग ले रहे हे कैलारस की ब्लॉक समन्वयक सोनल बंसल द्वारा बताया कि ग्रीष्म कालीन खेल प्रशिक्षण 19 मई से प्रारंभ हो गई हे कैलारस में दो स्थानों पर यह खेल गतिविधियां कराई जा रही हे 11 जून को ताइक्वांडो और 12जून को कबड्डी और एथलेटिक्स की प्रतियोगिता भी कराई जाएगी।

सैकड़ो विस्थापित दुकानदारों ने नगर परिषद पर किया जोरदार प्रदर्शन

निशुल्क दुकानों के लिए 15 जून से करेंगे क्रमिक भूख हड़ताल, नियम विरुद्ध आबंटित की गई 10 दुकानों की कार्यवाही निरस्त करने की मांग

कैलारस। लगभग 13 वर्ष पूर्व 209 पक्की दुकानों जो एस रोड के समानांतर बनी हुई थी को तोड़ दिया गया। 300 से ज्यादा गुमठी धारी व्यवसायियों को बेदखल कर दिया गया। विरोध करने पर विपक्षी नेताओं को जेल भेज दिया गया। लगातार संघर्ष के बाद माननीय सर्वोच्च न्यायालय से जमीन का और दुकानों का मुकदमा जीतने के बाद भी 6 महीने से ज्यादा का समय बीत गया है। लेकिन नगर परिषद के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रह रही है। वह दुकानदारों को किसी तरह की दुकान देने के बजाय टालमटोली कर रहे हैं। जिससे दुकानदारों में भारी आक्रोश व्याप्त है। सैकड़ो की संख्या में दुकानदार जिनकी दुकान तोड़ी गई थी वे सभी दीनदयाल पार्क पुरानी सब्जी मंडी पर एकत्रित हुए। रैली निकालकर नगर के विभिन्न मार्गो से होते हुए नगर परिषद कार्यालय पर पहुंचे वहां पर जाकर जोरदार नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए विधायक पंकज उपाध्याय , पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष, वरिष्ठ माकपा नेता अशोक तिवारी ने कहा कि विस्थापित 500 से अधिक दुकानदारों को जिनमें एमएस रोड के समांतर 209 दुकान हैं। पहाड़गढ रोड पर 31 दुकान हैंऔर 300 से ज्यादा गुमठी है जिन्हें विस्थापित किया गया है। उनको निशुल्क दुकान तत्काल प्रदाय नहीं की गई ,तो आंदोलन को तेज किया जाएगा। संघर्ष समिति का गठन किया गया है और सब ने मिलकर यह निर्णय लिया है कि 15 जून से नगर परिषद कार्यालय पर अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू करेंगे। जिसमें शुरुआती तौर पर कृमिक भूख-हड़ताल की जाएगी। प्रदर्शनकारियों ने किसी तरह का कोई ज्ञापन नहीं दिया और मौखिक रूप से आगामी आंदोलन की चेतावनी दी है।कहा है कि समस्त उत्तरदायित्व नगर परिषद का होगा। इस मौके सर्वश्री राजेश गुप्ता ,दुर्गेश गौड , बल्लू मामा, अनवर खान, पूरन चंद्र गुप्ता, दीनदयाल गुप्ता, शम्मा कुरैशी पार्षद, मोहित शुक्ला पार्षद, रमेश गौड, मुरारीलाल गौड़ संतोषी लाल गुप्ता कोल्हूडांडे वाले, गजेंद्र सिंह धाकड़, मंजू भाई सहित बड़ी संख्या में दुकानदार और उनके प्रतिनिधि मौजूद रहे। नगर परिषद पर जोरदार नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन के दौरान दुकानदारों ने कहा कि हम सड़कों के संघर्ष में भी जीते हैं, अदालत में भी जीते हैं और निशुल्क दुकान लेने के संघर्ष को भी जीतेंगे। उन्होंने जोरदार तरीके से हाथ उठाकर सर्वसम्मति से 15 जून से अनिश्चितकालीन आन्दोलन शुरू करने का निर्णय लिया है यह भूख-हड़ताल नगर परिषद कार्यालय पर की जाएगी और इसका समस्त नगर परिषद का ही रहेगा। अभी-अभी हाल ही में 10 दुकान आवंटन की कार्रवाई का विवरण भी मांगा गया और अवैध आवंटन रद्द करने की मांग की गई। मुख्य नगर पालिका अधिकारी केलारस की अनुपस्थिति को गंभीरता से लिया और उनके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए भी नारेबाजी की गई। आगामी दिनों में आंदोलन तीव्र होने की संभावना है। अंततः सरकार और प्रशासन को विस्थापित दुकानदारों को दुकान देनी होगी।क्योंकि दुकानदार लगातार संघर्ष करते रहे हैं। अभी तक एक दर्जन से ज्यादा दुकानदार असमय काल कल्वित हो गए हैं। स्थिति अत्यंत चिंताजनक और भयावह है। ऐसी दशा में उनकी पीड़ा को सरकार को समझना होगा और दुकानदारों को तत्काल दुकान बनाकर निशुल्क दुकान प्रदान करनी होगी। कार्यवाही का समापन व्यापार मंडल के पूर्व अध्यक्ष माकपा के नगर सचिव राजेश गुप्ता ने किया उन्होंने आंदोलन के साथ एक जुटता प्रकट करते हुए हर किश्मी सहयोग का भी वायदा किया है।

सड़क, बिजली और पानी जैसी सुविधाएं सरकार की प्राथमिकता - विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर

5 लाख 97 हजार रूपये की लागत से 230 मीटर लंबी, 14 फीट चौड़ी सड़क बनकर तैयार

मुरैना,कांस। दिमनी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम डोंगरपुर किरार में गत दिवस विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने 5 लाख 97 हजार रूपये की लागत से 230 मीटर लंबी और 14 फीट चौड़ी सड़क का लोकापर्ण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सड़क, बिजली, पानी जैसी सुविधायें ग्रामीणों को मुहैया कराना सरकार की प्राथमिकता में है। सड़क बनने से एक दर्जन ग्राम विकास की मुख्य धारा से जुड़ चुके है। उन्होंने कहा कि यह सड़क सुर्जनपुर रोड़ से दुर्जन बाबा मंदिर तक बनाई गई है। यह निर्माण कार्य विधायक निधि से स्वीकृत कर पूर्ण किया गया है। जिसका लोकार्पण विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने स्वयं किया। इस दौरान क्षेत्रीय सांसद श्री शिवमंगल सिंह तोमर भी मौजूद थे। विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर ने नारियल फोड़कर, रिबिन काटकर सड़क का लोकार्पण किया। उन्होंने ग्रामीणों से सीधा संवाद कर क्षेत्र के विकास में कमी नहीं रहने का आश्वासन दिया। उन्होंने मौके पर ग्रामीणों की समस्याओं को सुना और उन्हें आश्वासन भी दिया। हर गांव तक विकास पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता में है। सांसद श्री शिवमंगल सिंह तोमर ने कहा कि यह सड़क केवल निर्माण कार्य नहीं, बल्कि विकास की दिशा में एक मजबूत कदम है। इससे पूरे क्षेत्र को लाभ मिलेगा। कार्यक्रम समाजसेवी डॉ. योगेशपाल गुप्ता सहित गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण जन मौजूद थे।

भाजपा जिला मंत्री की पहल पर ऊर्जा मंत्री ने निर्जला एकादशी व्रत के कारण कैलारस में 6 जून को 4 घंटे की कटौती का आदेश किया निरस्त

कैलारस। मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी कैलारस के सहायक प्रबंधक द्वारा जारी 6 जून के विद्युत कटौती के आदेश को संज्ञान में लेते हुए भाजपा जिला मंत्री राजेंद्र शुक्ला ने 6 एवं 7 जून को निर्जला एकादशी हे इस दिन श्रद्धालु बगैर जल के व्रत रखते हे और इसी भीषण गर्मी में विद्युत कटौती होना उचित नहीं हे उन्होंने तत्काल प्रदेश के ऊर्जावान ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर जी से दूरभाष पर चर्चा कर उन्हें स्थानीय नागरिकों एवं निर्जला एकादशी व्रत वालों की समस्या से अवगत कराया माननीय मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर जी ने उक्त समस्या के निराकरण के लिए मुरेना के वरिष्ठ विद्युत विभाग के अधिकारियों से चर्चाकर उक्त कटौती को 6 एवं 7 जून की जगह अन्य दिनों में करने के निर्देश दिए मंत्री जी के निर्देश के बाद दिनेश शर्मा ने एक जानकारी में बताया कि अपरिहार्य कारणो से दिनांक 6/6/25 को प्रस्तावित 33 केवी कैलारस, 33 केवी पहाडगढ, 33 केवी गैल इंडिया एवं 33 केवी चमरगवा फीडरो का प्लान शटडाऊन निरस्त कर दिया गया है।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पहले मेरा नाम ANIL SINGH था। किंतु अब मेरा नाम परिवर्तित होकर ANIL SINGH AROLIYA हो गया है। मैं अब ANIL SINGH AROLIYA के नाम से जाना व पहचाना जाता हूँ। ADDRESS : 29/258 MANOHAR NAGAR MORENA (M.P) PIN CODE- 476001

- विश्व पर्यावरण दिवस और गंगा दशहरा का एक ही दिन पर होना, बताता है कि भारतीय संस्कृति में पर्यावरण की कितनी महत्ता है
- हम पौधे को पुत्र समान मानते हैं
- भारतीय जीवनशैली में रची-बसी है रिसाइकिल-री-यूज की प्रक्रिया
- जल संरक्षण के लिए 75 हजार से अधिक खेत-तालाबों का निर्माण किया गया
- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एक पेड़ मां के नाम-2025 अभियान का किया शुभारंभ
- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पर्यावरण प्रबंधन पोर्टल का लोकार्पण और वेटलैंड एटलस का किया विमोचन
- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने म.प्र. वार्षिक पर्यावरण पुरस्कार प्रदान किए
- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्व पर्यावरण दिवस पर किया संबोधित
- कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में हुआ राज्य स्तरीय कार्यक्रम

अगली पीढ़ी को बेहतर धरती और वातावरण सौंपने के लिए पर्यावरण संरक्षण के प्रति सभी को सचेत होना होगा - मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने दिया एक पेड़ मां के नाम अभियान से जन-जन को पर्यावरण संरक्षण से जुड़ने का मौका

भोपाल,ब्यूरो।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विश्व पर्यावरण दिवस है और गंगा दशहरा भी आज है। दोनों भारतीय संस्कृति के लिए विशेष महत्व रखते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने पर्यावरण संरक्षण को एक पेड़ मां के नाम अभियान के साथ जोड़ा है। राज्य सरकार आज से इस अभियान की शुरुआत कर रही है। हमारी संस्कृति में एक वृक्ष को सौ पुत्रों के बराबर माना है। परंपरागत रूप से कहा जाता है कि एक बावड़ी 10 कुओं के बराबर है, 10 बाबड़ी एक तालाब के बराबर है, 10 तालाब एक पुत्र के बराबर है और 100 पुत्र एक वृक्ष के समान है। पुत्रों की तुलना वृक्ष के साथ करना, प्रकृति की महत्ता को दर्शाता है। अगर प्रकृति संरक्षित रहेगी तो हमें अपने आप फलने-फूलने का अवसर मिलता रहेगा। वर्तमान दौर में भारतीय संस्कृति और प्राचीन ज्ञान को पुनर्स्थापित करने का समय है। आज रिसाइकिलिंग और री-यूज की चर्चा की जाती है, न्यूनतम संसाधनों से बेहतर जीवनशैली की ओर भी ध्यान दिया जा रहा है। अगली पीढ़ी को बेहतर धरती और वातावरण सौंपने के लिए पर्यावरण संरक्षण के प्रति सभी को सचेत होना होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव विश्व पर्यावरण दिवस पर कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस वर्ष पर्यावरण दिवस का विषय प्लास्टिक प्रदूषण उन्मूलन है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सबको स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में योगदान देना होगा। वायु की गुणवत्ता मे सुधार, प्लास्टिक के उपयोग को कम करने और जल संरक्षण के लिए व्यक्तिगत जवाबदेही और सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करना जरूरी है। राज्य सरकार पर्यावरण अनुकूल उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय पौराणिक कथाओं में वृक्षों, नदियों, पहाड़ों के साथ-साथ वन्यजीवों की पूजा के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण की शिक्षा दी गई है, हमें इनसे प्रेरणा लेनी होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 19वीं शताब्दी में महान वैज्ञानिक जगदीशचंद्र बसु ने लंदन में रायल सोसाइटी को वैज्ञानिक रूप से सिद्ध करके बताया कि पौधों में प्राण होते हैं। जबकि भारत के लोक मानस में यह ज्ञान सदियों से रचा-बसा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार संस्कृति को संरक्षित करते हुए अलग-अलग क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति प्रदान कर रही है। पर्यावरण दिवस पर सभी पुरस्कार विजेता बधाई के पात्र हैं। बदलते दौर में प्लास्टिक के उपयोग को लेकर री-यूज, रि-साइकिल की बात कही जा रही है, यह प्रक्रियाएं भारतीय जीवनशैली में पहले से ही विद्यमान हैं। हमने नेट जीरो एमीशन का लक्ष्य रखा है।

सिकल सेल रोग अनुसंधान के लिए चिकित्सक आगे आएं: राज्यपाल

शादी के पूर्व जेनेटिक कार्ड मिलान जरूर किया जाये

भोपाल,ब्यूरो।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि सिकल सेल उन्मूलन प्रयासों में शोध और अनुसंधान पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। चिकित्सा की विभिन्न पद्धतियों के द्वारा रोग उन्मूलन के लिए समन्वित प्रयासों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमारे वनों में प्रचुर मात्रा में जड़ी-बूटियां उपलब्ध है। आवश्यकता शोध और अनुसंधान के द्वारा उनकी उनकी उपयोगिता के प्रमाणीकरण की है।

राज्यपाल श्री पटेल गांधी मेडिकल कॉलेज में आयोजित सिकलसेल सेंसेटाइजेशन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन गांधी मेडिकल कॉलेज की एलुमिनाई द्वारा किया गया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल भी मौजूद रहे। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि सिकल सेल के उन्मूलन प्रयासों के लिए सबके साथ और सबके प्रयासों की एकजुट आवश्यकता है। प्रत्येक व्यक्ति अपने स्तर पर सिकल सेल की जागरुकता में सक्रिय सहभागिता करें। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि वर्ष 2047 तक सिकल सेल उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जागरुकता ही सबसे बड़ा टूल है। हम में से प्रत्येक व्यक्ति सिकल सेल के लक्षणों, उपचार और संभावनाओं के प्रति स्वयं जागरूक हो। फिर जागरूकता दूत के रूप में अपने आस-पास, और समुदाय को जागरूक करें। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि नई पीढ़ी को सिकल सेल एनीमिया से बचाने के लिए वर-वधू शादी के पूर्व सिकल सेल जेनेटिक कार्ड का मिलान ज़रूर करें। गर्भावस्था में जरूरी जाँचे कराए।

राज्यपाल श्री पटेल ने रामफल का पौधा रोप कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

पेड़ लगा कर देखभाल भी करे, राज्यपाल ने प्रदेशवासियों से की अपील

भोपाल राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राजभवन के नवग्रह उद्यान में पौधारोपण किया। उन्होंने रामफल का पौधा लगाया। राज्यपाल श्री पटेल ने प्रदेशवासियों से भी पेड़ लगाने और उनकी देखभाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि हम सभी अपने जीवन के विशेष अवसरों जैसे जन्म दिवस, वर्षगांठ आदि पर एक पेड़ अवश्य लगाएं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंदूर का पौधा रोपा

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विश्व पर्यावरण दिवस पर उज्जैन में दताना एयर स्ट्रिप पर सिंदूर के पौधे का रोपण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पौधा रोपकर प्रदेशवासियों को मानव जीवन के लिए प्रकृति के संरक्षण का महत्वपूर्ण संदेश दिया। इस अवसर पर उज्जैन के प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल, विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा और जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

सहकारिता विभाग पूरी प्लानिंग के साथ सोसायटी और परिसरों में लगाये पौधे

मंत्री श्री सारंग ने अपेक्स बैंक परिसर में लगाया अशोक वृक्ष

भोपाल,ब्यूरो।

सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि सहकारिता विभाग पूरी प्लानिंग के साथ हर सोसायटी और विभागीय परिसरों में पौधरोपण करें। उन्होंने इसके लिये राज्य संघ और बीज संघ को इसकी जिम्मेदारी दी। उन्होंने कहा कि दीर्घकालीन और छायादार सहित उपयोगी प्रजाति के पौधो का रोपण किया जाये। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि मास्टर प्लान इस तरह का हो कि संरक्षण और संवर्धन के साथ साल भर में लाखों पौधे लगे। मंत्री श्री सारंग ने गुरूवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम के तहत अपेक्स बैंक परिसर में अशोक का पौधा रोपा। अपर मुख्य सचिव श्री अशोक वर्णवाल ने भी पौधरोपण किया।

एबीवी आईआईआईटीएम के लेडीज़ क्लब ने पौधारोपण कार्यक्रम किया

ग्वालियर,नसं.।

एबीवी - आई. आई. आई. टी. एम. ग्वालियर संस्थान के लेडीज़ क्लब के तत्वावधान से संस्थान में पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में वृक्षारोपण किया गया। क्लब के प्रत्येक सदस्य के द्वारा अपनी माँ के नाम एक एक पौधा लगाया गया। क्लब की प्रेसिडेंट वंदना सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में सभी ने बढ़ चढ़कर सहयोग किया एवं संस्थान के हरित परिसर को और भी हरियाली से भरपूर करने के लिए इस अवसर पर प्रण लिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षा श्रीमति वंदना सिंह के साथ इस अवसर पर तुलिका श्रीवास्तव, माधुरी पटनायक, रीना श्रीवास्तव, डॉ. अनुराज सिंह, जेंकिन सूजी, पलक चौधरी इत्यादि मुख्य रूप से उपस्थित रहीं।

पचमढ़ी सिल्क-टेक पार्क को प्रोजेक्ट मोड में विकसित किया जाए : राज्य मंत्री श्री जायसवाल

भोपाल कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल ने कहा है कि पचमढ़ी सिल्क टेक पार्क को प्रोजेक्ट मोड में विकसित करने की आवश्यकता है। मंत्री श्री जायसवाल सिल्क-टेक पार्क पचमढ़ी का भ्रमण कर रहे थे। उन्होंने प्राकृतिक सिल्क शोरूम व मूंगा रेशम उत्पादन की गतिविधियों और प्रदेश के एकमात्र रेशम बीज उत्पादन केन्द्र की गतिविधियों का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर राज्य मंत्री नगरीय प्रशासन एवं आवास श्रीमती प्रतिमा बागरी और राज्य मंत्री पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्रीमती राधारानी सिंह ने भी रेशम केन्द्र तथा प्राकृत शोरूम पचमढ़ी का भ्रमण किया। पचमढ़ी प्रदेश का एकमात्र केन्द्र है जहां चारों प्रकार का रेशम होता है।

प्रेस्टीज प्रबंधन एवं शोध संस्थान में विश्व पर्यावरण दिवस मना

ग्वालियर। प्रेस्टीज प्रबंधन एवं शोध संस्थान के प्रांगण में विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संस्थान के विद्यार्थी के बीच पर्यावरण जागरूकता को फैलाना और सतत विकास पद्धतियों से जागरूक करवाना था। इस अवसर पर कॉलेज प्रांगण में 100 से अधिक पौधे लगाये गये। इस अवसर पर संस्थान की प्राचार्या मैनेजमेंट डॉ0 राखी सिंह चौहान ने बताया कि पर्यावरण के बिना हमारा जीवन संभव नहीं है और पर्यावरण को अपने लिए तथा आने वाली पीढ़ी के लिए संभाल कर रखना होगा। उन्होंने बताया कि इस साल विश्व पर्यावरण दिवस की थीम प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाना है। हम सबको पेड़ पौधे भी लगाना चाहिए। कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. चेतन्या सिंह, नेहा भदौरिया तथा विशेष उपमन्यु थे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर तीन दिवसीय महोत्सव गमले पौधा वितरण के साथ सम्पन्न

ग्वालियर,नसं.।

एसोसिएशन ऑफ ग्वालियर यूथ सोसायटी एवम् संरचना समिति के संयुक्त तत्वावधान में 3 जून से 5 जून तक तीन दिवसीय विश्व पर्यावरण दिवस पर महोत्सव का आयोजन किया जा रहा था इस महोत्सव के दौरान विभिन्न आयोजन आयोजित किये गये इसमें बच्चों के लिए फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित की गई इसके माध्यम से भी पर्यावरण जागरूकता का संदेश दिया चित्रांकन प्रतियोगिता आयोजित की गई चित्रों के माध्यम से भी जनजागरण अभियान चलाया गया और आज पौधा वितरण का आयोजन स्थानीय फूलबाग चौराहे पर मैन रोड पर प्रात: 7 बजे किया गया। इसमें राहगीरों को पौधा वितरण किया गया ।

संस्था की संयोजिका डॉ शिखा कटठल ने बताया कि इस अवसर पर क़रीब 200 लोगों को गमले सहित पौधे वितरण किया गया इसमें आम, जामफल, सीतफल, जामुन, अनार, नींबू आंवला, बेलपत्र,सहित अन्य प्रकार के पौधे वितरण किये गये आज के इस आयोजन में अतिथि हेतु हमारे बीच जय प्रकाश राजौरिया जी भाजपा जिलाध्यक्ष ग्वालियर वरिष्ठ भाजपा नेता श्री राजेश सोलंकी जी एडीशनल एसपी नरेश बाबू अननोटिया थाना प्रभारी कोतवाली मोहिनी वर्मा उपस्थित थीं सभी ने मिलकर पौधे वितरण किये इस अवसर पर पधारे मुख्य अतिथि राजौरिया ने कहा कि पर्यावरण के प्रति जागरूक होना अति आवश्यक है पौधे जीवन में अनमोल है इसका मोल समझना चाहिए और पौधे ज़रूर लगायें कहीं पर भी लगायें और इसका महत्व समझें और देख-रेख भी समय समय पर करते रहे संजय कटठल ने बताया कि संस्था द्वारा प्रत्येक वर्ष इस आयोजन को बढ़ चढ़कर मनाया जाता है आज के इस आयोजन में सुनील कट्ठल विशाल जैन अशोक जैन डॉ मनीष रस्तोगी, धीरज गोयल, उपस्थित थे।

गडकरी का ग्रीन प्रोजेक्ट बन गया भ्रष्टाचार का माध्यम

ग्वालियर,नसं.।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ग्वालियर द्वारा केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी द्वारा लागू की गई ग्रीन हाईवे परियोजना को भ्रष्टाचार का माध्यम बना कर प्लांटेशन करने वाली कंपनियों को करोड़ों रुपए का भुगतान करके सड़कों के बीच में लगाए गए करोड़ों की तादाद में पौधे मार दिए गए हैं। ग्वालियर के प्रोजेक्ट डायरेक्टर उमाकांत मीणा के संरक्षण में किए गए भ्रष्टाचार के मामले में जिला कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान से हस्तक्षेप करने की मांग की है। मध्य प्रदेश आरटीआई फाउंडेशन के अध्यक्ष एडवोकेट संजय दीक्षित ने उक्त जानकारी देते हुए बताया की मुरैना से लेकर शिवपुरी जिले तक 15 प्लांटेशन कंपनियों ने वृक्षारोपण किया है जिसकी मॉनिटरिंग ग्वालियर के प्रोजेक्ट डायरेक्टर उमाकांत मीणा द्वारा की जा रही है । दीक्षित ने इस मामले में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से हस्तक्षेप करने की मांग करते हुए प्रकरण की जांच उच्च स्तरीय कमेटी से करने की मांग की है।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक रामविलास शर्मा द्वारा चम्बल प्रिंटिंग प्रेस इण्डस्ट्रीज एरिया बानमोर से मुद्रित व एस 12 द्वितीय तल रायल प्लाजा पुराने हाईकोर्ट के सामने ग्वालियर से प्रकाशित । प्रधान संपादक रामविलास शर्मा मोबा.- 9329077393
email-chambalsurkhi@yahoo.com आर.एन.आई. पंजीयन नं MPHIN/2007/20705 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र मुरैना रहेगा। कानूनी सलाहकार युवराज कुलश्रेष्ठ एडवोकेट मो.9229842150 फोन- (07532)- 225779,9827679954